खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 12 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-6 | अंक-283

इजराइल का बेरूत और सीरिया पर हवाई हमला, हिजबुल्लाह के गढ़ में कई इमारतें जमींदोज, 22 मारे गए

बेरूत/दमिश्के, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइली सुरक्षा बल (आईडीएफ) लेबनान में कभी बेखौफ घूमने वाले और गाजा की लड़ाई में हमास का साथ देने वाले ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के कमांडरों और उनके गढ़ों को चुन-चुनकर निशाना बना रहा है। इजराइल के ताजा हवाई हमले में हिजबुल्लाह के गढ़ में कम से कम 22 लोग मारे गए । कई इमारतें जमींदोज हो गईं।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने खबर में लेबनान के अधिकारियों के हवाले से कहा है कि गुरुवार को मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले रास अल-नाबा इलाके में इजराइली हवाई हमले में कम से कम 22 लोग मारे गए और कम से कम 117 अन्य घायल हो गए। रास अल-नाबा में इजराइल की बमबारी की वजह से विस्थापित हुए लोग रह रहे हैं। आईडीएफ ने इन हमलों पर तत्काल टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

हमास ने पिछले साल सात अक्टूबर को इजराइल पर हमला किया था। इसके बाद इजराइल ने गाजा में आक्रमण कर हमास के छक्के छुड़ाए। हिजबुल्लाह इससे तिलमिला गया। उसने उत्तरी इजराइल पर रॉकेट दागने शुरू कर दिए। इजराइल ने तब लेबनान में हमले शुरू किए। तब से हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। हाल के हफ्तों में लेबनान में लगभग 10 लाख लोग अपने घर छोड़कर भाग गए हैं। पिछले महीने से इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच घमासान छिड़ा हुआ है। इजराइल के ताजा हवाई हमले में रास अल-नाबा में आठ मंजिला इमारत की मध्य मंजिल को निशाना बनाया गया। इस हमले में दूसरी चार मंजिला इमारत जमींदोज हो गई।

इजराइल को लेबनान में छुपे हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह को मौत के घाट उतारने में कामयाबी मिल चुकी है। यही नहीं नसरल्लाह के प्रमुख उत्तराधिकारी हाशेम सैफिद्दीन का सफाया भी किया जा चुका है। वह पिछले सप्ताह इजराइल की एयरस्ट्राइक में मारा गया। द सीरियन ऑब्जर्वर के अनसार, इजराइल के दक्षिणी सीरिया पर किए गए हवाई हमले में हिज्बुल्लाह का एक आतंकवादी मारा गया है। आईडीएफ के अनुसार, गोलान हाइट्स की सीमा के सीरिया के कुनेइत्रा क्षेत्र में यह हमला किया गया। इसमें हिजबुल्लाह का आतंकी अधम जाहौत मारा गया। इस बीच गुरुवार को इराक ने सीरिया के अल-होल शिविर से अपने 706 लोगों को वापस बुला लिया। इस शिविर में कम से कम 45 देशों के 43,000 से अधिक लोग रहते हैं। इनमें इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह के संदिग्ध आतंकवादियों के रिश्तेदार भी हैं।

इस बीच सीरिया की सरकारी संवाद समिति सीरियन अरब न्यूज एजेंसी (एसएएनए) ने कहा है कि इराकी प्रतिरोध ने शुक्रवार को इजराइल के एक महत्वपूर्ण लक्ष्य को ड्रोन से निशाना बनाया। यह ड्रोन अटैक उम्म अल-रशरश (इलाट) में किया गया।

न्यूज ब्रीफ

विश्वास की बुनियाद पर चलती हैं अदालतें : सीजेआई चंद्रचूड़

थिम्फू। भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि अदालतों की बुनियाद जनता के भरोसे पर

टिकी हुई है। इसलिए इसकी विश्वनीयता और जनता का विश्वास बना रहना बेहद जरुरी है। चूंकि जज जनता द्वारा चुने नहीं जाते हैं इसलिए उनकी विश्वसनीयता और वैधता के लिए जनता का विश्वास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास से ही अदालतों को अपना नैतिक अधिकार प्राप्त होता है। भूटान के जेएसडब्ल्यू स्कूल ऑफ लॉ में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीजेआई ने ये बातें कही हैं। सीजेआई ने कहा, लोकतांत्रिक सिद्धांत में जवाबदेही आमतौर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़ी होती है। निर्वाचित प्रतिनिधि सीधे अपने मतदाताओं और विधायी संस्थानों के प्रति जवाबदेह होते हैं। कुल मिलाकर वे लोकप्रिय जनादेश द्वारा चुने जाते हैं। दूसरी ओर न्यायालय और न्यायाधीश संविधान या वैधानिक कानूनों के जनादेश से अपनी शक्तियां प्राप्त करते हैं। चंद्रचूड़ ने कहा, न्याय न केवल किया जाना चाहिए बल्कि न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। अदालती प्रक्रिया में फंसे लोगों की तुलना में नतीजे दुर्लभ होते हैं। इसलिए न केवल संवैधानिक परिणाम बल्कि संवैधानिक यात्राएं भी मायने रखती हैं। ओपन कोर्ट सुलभ अदालतें मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रौद्योगिकी और सरल प्रक्रियाएं इन यात्राओं की कुंजी होंगी।सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीशों के लिए जनता का विश्वास महत्वपूर्ण है क्योंकि हम अपने नागरिकों के दैनिक जीवन की समस्याओं से निपटते हैं। सीजेआई ने कहा, उस भरोसे को पूरा करने के लिए हमें उनके जूते में अपने पैर रखकर चलना चाहिए। उनकी वास्तविकताओं को समझना चाहिए और उनके अस्तित्व में समाधान खोजना चाहिए।सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि औपनिवेशिक संरचनाओं और कानूनी प्रक्रियाओं की पीड़ा से उभरने के बाद भारत में अदालतें सार्वजनिक धारणा के मामले में औपनिवेशिक बोझ से तुरंत मुक्त नहीं हुईं। भारतीय संविधान ने स्वतंत्रता और संप्रभु संस्थानों के एक नए युग की शुरुआत की, लेकिन यह बदलाव हमारी कानूनी प्रक्रियाओं और प्रथाओं में तुरंत परिलक्षित नहीं हुआ ।

शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकराया, ब्लैकआउट, जीपीएस सेवाओं में गिरावट

लॉस एंजिल्स। अमेरिका नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के

मुताबिक गुरुवार को एक शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकराया है। तूफान हेलेन और मिल्टन से निपटने के लिए किए जा रहे रिकवरी प्रयासों को यह प्रभावित कर सकता है। एनओएए के अंतरिक्ष मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एसडब्ल्यूपीसी) के मुताबिक मंगलवार को सूर्य से कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) विस्फोट हुआ और गुरुवार सुबह 11: 15 बजे (ईएसटी) करीब 1.5 मिलियन मील प्रति घंटे की गति से पृथ्वी पर पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट में एसडब्ल्यूपीसी के हवाले से बताया कि तूफान जी4 स्तर पर पहुंच गया। इसे जी4 जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच के रूप में वर्गीकृत किया गया है। गुरुवार और शुक्रवार को जी4 या उससे अधिक जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच प्रभावी रहा। एसडब्ल्यूपीसी, जियोमैग्नेटिक तूफान की स्थितियों को लेकर चेतावनियां और अलर्ट जारी करता है। एनओएए के मुताबिक रेडियो ब्लैकआउट, बिजली ग्रिड पर दबाव और जीपीएस सेवाओं में गिरावट आई है। सीएमई, सूर्य के कोरोना से चुंबकीय क्षेत्र और प्लाज्मा द्रव्यमान का बहुत बड़ा उत्सर्जन है। जब वे पृथ्वी की ओर आता है, तो पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में बड़ी हलचल पैदा करता है, जिसे भू-चुंबकीय तूफान कहा जाता है। इससे रेडियो ब्लैकआउट, बिजली कटौती का खतरा बढ़ जाता है ।

32 किग्रा का ट्यूमर लेकर 7 साल से घूम रही थी महिला

ग्वाटेमाला । महिला को शुरू में लगा कि वो प्रेग्नेंट है। इसलिए वो इतने बड़े पेट के साथ घूमती रही। लेकिन हॉस्पिटल गई तो उसके पेट से 32 किलो का ट्यूमर निकाला गया, जो उसके गर्भाशय में मौजूद था। यह मामला सेंट्रल अमेरिका के ग्वाटेमाला का है। तब इसे दुनिया का सबसे बड़ा ट्यूमर कहा गया, लेकिन गिनीज बुक्स के मुताबिक ऐसा नहीं है। बताया जाता है कि ये महिला पिछले 7 सालों से इस ट्यूमर को पेट में लिए घूम रही थी। शुरू में उसे लगा कि प्रेग्नेंट है, लेकिन बाद में जब ट्यूमर होने की बात पता चली, तो उसने समाजिक और सांस्कृतिक कारणों से इलाज करवाने से इनकार कर दिया था। लेकिन जब बात जान पर बन आई, तब थक-हार कर उसने सर्जरी करवाने का फैसला किया। सोशल मीडिया पर इस महिला की कहानी तेजी से वायरल हो रही है। चिकित्सकों के मुताबिक, महिला तब भी ट्यूमर नहीं निकलवाना चाहती थी, लेकिन जब वह कैंसर का रूप लेने लगा, महिला के जान पर बन आई, तब वो सर्जरी करवाने को तैयार हुई। महिला की सर्जरी करने वाली डॉक्टर ने बताया कि पिछड़े इलाकों में ज्यादातर महिलाएं अंधविश्वास की वजह से अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करती हैं।

पाकिस्तान में बड़ा अटैक

बलूचिस्तान में कोल खदान पर रॉकेट और ग्रेनेड से हमला, 20 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक कोयला खदान में रॉकेट और ग्रेनेड से हुए हमले में कम से कम 20 लोग मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। इस हमले की अभी तक किसी भी आतंकवादी संगठन या समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। उल्लेखनीय है कि बलूचिस्तान में अगस्त में हुए आतंकी हमलों में कम से कम 50 लोगों की जान चली गई थी।

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को बलूचिस्तान के डुकी इलाके में निजी कोयला खदान पर हथियारबंद लोगों के हमले में कम से कम 20 खनिक मारे गए और सात घायल हो गए। डुकी पुलिस स्टेशन के एसएचओ हुमायूं खान ने कहा है कि हथियारबंद लोगों के एक समूह ने तड़के डुकी इलाके में जुनैद कोल कंपनी की खदानों पर हथियारों से हमला किया। हमलावरों ने रॉकेट और ग्रेनेड भी दागे। डुकी जिला अस्पताल के डॉक्टर जौहर खान शादीजई ने कहा कि जिला अस्पताल में अब तक 20 शव और छह घायल भेजे गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

जिला परिषद अध्यक्ष खैरुल्ला नासिर ने भी घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि बदमाशों ने हमले में हैंड ग्रेनेड, रॉकेट लॉन्चर और अन्य आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया। हमलावरों ने खान की मशीनरी में भी आग लगा दी। नासिर ने कहा कि सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और फ्रंटियर कोर की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। डुकी के जिला उपायुक्त कलीमुल्लाह काकर और सहायक आयुक्त, फंटियर कोर कमांडेंट और डुकी के पुलिस अधीक्षक ने मौके का जायजा लिया है।

जिला उपायुक्त कक्कड़ ने कहा कि पीड़ित पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ अफगानिस्तान के भी थे। सातों घायलों को लोरलाई तहसील मुख्यालय स्थानांतरित कर दिया गया है। घटना की जांच आतंकवाद निरोधक विभाग करेगा। उन्होंने कहा कि इस खदान पर हमले का खुफिया अलर्ट मिलते ही इस सूचना से खदान मालिक को अवगत करा दिया गया था।

यह हमला तब हुआ है जब पाकिस्तान 15 और16 अक्टूबर तक इस्लामाबाद में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसे आतंकी हमला करार देते हुए अधिकारियों से इस पर रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने मारे गए खनिकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। कार्यवाहक राष्ट्रपति सैयद यूसुफ रजा गिलानी ने घटना पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह क्रूरता की पराकाष्ठा है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने आतंकवादियों के खिलाफ तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया कि उपद्रवियों को प्रतिबंधित करने और उनका पता लगाने के लिए क्षेत्र की घेराबंदी की जाए। बुगती ने कहा कि आतंकवादियों ने मजदूरों को निशाना बनाकर क्रूरता और उत्पीड़न की हदें पार कर दी हैं। पीटीवी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने भी सशस्त्र हमले की निंदा की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

फितना अल-खवारिज के तीन आतंकी मारे गए- एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, आतंकवाद निरोधक विभाग ने आज बलूचिस्तान के धादर में सिबी के पास अभियान में फितना अल-खवारिज के तीन आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए।

पिछले साल 789 आतंकी हमले, 1524 की मौत- पिछले साल (2023) पाकिस्तान को 789 आतंकी हमलों का सामना करना पड़ा। इन हमलों में 1,524 लोगों की मौत हुई और 1,463 लोग घायल हुए। यह आंकड़ा पिछले छह साल में सर्वाधिक है। जनवरी 2021 में पाकिस्तान के माच कोयला क्षेत्र में शिया हजारा समुदाय के 11 कोयला खनिकों की आंखों पर पट्टी बांधकर हत्या कर दी गई थी। आतंकवादी इस्लामिक स्टेट समूह ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

फिलीपींस ने चीन पर उत्पीड़न का लगाया आरोप, आसियान आचार संहिता में तेजी लाने का किया आग्रह

मनीला, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने गुरुवार को चीन द्वारा उनके देश के खिलाफ उत्पीड़न और धमकी का हवाला दिया और आसियान से दक्षिण चीन सागर में आचार संहिता को अपनाने में तेजी लाने का आग्रह किया।

फिलीपींस के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि फिलीपींस जल क्षेत्र में निरंतर बढ़ती चीनी आक्रामकता और उत्पीड़न के बीच, राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने आसियान सदस्य देशों से सार्थक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए आसियान-चीन आचार संहिता में तेजी लाने का आह्वान किया। मार्कोस जूनियर ने लिखा कि कोड के कुछ मौलिक तत्व अब तक अनिश्चित हैं क्योंकि सदस्य देशों के बीच कुछ मामलों पर असहमति है, जिनमें दस्तावेज की कानूनी स्थिति से लेकर स्वयं संयम जैसे मौलिक अवधारणा शामिल हैं। उन्होंने कहा, सदस्यों को गंभीरता से मतभेदों को समाप्त करने और तनाव कम करने के लिए तत्पर रहना चाहिए।

फिलीपींस और चीन सहित कई एशिया-प्रशांत देश, दक्षिण चीन सागर में कई द्वीपों और चट्टानों की क्षेत्रीय संबद्धता पर विवाद कर रहे हैं। जुलाई 2016 में, फिलीपींस द्वारा दायर एक मुकदमे के बाद, हेग में स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने फैसला सुनाया कि चीन के पास दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय दावों का कोई आधार नहीं है। अदालत ने फैसला सुनाया कि द्वीप विवादित क्षेत्र नहीं हैं और एक विशेष आर्थिक क्षेत्र का गठन नहीं करते हैं, लेकिन बीजिंग ने फैसले को स्वीकार करने से मना कर दिया। हाल के सप्ताहों में विवादित जल क्षेत्र में फिलीपींस और चीनी नौकाओं के टकराव की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। उनमें से सबसे हालिया में, मंगलवार को, मनीला ने चीनी तटरक्षक बल पर फिलीपींस की मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं पर पानी की बौछारें करने का आरोप लगाया, हालांकि बीजिंग ने कहा कि यह उसके क्षेत्र में घुसपैठ के खिलाफ वैध नियंत्रण उपाय था जिसे वह अपना जलक्षेत्र मानता है।

फ्लोरिडा में तूफान मिल्टन का कहर बाढ़ से हालात, 12 लोगों की मौत

न्यूयॉर्क, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के दक्षिणपूर्वी राज्य फ्लोरिडा के लोगों को तूफान मिल्टन की वजह से सारी रात तेज हवा, बवंडर और भारी बारिश का सामना करना पड़ा। कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। इस दौरान कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, छह लोगों की मौत सेंट लूसी काउंटी में हुई है। पांच लोग बवंडर में मारे गए । एक अन्य की मौत भी जल आपता में हो गई। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। लगभग 2.6 मिलियन लोगों को बिना बिजली के गुजारा करना पड़ा। मिल्टन का प्रभाव ताम्पा खाड़ी क्षेत्र में कमजोर पड़ चुका है। मिल्टन 2024 में अब तक खाड़ी तट से टकराने वाला पांचवां तूफान है। यह फ्लोरिडा तट से टकराया है।

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की लाओस में चार्ल्स मिशेल, मार्कोस और क्लाउस से मुलाकात

विएंतियान/लाओस , 11 अक्टूबर । भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाओस की राजधानी विएंतियान में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से इतर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल, फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस और विख्यात अर्थशास्त्री क्लाउस श्वाब से मुलाकात की।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक नेताओं से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने एक्स हैंडल पर लिखा, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के साथ एक शानदार बातचीत। फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस के साथ अद्भुत बातचीत हुई और दोस्त मार्टिन श्वाब से मिलना अच्छा लगा। उल्लेखनीय है कि मार्टिन श्वाब जर्मन मैकेनिकल इंजीनियर, अर्थशास्त्री और विश्व आर्थिक मंच के संस्थापक हैं। उन्होंने 1971 में संगठन की स्थापना के बाद से डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

मई 2024 में डब्ल्यूईएफ ने घोषणा की कि श्वाब जनवरी 2025 तक कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका से न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष की भूमिका में आ जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के नवनियुक्त प्रधानमंत्री इशिबा उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और जापान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में उनकी सफलता की कामना की। दोनों नेताओं ने सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन को पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीखों पर भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

दोनों ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, डेयरी, कृषि तकनीक, खेल, पर्यटन, अंतरिक्ष और लोगों से लोगों के संबंधों सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान सम्मेलन में कहा कि हम शांतिप्रिय देश हैं और एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं। हम अपने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब विश्व संघर्ष और तनाव का सामना कर रहा है, भारत-आसियान मित्रता, समन्वय, संवाद और सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जापान पर परमाणु हमले में जीवित बचे लोगों के संगठन निहोन हिडांक्यो को नोबेल शांति पुरस्कार

स्टॉकहोम, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोबेल पुरस्कार देने वाली नार्वे की संस्था ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम हमलों में जीवित बचे लोगों के संगठन निहोन हिडांक्यो को इस वर्ष के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुना है। नोबेल समित ने यह पुरस्कार दुनिया में रुस-यूक्रेन युद्ध तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर परमाणु हथियारों के निषेध की सहमित टूटने के खतरों के प्रति दुनिया को सजग करने के लिए निहोन हिडांक्यो संगठन को शांति पुरस्कार के लिए चुना है।नॉर्वे नोबेल समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वात्ने फ्रिदनेस ने शुक्रवार को इस पुरस्कार की घोषणा करते हुए कहा कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के निषेध को लेकर विश्व में जो सहमति बनी थी आज वह दबाव में है, इसी कारण जापान के इस संगठन को पुरस्कार के लिए चुना गया है। निहोन हिडांक्यो का गठन वर्ष 1956 में किया गया था। यह जापान पर अमेरिका की ओर से छह और नौ अगस्त 1945 के परमाणु बम हमलों में बचे लोगों का सबसे बड़ा

और सबसे प्रभावशाली संगठन है। इसका मिशन परमाणु हथियारों के विनाशकारी मानवीय परिणामों के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना रहा है। हिबाकुशा-हिरोशिमा और नागासाकी के बचे लोगों ने उन परमाणु हमलों से अपने इलाकों में हुई तबाही के अपने व्यक्तिगत अनुभवों और कहानियों को साझा करके, अंतरराष्ट्रीय परमाणु निषेध पर एक सहमति को आकार देने में महत्वपूर्ण भमिका निभाई है। यह सहमति परमाणु हथियारों के उपयोग को नैतिक रूप से अस्वीकार्य बताते हुए परमणु निषेध के शक्तिशाली मानदंड के रूप में काम कर रही है। लेकिन पहले परमाणु हमले के इतने वर्ष बाद भी परमाणु-हथियार निषेध के भंग होने का खतरा है।नोबेल समिति ने परमाणु हथियारों के खिलाफ वैश्विक विरोध को उत्पन्न करने और बनाए रखने के उनके अथक प्रयासों के लिए निहोन हिडांक्यो की प्रशंसा की, इसी के मद्देनजर उनकी गवाही ने ऐसे हथियारों के कारण होने वाले अकल्पनीय दर्द और पीड़ा की एक अनूठी, प्रत्यक्ष समझ प्रदान की है। समिति ने अपनी घोषणा में कहा, हिबाकुशा हमें अवर्णनीय का वर्णन करने, अकल्पनीय के बारे में सोचने में मदद करता है। नोबेल समिति ने कहा है कि बमबारी के लगभग 80 साल बीत जाने के बावजूद परमाणु हथियार वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं। यह पुरस्कार वैश्विक शांति के लिए बढ़ते खतरों की भी याद दिलाता है। समिति ने कहा कि परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, और नए खतरों के सामने आने के कारण उनके उपयोग के खिलाफ मानदंड दबाव में हैं। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अपने तीसरे वर्ष में भी जारी है, जिसमें बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है। गाजा में पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुआ संघर्ष पहले ही 42,000 से अधिक लोगों की जान ले चुका है, और पूरे क्षेत्र में हिंसा बढ़ रही है। सूडान भी 17 महीने से चल रहे घातक युद्ध से जूझ रहा है, जिसमें लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।गौरतलब है कि अगले साल हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए जाने के 80 साल पूरे हो जाएंगे, जिसमें लगभग 120,000 लोगों की मौत हो गयी थी और उसके बाद के हज़ारों लोग घायल हो गए और विकिरण के संपर्क में आये लोगों को दर्द आज भी छलकता है। समिति ने कहा, इस साल का नोबेल शांति पुरस्कार निहोन हिडांक्यो को देकर, नार्वे की नोबेल समिति उन सभी बचे लोगों को सम्मानित करना चाहती है, जिन्होंने शारीरिक पीड़ा और दर्दनाक यादों के बावजूद, शांति के लिए आशा और जुड़ाव पैदा करने के लिए अपने महंगे अनुभव का उपयोग करना चुना है।

Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 12 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-283

सिख धर्म के कलंक आतंकी पन्नू ने भारत की बर्बादी का दावा किया

भारत पर हमला करने के लिए चीन को उकसाया

न्यूयॉर्क, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिख धर्म के कलंक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने चीन को भारत पर हमला करने के लिए उकसाया है। घोषित खालिस्तानी आतंकी और प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू ने खालिस्तान के निर्माण में चीन से समर्थन मांगा है और उसके एवज में कहा है कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है उस पर हमला कर वह अरुणाचल प्रदेश को अपने देश में मिला सकता है। इसके लिए खालिस्तानी चीन की मदद करेंगे। ऐसा करके गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत की अखंडता के खिलाफ़ गंभीर गुस्ताखी की दी है। पन्नू ने एक वीडियो जारी कर भारत के कई राज्यों में अलगाववादी ताकतों को खड़ा करने की बात कही है। उसने 2047 तक भारत को

भारत की सम्प्रभुता और अखंडता के खिलाफ गंभीर गुस्ताखी

कई टुकड़ों में बांटने का दावा किया है और कहा है कि 2047 तक भारत का कोई अस्तित्व नहीं रहेगा और इसका पूरा भूगोल बदल दिया जाएगा। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने यह वीडियो कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन के एक बयान के बाद बौखलाहट में जारी किया है। कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने हाल ही में एक सार्वजनिक बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत को लेकर कनाडा की नीति स्पष्ट है। कनाडा भारत की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता है। मॉरिसन ने कहा, भारत एक एकीकृत राष्ट्र है और इसकी संप्रभुता को कोई खतरा नहीं होना चाहिए। मॉरिसन के इस बयान से पन्नू भड़क उठा और भारत के खिलाफ जमकर आग उगला।

पन्नू ने अपने वीडियो में मुंगेरीलाल के हसीन सपने की तरह एसएफजे के मिशन का जिक्र किया। पन्नू ने कहा, एसएफजे का मिशन 2024 से 2047 तक भारत को खत्म करना है। ▶10 पर

बांग्लादेशी इस्लामिक कट्टरपंथियों की एक और नापाक हरकत

मां काली के सिर पर धारित स्वर्ण मुकुट लूटा

ढाका, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के सतखीरा में स्थित मां काली के जेशोरेश्वरी मंदिर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हमला कर मां काली के सिर पर धारित मुकुट लूट लिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 मार्च 2021 को बांग्लादेश के दौरे के समय उस मंदिर में मां काली को स्वर्ण आरोहित मुकुट भेंट किया था। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त ने मां काली का मुकुट लूटे जाने की घटना पर चिंता जाहिर की है और बांग्लादेश की जांच एजेंसियों से आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की है।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि सीसीटीवी के जरिए हमलावरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। लिए मंदिर के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे

पीएम मोदी ने भेंट किया था मुकुट, उच्चायोग ने जताई चिंता

हैं। सनातन धर्म में जेशोरेश्वरी मंदिर का बहुत महात्म्य है। जेशोरेश्वरी नाम का अर्थ है जेशोर की देवी। चोरी हुआ मुकुट भक्तों के लिए सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखता है। हिंदू पौराणिक कथाओं में, जेशोरेश्वरी मंदिर को भारत और पड़ोसी देशों में फैली 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है।

पीढ़ियों से मंदिर की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य ज्योति चट्टोपाध्याय ने बताया कि यह मां काली के सिर पर धारित मुकुट का लूटा जाना सांकेतिक रूप से हिंदू आस्था पर गंभीर चोट है। बताया जाता है कि सतखीरा के ईश्वरीपुर में स्थित इस मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में अनारी नामक ब्राह्मण ने कराया था। उन्होंने जशोरेश्वरी पीठ के लिए 100 दरवाजों वाला मंदिर बनवाया था। बाद में 13वीं शताब्दी में लक्ष्मण सेन ने इसका जीर्णोद्धार करवाया और अंततः राजा प्रतापादित्य ने 16वीं शताब्दी में मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया। ▶10 पर

19वें ईस्ट एशिया सम्मेलन के मंच से पीएम मोदी ने फिर दोहराया

समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं हो सकता

वियनतियाने, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। 19वें ईस्ट एशिया सम्मेलन के मंच से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर दो-हराया कि समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं हो सकता। पीएम मोदी ने कहा कि मुक्त, खुला, समावेशी, समृद्ध और नियम आधारित भारत-प्रशांत (इंडो-पैसिफिक) क्षेत्र समग्र विकास के लिए जरूरी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए लाओस दौरे पर हैं। आज उनके दौरे का दूसरा दिन है। वियनतियाने में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के साथ ही ईस्ट एशिया सम्मेलन का भी आयोजन हो रहा है। भारत के प्रधानमंत्री ने ईस्ट एशिया सम्मेलन में तूफान टाइफून यागी में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। साथ ही दुनिया के अलग-अलग भागों में चल रहे संघर्षों का ग्लोबल

यूरेशिया और पश्चिम एशिया में शांति का आह्वान

भारत ने पेश किया 10 सूत्री योजनाओं का खाका

साउथ के देशों पर पड़ रहे सबसे ज्यादा नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए प्रधानमंत्री ने यूरेशिया और पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता लाने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने 19वें ईस्ट एशिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आ सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुक्त, खुला, समावेशी, समृद्ध और नियम आधारित इंडो-पैसिफिक पूरे क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि दक्षिण चीन सागर में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के हित में है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारा मानना है कि समुद्री गतिविधियां संयुक्त राष्ट्र की समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के तहत होनी चाहिए। नेविगेशन और वायु क्षेत्र की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना आवश्यक है। एक मजबूत और प्रभावी आचार संहिता बनाई जानी चाहिए। और इससे क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर कोई रोक नहीं लगनी चाहिए। हमारा दृष्टिकोण विकासवाद का होना चाहिए न कि विस्तारवाद का। यह देखते हुए कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों का ग्लोबल साउथ के देशों पर सबसे नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर कोई (चाहे वह यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया) चाहता है ▶10 पर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सार्वजनिक सभा में कहा

सरकार पर 10 साल में भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भाजपा नीत एनडीए की सरकार के 10 साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार का कोई आरोप सामने नहीं आया है। अमित शाह ने कहा कि इस बात को वह विपक्ष भी स्वीकार कर रहा है, जो खुद भ्रष्टाचार के कीचड़ में सना रहा है। अमित शाह ने कहा कि सरकार ने नीतिगत निष्क्रियता को खत्म किया और भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से बाहर निकालते हुए एक आकर्षक स्थान में बदल दिया। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश विकास की राह पर अग्रसर है।

अमित शाह नई दिल्ली स्थिति विज्ञान भवन में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 119वें वार्षिक अधिवेशन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के उठाए गए कदमों के कारण भारत 2047 तक दुनिया

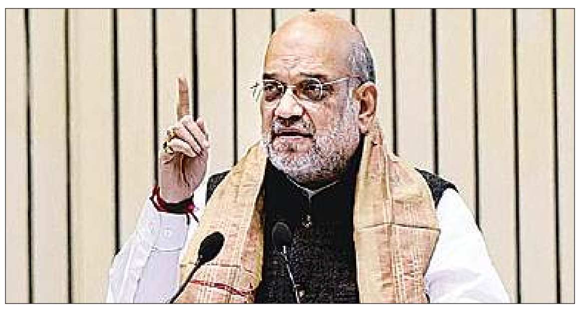

भ्रष्टाचार के कीचड़ में सना विपक्ष भी यह बात कबूल रहा

के सबसे विकसित देशों में से एक होगा। 2014 में पीएम मोदी के कार्यभार संभालने के बाद से सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार किए हैं।

इसमें बुनियादी ढांचे का उन्नयन, बेहतर कनेक्टिविटी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रेलवे नेटवर्क का विस्तार, सेमी-कंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विनिर्माण उद्योगों की स्थापना शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि हम देश में सुधार और आर्थिक विकास लाए हैं। इस दौरान हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। यह बात विपक्ष ने भी स्वीकार की है। ▶10 पर

दशहरा की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं

सभी सुधी पाठकों, एजेंटों, हॉकरों, विज्ञापनदाताओं, विज्ञापन एजेंसियों व शुभचिंतकों को **शुभ-लाभ** की ओर से असत्य पर सत्य की जीत के पर्व **दशहरा** की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

-गोपाल अग्रवाल
प्रधान संपादक

अवकाश-सूचना

दशहरा के उपलक्ष्य में शुभ-लाभ कार्यालय में शनिवार दिनांक 12 अक्टूबर, 2024 को अवकाश रहेगा। शुभ-लाभ का अगला अंक सोमवार दि. 14 अक्टूबर 2024 को आपके समक्ष प्रस्तुत होगा।

-प्रबंधक

पाकिस्तान से लगी सीमा पर 2280 किमी लंबी सड़क बनेगी

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोदी सरकार ने पंजाब और राजस्थान से जुड़े सीमावर्ती इलाकों में 2280 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण के लिए हरी झंडी दे दी है। अब इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू होगा जिसके लिए 4400 करोड़ से ज्यादा की राशि मंजूर की गई है। प्रोजेक्ट के तहत राजस्थान और पंजाब से लगते सीमावर्ती इलाकों में सड़क व्यवस्था को बेहतर करने का प्लान है। सेना और सुरक्षाबलों के आवागमन और सुरक्षा जरूरतों के लिए यह सड़क निर्माण अत्यंत आवश्यक था। पाकिस्तान से लगने वाले इलाकों में रोड नेटवर्क की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी, लेकिन इस पर काम अब शुरू हुआ है। रोड बन जाने से न केवल रोड नेटवर्क सुधरेगा बल्कि आपात परिस्थितियों में भी जरूरी सामान और मदद को त्वरित गति से पहुंचाया जा सकेगा। इसके अलावा इस रोड नेटवर्क से ग्रामीणों की आजीविका में भी वृद्धि होगी। साथ ही साथ सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी, तथा जल आपूर्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाओं पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

निगरानी वाले वन्यजीवों की आबादी 73 फीसदी घटी

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। महज 50 साल में निगरानी वाले यानी जिन्हें संरक्षण की जरूरत है ऐसे वन्य जीवों की आबादी में 73 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की एक नई लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024 में यह खुलासा हुआ है। इसकी सबसे बड़ी वजह इन वन्य जीवों के प्राकृतिक आवासों को नुकसान जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण है।

रिपोर्ट कहती हैं कि इस दौरान

गिद्ध की प्रजातियों पर मंडरा रहा खतरा

भारत में गिद्धों की तीन प्रजातियों में भी तेज गिरावट का पता चला है। इनकी आबादी 1992 से 2022 के बीच तेजी से घटी है। इनमें सफेद पूंछ वाले गिद्धों की आबादी में 67 फीसदी, भारतीय गिद्धों में 48 फीसदी और पतली चोंच वाले गिद्धों की आबादी में 89 फीसदी की गिरावट रही है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ भारत के महासचिव और सीईओ रवि सिंह के मुताबिक, यह रिपोर्ट प्रकृति, जलवायु और मानव कल्याण के अंतर्संबंधों के बारे में बताती है। अगले पांच साल में हम जो विकल्प और काम करेंगे,वे धरती के भविष्य के लिए अहम होंगे। ▶10 पर

पांच साल में 58% बढ़ गई ग्रामीण परिवारों में कमाई: नाबार्ड

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले परिवारों की कमाई बीते 5 वर्षों में लगभग 58 प्रतिशत बढ़ गई है। यह जानकारी नाबार्ड के एक सर्वे में दी गई है। सर्वे में बताया गया है कि देश के ग्रामीण परिवारों की कमाई 2016-17 में 8059 थी जो कि 2021-22 में बढ़ 12698 हो गई। सर्वे में बताया गया है कि जो परिवार कृषि से जुड़े हुए हैं, उनकी कमाई और ज्यादा है। कृषि से जुड़े परिवारों की आय 13361 है। सर्वे में बताया गया है कि इस बीच परिवारों का खर्च भी बढ़ा है। यह 2016-17 में 6646 था जो कि 2021-22 में बढ़ कर 11,262 हो गया। खर्चे और कमाई के अलावा अब देश के ग्रामीण घरों में अधिक बचत भी हो रही है। सर्वे में बताया गया है कि 2021-22 में देश का एक औसत ग्रामीण परिवार 13209 बचा रहा था जो कि 2016-17 में 9104 ही था। पहले लगभग 50 प्रतिशत घर ही बचत कर रहे थे जबकि यह संख्या बढ़ कर 66 प्रतिशत हो गई है।

महिला सम्मान: केरल हाईकोर्ट के जज बदरुद्दीन का नायाब फैसला

किसी महिला को परोक्ष में वेश्या कहना अपराध नहीं

महिला के सामने कहा जाए, तभी अपराध

तिरुअनंतपुरम, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट के जज बदरुद्दीन ने महिलाओं के सम्मान की बेजोड़ मिसाल पेश की है। एक मामले की सुनवाई करते हुए केरल हाईकोर्ट के जज बदरुद्दीन ने कहा कि किसी महिला को दूसरों के सामने वेश्या कहना भारतीय दंड संहिता की धारा 509 के तहत अपराध नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि यह अपराध तब होता उसके वेश्या होने की बात संदर्भित महिला के सामने कही गई होती। केरल हाईकोर्ट के जज बदरुद्दीन ने यह टिप्पणी 30 सितम्बर 2024 को हुई एक सुनवाई के दौरान की। जस्टिस बदरुद्दीन ने कहा कि धारा 509 के तहत इसको अपराध तब माना जाता जब यह शब्द महिला के सामने कहा गया होता और उसकी निजता का उल्लंघन किया गया होता। ▶10 पर

अब मिजोरम में भी हिंदुओं को लड़नी पड़ रही आस्था की लड़ाई

असम राइफल्स मंदिर को बचाने में लगे हैं हिंदू

आइजोल, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर भारत के ईसाई बहुल राज्य मिजोरम में हिंदू अपना एक मंदिर सरकारी नियंत्रण में जाने से बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह मंदिर ऐतिहासिक है। मिजोरम की राजधानी आइजोल में स्थित असम राइफल्स हरि मंदिर, गोरखा हिंदुओं और ब्रू रियांगों के लिए काफी महत्वपूर्ण है और श्रद्धा का बड़ा केंद्र है। मिजोरम की आबादी का बेहद छोटा हिस्सा हिंदू समुदाय इस बात से चिंतित है कि इस ऐतिहासिक मंदिर का प्रशासन मिजोरम सरकार के हाथों में चला जाएगा। हरि मंदिर (जिसे महादेव ट्रान के नाम से भी जाना जाता है) पहले बेथलहम में असम राइफल्स परिसर में स्थित था। यह यहां पिछले 70 वर्ष से स्थित है। असम राइफल्स आइजोल के ▶10 पर

असम राइफल्स का बेस हटने से मंदिर पर आया संकट

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएं गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक़्त की नाज़ाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक़्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 12 अक्टूबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी दोपहर 11:00 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 04:28 तक
योग : धृति रात्रि 12:21 तक
करण : कौलव प्रात: 11:00 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:56 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:02 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 05:48 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी , विजया दशमी, दशहरा, शमी पूजनम्

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जल्द से जल्द धान खरीद और उठान सुनिश्चित करें अधिकारी : सैनी

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द धान खरीद और उठान सुनिश्चित करें। श्री सैनी ने कुरुक्षेत्र की पीपली अनाज मंडी में जाकर जीरी (धान) की खरीद का जायजा लेने के बाद अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसान के दाने–दाने की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद सुनिश्चित होनी चाहिए।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मंडी में आने वाले किसानों को को दिक्कत नहीं होनी चाहिए और धान का जल्द से जल्द उठान भी सुनिश्चित करें। बाद में, श्री सैनी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा के सभी नवनिर्वाचित विधायक मंडियों में हैं ताकि किसान को किसी प्रकार की समस्या या दिक्कत न रहे। वह खुद पीपली मंडी में हैं और लाड़वा व अन्य मंडियों में भी जाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मापदंड है कि 17 मॉइसचराइस या उससे नीचे मॉइसचराइस की एक भी ढेरी मंडी में नहीं दिखाई नहीं देनी चाहिए।

अधिकारियों को कहा है कि एक–एक दाना खरीदना है। उसका उठान भी करना है और भुगतान भी करना है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग पांच लाख 32 हजार मैट्रिक टन खरीद की जा चुकी है। इसमें से एक लाख 59 हजार मैट्रिक टन का उठान किया गया है। उन्होंने बताया कि बाजरे की एक लाख 31 हजार मैट्रिक टन की खरीद की गई है।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम को सरकार सर्तकता से कर रही काम : भजनलाल

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि डेंगू, मलेरिया एवं स्क्रब टाइफस जैसी मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए राज्य सरकार पूरी सर्तकता के साथ अलर्ट मोड पर काम कर रही है।

श्री शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित जिला कलक्टर्स की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांव से लेकर शहर तक आमजन को मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार तत्परता के साथ निर्णय ले रही है। उन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के जलभराव क्षेत्रों में सघन फॉगिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर्स आमजन को इन बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाएं। उन्होंने कलेक्टर्स को प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त स्वास्थ्यकर्मियों को नियोजित करने, स्वास्थ्य केन्द्र पर दवाईयों की पूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित करने और 24 घंटे संचालित कंट्रोल रूम की नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वृहद् स्तर पर कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। उन्होंने कृषि विभाग को किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कलक्टर्स को खाद के स्टॉक का नियमित निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने किसानों के लिए डीएपी खाद के विकल्प के रूप में एसएसपी को प्रोत्साहित करते हुए कलक्टर्स को इसके व्यापक प्रचार–प्रसार करने के निर्देश भी दिए। श्री शर्मा ने 22 से 24 अक्टूबर को आयोजित होने वाली समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलक्टर्स को प्रश्न–पत्रों की सुरक्षा के लिए प्रभावी प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लाखों परीक्षार्थियों का भविष्य इस परीक्षा में जुड़ा हुआ है, ऐसे में उनके लिए परिवहन, परीक्षा केन्द्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल सहित आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित कर ली जाएं।

हरियाणा की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 15 को

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा की नई भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 15 अक्टूबर, मंगलवार को पंचकुला में होगा। राज्यपाल ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों के लिए पंचकुला के जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में एक 10–सदस्यीय समिति बनाई है। हरियाणा विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने 48 सीटें जीती है, जो बहुमत के आंकड़े से तीन ज्यादा हैं और उसे तीनों निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन प्राप्त है।

फुट–रॉट रोग की रोकथाम के लिए हरियाणा में अलर्ट

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने पशुओं के फुट रॉट (खुर–सड़न) रोग से बचाव के लिए अलर्ट जारी किया है। प्रदेश सरकार ने पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में भेड़ और बकरियों में फैल रहे रोग को ध्यान में रखते हुए यह एडवाइजरी जारी की है।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरियाणा ने प्रदेश में सतर्कता बढ़ा दी है। प्रदेश में फुट रॉट रोग के किसी भी संभावित विस्तार (आउटब्रेक) को रोकने के लिए विभाग पूरी तरह तैयार है। राज्य सरकार ने इसके लिए लागू किए जा रहे रोग निवारक उपायों की रूपरेखा भी साझा की है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश में अभी तक इस रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। विभाग प्रदेश के पशुधन को फुट–रॉट रोग से बचाने के लिए एहतियाती कदम उठा रहा है। इस रोग से प्रभावित भेड़–बकरियों के खुरों को नुकसान पहुंचता है। इस रोग के कारण पशुओं की चलने–फिरने की क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। जिसके कारण चरवाहों और पशुपालकों को काफी आर्थिक नुकसान होता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस बीमारी से बचाव के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं है। केवल सख्त जैव–सुरक्षा उपाय ही इस रोग के प्रसार को प्रभावी ढंग से रोक सकते हैं।विभाग द्वारा प्रदेश में विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश की सीमा से लगे क्षेत्रों में इस रोग के प्रति अधिक सावधानी बरतने के निर्देश जारी किए हैं।

उप निदेशकों को राज्य भर के सभी सरकारी पशु चिकित्सा अस्पतालों (जीव–ीएच) और सरकारी पशु चिकित्सा औषधालयों (जीवीडी) में पोटेशियम परमैंगनेट, हाइड्रोजन पेरोक्साइड और पोविडोन आयोडीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।विभाग ने पशुपालकों को किसी भी संदिग्ध लक्षण की सूचना तुरंत अपने स्थानीय पशु चिकित्सा अधिकारी को देनी होगी। पशुपालक विभाग के टोल–फ्री नंबर–1962 पर भी सहायता प्राप्त सकते हैं।

बुजुर्ग पर हमला करने वाले तेंदुए को ग्रामीणों ने मार डाला

उदयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर जिले के सायरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक अधेड़ व्यक्ति पर हमला करने वाले तेंदुए को ग्रामीणों ने पीट–पीट कर मार दिया।

पुलिस ने बताया कि कमोल गांव में शुक्रवार सुबह देवाराम गमेती (55) के मकान से सटे बाडे में बंधे भैंस के बछडे पर तेन्दुआ ने हमला किया। इस दौरान देवाराम बाडे में गया तो तेन्दुआ ने उस पर हमला कर दिया जिससे उसके दोनो हाथ जख्मी हो गये।

भाजपा के आठ और कांग्रेस के तीन प्रत्याशियों की जमानत हुई जब्त

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा के जीत की हैट्रिक लगाने के बावजूद उसके आठ प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई है, जबकि विपक्षी कांग्रेस, जो चुनाव हार गई, के तीन प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई है। भाजपा ने कुल 48 सीटें जीती हैं और कांग्रेस की झोली में 37 सीटें आई हैं। इंडियन नैशनल लोकदल को दो सीटें मिली हैं और तीन सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं।

90–सदस्यीय विधानसभा में दोनों प्रमुख पार्टियों ने 89–89 सीटों पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने जहां एक सीट भिवानी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए छोड़ी थी वहीं भाजपा ने सिरसा सीट से अपना एक प्रत्याशी हटा लिया था। वकील एवं राजनीतिक–चुनाव विश्लेषक हेमंत कुमार के अनुसार भाजपा उम्मीदवारों की 8 विधानसभा सीटों पर ज़मानत राशि जब्त हुई हैं, इनमें गन्नौर, हिसार, डबवाली, रानियां, ऐलनाबाद, महम, पुन्हाना और नूहं वि.स. हलके शामिल हैं। इन में से दो–गन्नौर और हिसार में तो निर्दलीय जीते हैं, डबवाली और रानियां में इनेलो उम्मीदवार जबकि शेष चार महम, पुन्हाना, नूहं और ऐलनाबाद में कांग्रेस प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है।

दूसरी तरफ, अम्बाला छावनी, तिगांव और बल्लभगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशियों को अपनी ज़मानत राशि गंवानी पड़ी। तीनों सीटों पर कांग्रेस के बागी प्रत्याशियों क्रमश: चित्रा सरव–ारा, ललित नागर और शारदा राठौर के दूसरे क्रमांक पर रहने व वोट बटोरने के कारण ही पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों क्रमश: परविंदर पाल परी, रोहित नागर और पराग शर्मा की जमानत जब्त हुई। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 158 (4) के अनुसार अगर किसी चुनाव में कोई उम्मीदवार विजयी नहीं होता है, तो उसे अपनी ज़मानत राशि वापिस लेने के किये उस चुनाव में डाले गए कुल वैध वोटो का एक–छठा भाग से ज्यादा अर्थात 16.66 फीसदी से अधिक वोट लेने अनिवार्य होते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछली बार यानी 2019 के चुनाव में भाजपा के केवल तीन प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई थी और काँग्रेस के 27 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई थी।

मजदूरी के पैसे मांगने पर मजदूरों को बंधक बनाया, की मारपीट

हिसार, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार जिला के बरवाला में मेले में काम करने वाले मजदूरों को मजदूरी मांगने पर बंधक बनाने, उनके साथ मारपीट करने व उनके परिजनों को फोन कर फिरौती मांगने के आरोप में ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मिली शिकायत के अनुसार उत्तर प्रदेश से दो अक्टूबर को आए 11 मजदूरों ने गांव बनभौरी मेले में ठेकेदार सतीश जांगड़ा के लिए काम किया था। आरोप है कि मेले का काम पूरा होने के बाद जब उन्होंने अपनी मजदूरी के पैसे मांगे, तो सतीश जांगड़ा व उनके सभी साथियों ने उनके साथ बुरी तरह मारपीट की और एक कमरे में बंधक बनाकर रखा। बाद में उनके परिजनों को फोन कर पांच लाख रुपये की फिरौती भी मांगी। बरवाला पुलिस ने किसी अज्ञात व्यक्ति से सूचना मिलने पर वहां से छुड़वाया था। उनकी शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 190, 191(2), 115(2), 127(2), 308(4), 351(3) के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की जांच जारी है।

तस्करों से मुठभेड़ के बाद 60 लाख का अवैध डोडा–चूरा बरामद

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के कारोई थाना क्षेत्र में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय के दल ने भीलवाड़ा जिले के कारोई थाना क्षेत्र में स्थानीय पुलिस के सहयोग कल रात तस्करों से मुठभेड़ के बाद तीन क्विंटल 92 किलो अवैध डोडाचूरा बरामद किया जिसकी कीमत करीब 60 लाख रुपये आंकी गयी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध) दिनेश एमएन ने शुक्रवार को बताया कि सूचना मिली कि भीलवाड़ा जिले में एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में तस्कर भारी मात्रा में मादक पदार्थ की तस्करी करके ले जा रहे हैं जो गाडरमाला होते हुए गरलां के रास्ते से जायेंगे। इस पर पुलिस दल ने उक्त रास्ते के घुमावदार मोड़ पर नाकाबंदी की। रात करीब पौने बारह बजे स्कॉर्पियो गाड़ी आती हुई दिखाई दी, जिसमें दो व्यक्ति बैठे हुए थे।

उन्होंने बताया कि पुलिस दल ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, वे नहीं रुके तो सड़क पर स्टॉप स्टिक बिछा दिया जिससे उनका टायर फट गया। बाद में बदमाशों ने पुलिस दल पर गोली चलाई, जवाबी कार्रवाई के बाद वे अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गये। पुलिस दल ने स्कार्पियो से 22 कट्टे बरामद किये जिसमें 392 किलो डोचूरा भरा था। दोनों बदमाशों की तलाश की जा रही है।

सूरतगढ़ उप कारागृह में विचाराधीन बंदी ने की खुदकुशी

श्रीगंगानगर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ के उप कारागृह में एक विचार–ाधीन बंदी ने शुक्रवार को बैरक के गेट पर गमछा से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी उप कारागृह पहुंच गये। वहीं श्रीगंगानगर से जिला कारागृह के अधीक्षक डॉ. अभिषेक शर्मा भी जानकारी मिलते ही सूरतगढ़ के लिए रवाना हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक नसीब सिंह (34) सूरतगढ़ तहसील क्षेत्र के गांव भगवानगढ़ का निवासी था। उसने रात में किसी समय बैरक नंबर एक में दरवाजे पर कपड़े के साफे से बने फंदे पर फांसी लगा ली। सुबह पौने पांच बजे उसका शव फंदे से लटका मिला। इस बंदी को फाजिल्का (पंजाब) की एक अदालत में आज ही तारीख पेशी पर ले जाया जाना था। जेलर ने इस घटना की वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। इसी बैरक के दूसरे बंदियों को पता ही नहीं चला कि कब नसीबसिंह ने फांसी लगा ली। इस घटना की न्यायिक जांच आरंभ हो गई है।

एक न्यायिक अधिकारी की उपस्थिति में सूरतगढ़ के सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। बताया जाता है कि वह अवसादग्रस्त था। वह 30 मई 2023 से न्यायिक अभिरक्षा के तहत सूरतगढ़ उप कारागृह में था। उसे अवैध मादक पदार्थ रखने के आरोप में पकड़ा गया था।

हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष को पद से हटाया गया

हिसार, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल होने के कारण नरेश जांगड़ा को श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पद से तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है। सूत्रों के अनुसार श्री जांगड़ा कुलदीप बिश्नोई परिवार के करीबी माने जाते थे और 2022 में श्री बिश्नोई के साथ ही कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में आए थे। उन्हें सात महीने पहले श्रम कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था। विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच में ही श्री जांगड़ा कांग्रेस में शामिल हो गए थे। बाद में उन्होंने आदमपुर में कांग्रेस प्रत्याशी चंद्र प्रकाश के लिए प्रचार भी किया।

युवक की हत्या के आरोपी का मकान फूंका

भरतपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर में रूपवास के खानवां में दो दिन पूर्व आपसी विवाद के बाद एक दलित युवक की हत्या से जुड़े आरोपी पक्ष के व्यक्ति के छप्पर पोश मकान को आग लगाकर जला देने का मामला सामने आया है।

गत बुधवार को हुई इस हत्या के इस मामले को लेकर हरिजन एवं दलित समुदाय के बीच आपसी तनाव एवं तनातनी को देखते मौके पर आरएसी के जवान और गहनौली थाने के पुलिसकर्मी तैनात होने के बावजूद इस वारदात से हरिजन समुदाय में आक्रोश व्याप्त है। आगजनी की इस घटना में खिललो हरिजन के छप्पर पोश मकान के खाक हो जाने के साथ ही एक मोटरसाइकिल और मकान में रखा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित के परिजनों के अनुसार गुरुवार रात को करीब 10 से 12 लोग आये और मकान में आग लगाकर चले गये। दमकल की गाड़ी की मदद से आग को बुझाया गया। गौरतलब है कि चाउमीन एवं शराब को लेकर हुये विवाद में नौ अक्टूबर की रात दोनों पक्षों की तरफ से जमकर लाठियां चली और पथराव हुआ। इस दौरान सिर में चोट लगने से जितेंद्र (40) की मौत हो गई वहीं जितेंद्र का भाई गोपाल घायल हो गया। घटना के बाद से आरोपी हरिजन पक्ष के लोग फरार हैं जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। आगजनी की इस वारदात के समय खिललो हरिजन के छप्पर पोश मकान में सिर्फ उंसकी पत्नी ही मौजूद थी।

बुराइयों पर विजय पाना ही है विजयादशमी : देवनानी

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रदेशवासियों को विजयादशमी पर्व की बधाई एवं शुभकानाएं देते हुए कहा है कि बुराइयों पर विजय पाना ही विजयादशमी हैं।

श्री देवनानी ने शुक्रवार को दशहरा की पूर्व संध्या पर कहा कि विजयादशमी पर्व को मनाने की सार्थकता के लिए हमें अपने भीतर के क्रोध, अंहकार, लालच, ईर्ष्या, आलस्य, हिंसा जैसी बुराइयों पर विजय प्राप्त करने के लिए निरन्तर अभ्यास किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विजयादशमी मानवता की विजय यात्रा का पर्व है।

सत्यनिष्ठ मनुष्य किस प्रकार अत्यल्प साधनों द्वारा भी कठिन कार्य करता हुआ महान लक्ष्य को प्राप्त करता है, विजय दशमी इसका उदाहरण है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि उन्हें विजयादशमी मनाते हुए अनुष्ठान और सदाचार से जीवन को एक नये मार्ग की ओर ले जाना चाहिए।

आज मनाई जाएगी विजयादशमी

ह र साल नवरात्रि पर्व के समापन के साथ ही बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में दशहरा पर्व मनाया जाता है। इस साल विजयादशमी पर्व 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल विजयादशमी पर्व आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि मनाई जाती है। यही कारण है कि इसे विजयादशमी भी कहा जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि इस साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 12 अक्तूबर प्रातः 10:58 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन तिथि का समापन: 13 अक्तूबर 2024, प्रातः 09:08 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार दशहरा का त्योहार इस साल 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। हर साल दशहरा का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। दशहरा के दिन भगवान राम ने रावण का वध कर युद्ध में जीत हासिल की थी। इस पर्व को असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के रूप में भी मनाया जाता है। दशहरा पर्व हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। इस त्योहार को विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था, इसलिए भी शारदीय नवरात्र की दशमी तिथि को ये उत्सव मनाया जाता है। कई जगह पर इस दिन मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन भी किया जाता है। दशहरा या विजयदशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्म में दशहरा के पर्व का विशेष महत्व है। इस साल दशहरा 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दशमी को ही मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसलिए इसे विजयदशमी के रूप में मनाया जाता है। देशभर में अलग-अलग जगह रावण दहन होता है और हर जगह की परंपराएं बिल्कुल अलग हैं। इस दिन शस्त्रों की पूजा भी की जाती है। इस दिन शमी के पेड़ की पूजा भी की जाती है। इस दिन वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम, सोना, आभूषण नए वस्त्र इत्यादि खरीदना शुभ होता है। दशहरे के दिन नीलकंठ भगवान के दर्शन करना अति शुभ माना जाता है। इस दिन माना जाता है कि अगर आपको नीलकंठ पक्षी के दर्शन हो जाए तो आपके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं। नीलकंठ पक्षी को भगवान का प्रतिनिधि माना गया है। दशहरे पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन होने से पैसों और संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। मान्यता है कि यदि दशहरे के दिन किसी भी समय नीलकंठ दिख जाए तो इससे घर में खुशहाली आती है और वहीं, जो काम करने जा रहे हैं, उसमें सफलता मिलती है।

दशहरा तिथि

दशमी तिथि का आरंभ: 12 अक्तूबर प्रातः 10:58 मिनट पर

तिथि का समापन: 13 अक्तूबर 2024, प्रातः 09:08 मिनट पर

हिंदू पंचांग के अनुसार ऐसे में दशहरा 12 अक्तूबर 2024 को मनाया जाएगा।

शुभ संयोग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विजयदशमी के दिन श्रवण नक्षत्र का होना बहुत शुभ होता है, और इस साल इसका संयोग बन रहा है। बता दें श्रवण नक्षत्र 12 अक्तूबर को सुबह 5:25 मिनट से प्रारंभ होकर 13 अक्तूबर को सुबह 4:27 मिनट पर समाप्त हो रहा है। इसके साथ ही कुंभ राशि में शनि शश राजयोग, शुक्र और बुध लक्ष्मी नारायण योग के साथ शुक्र मालव्य नामक राजयोग का निर्माण कर रहे हैं।

शस्त्र पूजन मुहूर्त

दशहरा के दिन कई जगहों पर शस्त्र पूजा करने का भी विधान है। दशहरा के दिन शस्त्र पूजा विजय मुहूर्त में की जाती है। इस साल दशहरा पूजन के लिए शुभ मुहूर्त दोपहर 2:02 मिनट से शुरू होगा, जो दोपहर 2: 48 तक रहेगा। मुहूर्त की कुल अवधि लगभग 46 मिनट तक रहेगी।

रावण दहन मुहूर्त

दशहरा के दिन लंकापति रावण और उसके भाई कुंभकर्ण और पुत्र मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जाता है। पुतलों का दहन सही समय में किया जाए, तो ही शुभ माना जाता है। विजयदशमी के दिन यानी 12 अक्टूबर को पुतलों के दहन का शुभ मुहूर्त सूर्यास्त के समय शाम 05.45 से रात 08.15 तक होगा।

कई तरीकों से मनाया जाता है दशहरा

अलग-अलग जगहों पर दशहरे का त्योहार अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। शस्त्र का प्रयोग करने वाले समुदाय इस दिन शस्त्र पूजन करते हैं। वहीं कई लोग इस दिन अपनी पुस्तकों, वाहन इत्यादि की भी पूजा करते हैं। किसी नए काम को शुरू करने के लिए यह दिन सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। कई जगहों पर दशहरे के दिन नया सामान खरीदने की भी परंपरा है। अधिकतर जगहों पर इस दिन रावण का पुतला जलाया जाता है। वहीं जब पुरुष रावण दहन के बाद घर लौटते हैं तो कुछ जगहों पर महिलाएं उनकी आरती उतारती हैं और टीका करती हैं।

मांगलिक कार्यों के लिए यह दिन माना जाता है शुभ

दशहरा या विजयादशमी सर्वसिद्धिदायक तिथि मानी जाती है। इसलिए इस दिन सभी शुभ कार्य फलकारी माने जाते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, दशहरा के दिन बच्चों का अक्षर लेखन, घर या दुकान का निर्माण, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण, अन्नप्राशन, कर्ण छेदन, यज्ञोपवीत संस्कार और भूमि पूजन आदि कार्य शुभ माने गए हैं। विजयादशमी के दिन विवाह संस्कार को निषेध माना गया है।

पूजन विधि

दशहरे के दिन सुबह जल्दी उठकर, नहा-धोकर साफ कपड़े पहने और गेहूं या चूने से दशहरे की प्रतिमा बनाएं। गाय के गोबर से 9 गोले व 2 कटोरियां बनाकर, एक कटोरी में सिक्के और दूसरी कटोरी में रोली, चावल, जौ व फल रखें। अब प्रतिमा को केले, जौ, गुड़ और मूली अर्पित करें। यदि बहीखातों या शस्त्रों की पूजा कर रहे हैं तो उन पर भी ये सामग्री जरूर अर्पित करें। इसके बाद अपने सामर्थ्य के अनुसार दान-दक्षिणा करें और गरीबों को भोजन कराएं। रावण दहन के बाद शमी वृक्ष की पत्ती अपने परिजनों को दें। अंत में अपने बड़े-बुजुर्गों के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त करें।

यहां जलाया नहीं बल्कि पूजा जाता है रावण

खुद को भाग्यशाली मानते हैं गांव के लोग

रा वण, रामायण का नकारात्मक लेकिन एक महत्वपूर्ण पात्र रहा है। ऐसा माना जाता है कि रावण बहुत बलशाली और ज्ञानी था। लेकिन उसने अधर्म का साथ दिया, जिस कारण उसे भगवान श्रीराम की हाथों मृत्यु प्राप्त हुई। दशहरे का पर्व भगवान श्रीराम की विजय के रूप में मनाया जाता है और इस दिन पर रावण दहन किया जाता है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां दशहरे के दिन रावण दहन नहीं किया जाता, बल्कि उसकी पूजा की जाती है।

मिलता है यह कारण

आज हम बात कर रहे हैं उत्तर प्रदेश के बागपत जिला में स्थित बड़ागांव की। यह गांव अपने आप में इसलिए भी अनोखा है, क्योंकि यहां के लोग रावण के पुतले का दहन नहीं करते, बल्कि उसकी पूजा करते हैं। इसके पीछे का कारण भी काफी खास है। रावण दहन न करने के पीछे एक प्रचलित कथा मिलती है। जिसके अनुसार, एक बार रावण मनसा देवी की मूर्ति को अपने साथ ले जा रहा था। तब देवी मनसा ने उससे वचन लिया कि वह जहां भी मूर्ति को रखेगा, देवी वहीं स्थापित हो जाएंगी।

यहां स्थापित की मूर्ति

जब रावण, देवी की मूर्ति को लेकर जा रहा था, तो उसने बड़ागांव में ही इस मूर्ति को स्थापित कर दिया। ऐसा माना जाता है कि तब से ही मां मनसा की मूर्ति यहां स्थापित है, जहां आज मनसा देवी का मंदिर देखने को मिलता है। इस मंदिर की मान्यता काफी दूर-दूर तक फैली हुई है। इसी के साथ इस गांव के लोग रावण को अपना पूर्वज मानते हैं और उनकी पूजा करते हैं। साथ ही गांव के लोग इसे अपना सौभाग्य मानते हैं कि रावण द्वारा स्थापित की गई मनसा देवी की मूर्ति उनके गांव में स्थापित है।

यहां भी नहीं होता रावण दहन

मध्य प्रदेश में स्थित मंदसौर में भी दशहरे के दिन रावण दहन या रावण वध नहीं किया जाता। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह रावण की पत्नी यानी मंदोदरी का मायका था और उसी के नाम से इस स्थान को मंदसौर के नाम से जाना जाता है। यही कारण है कि इस स्थान के लोग रावण को अपना दामाद मानते हैं और दशहरे के दिन रावण दहन नहीं करते।

रावण ने छलपूर्वक पाई थी सोने की लंका, विश्वकर्मा ने किया था निर्माण

रा वण एक पराक्रमी योद्धा होने के साथ-साथ प्रकांड विद्वान, राजनीतिज्ञ और महाज्ञानी भी था। साथ ही वह सोने की लंका का स्वामी भी था। सोने के लंका का नाम सुनते ही सबसे पहले मन में रावण का ही विचार आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रावण को यह लंका किस प्रकार प्राप्त हुई।

मां पार्वती ने की विनती

एक बार जब माता लक्ष्मी, मां पार्वती जी से भेंट करने के लिए कैलाश पर्वत पर गईं, तो उन्होंने पार्वती जी से कहा कि आप एक राजकुमारी हैं, तो आप किस प्रकार इस कैलाश पर्वत पर अपना जीवन यापन कर रही हैं। इसके बाद माता पार्वती के मन में ही यह विचार आया कि हमारा एक महल होना चाहिए, तब उन्होंने अपने मन की बात शिव जी से कही। तब शिवजी ने पार्वती जी की इस बात को मानते हुए विश्वकर्मा और देव कुबेर को बुलाकर एक सोने का महल बनाने के लिए कहा।

रावण के मन में जागा लालच

महादेव के कहे अनुसार, विश्वकर्मा जी और कुबेर देव ने मिलकर भगवान शिव और माता पार्वती के लिए सोने की लंका का निर्माण किया। सोने की लंका बहुत ही सुंदर और रमणीय थी, जिसे देखकर रावण के मन में इसे पाने का लालच पैदा हो गया। तब उसने लंका को हथियाने का विचार बनाया। एक दिन रावण ने एक बार ब्राह्मण का रूप धारण किया और भगवान शिव के पास पहुंच गया।

तब रावण ने ब्राह्मण के रूप में भिक्षा के तौर पर सोने की लंका की। हालांकि भगवान शिव ने उसे पहचान लिया था, लेकिन फिर भी शिव जी ने उसकी यह मांग पूरी करते हुए उसे भिक्षा के रूप में सोने की लंका दे दी। एक कथा यह भी है, जिसमें वर्णन मिलता है कि रावण ने अपने सौतेले भाई कुबेर से सोने की लंका को बल पूर्वक छीना था।

माता पार्वती ने दिया श्राप

जब माता पार्वती को यह ज्ञात हुआ कि रावण ने छलपूर्वक सोने की लंका हथिया ली है, तब मां पार्वती बहुत क्रोधित हुईं और उन्होंने रावण को श्राप दे दिया। जिसके अनुसार, एक दिन सोने की पूरी लंका आग में भस्म हो जाएगी। इसी श्राप के अनुसार, हनुमान जी ने पूरी लंका में आग लगा दी थी, जिससे सोने की लंका जल गई।

आदिपर्वम से मांचू लक्ष्मी का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

राउला वेंकटेश्वर राव द्वारा प्रस्तुत, आदिपर्वम का निर्माण अन्विका आर्ट्स बैनर के तहत एआई एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया गया है। इस फिल्म में मांचू लक्ष्मी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण भूमिका आदित्यम ओम ने निभाई है। निर्देशक संजीव मेगोती फिल्म आदिपर्वम बना रहे हैं जो मुख्य रूप से एर्रागुडी की पृष्ठभूमि में अम्मावरी के आसपास बुनी गई एक आवधिक प्रेम कहानी के साथ ग्राफिक है।

सेंसर प्रक्रिया पूरी होने के बाद आदिपर्वम फिल्म इस महीने की 31 तारीख को एक भव्य नाटकीय रिलीज होने जा रही है।प्रतिभाशाली अभिनेत्री मांचू लक्ष्मी ने अपने जन्मदिन पर फिल्म आदिपर्वम में अपने किरदार का पहला लुक जारी किया। उनके किरदार का फर्स्ट लुक दिलचस्प और प्रभावशाली है. मांचू लक्ष्मी एक नए रोल में दर्शकों का मनोरंजन करने जा रही हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया है. डायरेक्टर संजीव मेगोटी ने कहा- सबसे पहले मांचू लक्ष्मी को जन्मदिन की शुभकामनाएं. मैं अन्विका आर्ट्स और एआई एंटरटेनमेंट्स के सहयोग से आदिपर्वम को एक बेहतरीन फिल्म बनाकर बहुत संतुष्ट हूं। मांचू लक्ष्मी, आदित्यम ओम, शिव कंथामनिनेनी और एस्तेर नीराजना कहने वाले लोगों के पात्र हैं। उनका प्रदर्शन यादगार है. मैंने यह फिल्म 1974-90 के बीच हुई वास्तविक घटनाओं के संग्रह के रूप में बनाई है। यह फिल्म अम्मोरू और अरुंधति फिल्मों की तरह ही बुरी शक्ति और दैवीय शक्ति के बीच की लड़ाई है। हाल के दिनों में ऐसी फिल्म नहीं आई है. हमारी फिल्म में ग्राफ़िक्स को हाइलाइट किया गया है। इस महीने की 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में हमारी फिल्म आदिपर्वम देखें। कहा।कार्यकारी निर्माता घंटा श्रीनिवास राव ने कहा- हम मांचू लक्ष्मी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हैं। आदिपर्वम एक रेट्रो फील के साथ एक अच्छी प्रेम कहानी के रूप में शुरू होती है और एक पूर्ण एक्शन थ्रिलर बन जाती है जो बिना नजरें घुमाए आपको प्रभावित करती है। हमें उम्मीद है कि आप आदिपर्वम फिल्म का समर्थन करेंगे। कहा।सह-निर्माता गोरेंटा श्रावणी ने कहा- मांचू लक्ष्मी को जन्मदिन की शुभकामनाएं।

हमें उम्मीद है कि आदिपर्वम को तेलुगु फिल्मों में एक बेहतरीन प्रयास के रूप में सराहा जाएगा। फिल्म की टीम बहुत सहयोगी थी. आदिपर्वम एक अच्छी फिल्म होगी जो आप सभी को याद होगी. झगड़े, ग्राफिक्स आपकी सराहना के पात्र हैं। कहा।कलाकार - मांचू लक्ष्मी, आदित्यम ओम, एस्तेर, सुहासिनी, सृजिता घोष, शिव कंथमनेनी, वेंकट किरण, सत्य प्रकाश, सम्मेता गांधी, जेमिनी सुरेश, दिल्ली राजेश्वरी, हैरी जोश, जबरदस्त गद्दाम नवीन, योगी क्रांति, मधु नांबियार, बीएन शर्मा, बृंदा , स्नेहा अजित, अयोशा, ज्योति, देवी श्री प्रभु, श्रावणी, गुडा रामकृष्ण, राधाकृष्ण थेलु, रवि रेड्डी, लीलावती, दुग्गीरेड्डी वेंकट रेड्डी, श्रीराम, आदि।

ओटीटी पर भी शुरू हो चुका है सरकटे का डर

अमेजन प्राइम पर हुई रिलीज

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर खूब जादू चलाया है। उनकी फिल्म को इतना पसंद किया गया कि ये फिल्म डेढ़ महीने तक सिनेमाघरों पर टिकी रही है। हॉरर-कॉमेडी फिल्म को आज के समय में बहुत पसंद किया जा रहा है। ये एक ऐसा जॉनर बन गया है जिसकी फिल्में जैसे ही रिलीज हो रही हैं वो बॉक्स ऑफिस पर छा जा रही हैं। सिनेमाघरों पर धमाल मचाने के बाद अब ओटीटी पर स्त्री 2 रिलीज हो गई है। फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने का फैंस लंबे समय से इतंजार कर रहे थे। अब ये इंतजार खत्म हो गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने भी इसकी ऑफिशियल जानकारी दे दी है।स्त्री 2 में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव के साथ पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी अहम किरदार निभाते नजर आए हैं। फिल्म में अक्षय कुमार का कैमियो है। जो अगले पार्ट में बड़े रोल में नजर आएगा।स्त्री 2 को अमेजन प्राइम पर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म को आप फ्री में देख सकते हैं। अब ये फिल्म रेंटल पर नहीं है। अमेजन प्राइम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके स्त्री 2 की ओटीटी रिलीज की जानकारी दी है। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- स्त्री आ चुकी है। स्त्री प्राइम पर। इसका वीडियो बहुत मजेदार है। हर कोई चीखता हुआ ही नजर आ रहा है। कभी स्त्री को देखकर तो कभी सरकटे को देखकर।स्त्री 2 को सिनेमाघरों पर 15 अगस्त को रिलीज किया गया था। इस फिल्म के साथ अक्षय कुमार की खेल खेल में और जॉन अब्राहम की वेदा रिलीज हुई थी। दोनों ही बड़े स्टार की फिल्मों को स्त्री 2 ने पीछे छोड़ दिया था। पहले दिन ही कलेक्शन के मामले में ये फिल्में स्त्री 2 से कोसो दूर थीं। उसके बाद से अब तक सिनेमाघरों में जितनी भी फिल्में रिलीज हुई हैं वो स्त्री 2 को मात नहीं दे पाई हैं।

दो पत्ती का पहला गाना रांझणा जारी, कृति सैनन-शाहीर शेख की केमिस्ट्री ने जीता दिल

अभिनेत्री कृति सैनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म के जरिए कृति बतौर निर्माता बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। दो पत्ती कृति के होम प्रोडक्शन ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स की पहली फिल्म है।इस फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री काजोल भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं।अब दो पत्ती का पहला गाना रांझणा रिलीज हो गया है, जिसे परम्परा टंडन ने अपनी आवाज दी है।रांझणा के बोल कौसर मुनीर ने लिखे हैं। इस गाने में कृति नशे में धुत नजर आ रही हैं, वहीं शाहीर शेख संग उनकी कमेस्ट्री ने दिल जीत लिया है।दो पत्ती सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी

प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 25 अक्टूबर, 2024 से होने वाला है। इस फिल्म में कृति डबल रोल में नजर आएंगी।दो पत्ती के निर्देशन की कमान कनिका ढिल्लों ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित फिल्म दो पत्ती में जुड़वा बहनों की एक पेचीदा कहानी दिखाई गई है, जिसमें रहस्य छिपे हैं और एक पुलिस हत्या के प्रयास के एक मामले में सच्चाई का पता लगाने के लिए तत्पर है। कृति सेनन और काजोल के अलावा इस फिल्म में शाहीर शेख, तन्वी आजमी और बृजेंद्र काला भी हैं।फिल्म की कहानी में काजोल को एक पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है जो बेपरवाह कृति सेनन से पूछताछ कर रही हैं। काजोल कृति से एक रहस्य साझा करने का आग्रह करती हैं, लेकिन कृति सवाल को टाल देते हैं और जवाब देती हैं कि एक पुलिस अधिकारी के रूप में, रहस्य को सुलझाना काजोल का काम है। कहानी में एक मोड़ जोड़ते हुए, कृति की हमशक्ल सीन में दिखाई देती है।

सोफी चौधरी के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

थाई स्लिट गाउन में एक्ट्रेस दिखीं बेहद खूबसूरत

एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी हमेशा अपने बोल्ड स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स से अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान एक्ट्रेस को स्पॉट किया। जहां उनका कातिलाना अंदाज और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस देखकर की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।सोफी चौधरी का नाम मल्टीटेलेंटेड एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हैं। वो अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपनी फिटनेस और फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस को पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान किया। इस दौरान वो बेहद ही किलर लुक में नजर आईं।फोटोज में आप देख सकते हैं सोफी चौधरी ने ऑरेंज कलर का थाई स्लिट गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।खुले बाल को कर्ली लुक में स्टाइल कर के और साथ ही मिनिमल कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो उनके हर एक लुक को फैंस फॉलो करते हैं। सोफी चौधरी की हर एक तस्वीर इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगती हैं।सोफी चौधरी सोशल मीडिया काफी एक्टिव रहती हैं। उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

निक्की तंबोली ने देसी अवतार में गिराई बिजली, साड़ी पहन दिए किलर पोज

बिग बॉस 14 की एक्स कंटेस्टेंट निक्की तंबोली अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो लोग उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हाल ही में निक्की तंबोली की लेटेस्ट हॉट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो गया है।निक्की तंबोली इन दिनों सोशल पर काफी एक्टिव हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका बोल्ड अवतार नजर आ रहा है. निक्की ने ऑरेंज कलर की साड़ी पहनी है और बाल खुले करके सेक्सी पोज देते नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस की खूबसूरती और बोल्डनेस देख यूजर्स के होश उड़ गए हैं और कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट की बौछार कर रहे हैं. निक्की तंबोली बिग बॉस 14 में नजर आ चुकी हैं और आजकल वे सिंगल्स कर रही हैं.बता दें कि एक्ट्रेस निक्की तंबोली का हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। और आए दिन वो अपनी अदाओं से इंटरनेट का पारा बढ़ाती रहती हैं।निक्की तंबोली अपने लुक्स से बी-टाउन की बड़ी-बड़ी हसीनाओं को मात देती हैं।अभिनेत्री निक्की तंबोली फैशनिस्ट से कम नहीं हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर लाइमलाइट बटौरता रहता है।

निखिल सिद्धार्थ स्टारर अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो का पोस्टर रिलीज

कार्तिकेय 2 से देशभर में लोकप्रियता हासिल करने वाले निखिल फिलहाल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। अभिनेता निखिल, जो लगातार हिट फिल्में दे रहे हैं, और बहुमुखी निर्देशक सुधीर वर्मा, जो अपनी विभिन्न फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, के साथ एक एक्शन एंटरटेनर का निर्माण किया जा रहा है। इस दिलचस्प जोड़ी ने पहले ब्लॉकबस्टर फिल्मों स्वामी रारा और केशव में साथ काम किया था।प्रमुख प्रोडक्शन हाउस श्री वेंकटेश्वर सिने चित्रा एलएलपी इस प्रोजेक्ट को अपनी 32वीं फिल्म के रूप में प्रोड्यूस कर रहा है। इसे वरिष्ठ और बेबाक निर्माता बीवीए-सएन प्रसाद द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है, जिन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं। आज, फिल्म का पहला लुक और उसका दिलचस्प शीर्षक सामने आया। फिल्म का नाम अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो रखा गया है, जिसमें एक दिलचस्प कार तत्व है जो जिज्ञासा बढ़ाता है।पहली झलक में निखिल और रुक्मिणी वसंत टहलते हुए नजर आ रहे हैं। निखिल स्टाइलिश अवतार में आकर्षक लग रहे हैं, जबकि रुक्मिणी वसंत अपनी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर रही हैं। पहली झलक प्रभावशाली है और एक मनोरंजक अनुभव का वादा करती है। ब्लॉकबस्टर स्वामी रारा की जोड़ी एक बार फिर दर्शकों को रोमांचित और गुदगुदाने के लिए वापस आ गई है। इस रोमांचक सहयोग से उम्मीदें बहुत ज़्यादा हैं क्योंकि उनका लक्ष्य अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो के साथ हैट्रिक बनाना है।कन्नड़ अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत, जिन्होंने अच्छी लोकप्रियता हासिल की है, इस फ़िल्म से अपना तेलुगु डेब्यू कर रही हैं। खूबसूरत दिव्यांशा कौशिक ने एक प्रमुख भूमिका निभाई है, साथ ही हर्षा चेमुडु भी एक प्रमुख भूमिका में हैं। योगेश सुधाकर, सुनील शाह और राजा सुब्रमण्यम फ़िल्म का सह-निर्माण कर रहे हैं। बापीनेदु बी इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट को प्रस्तुत कर रहे हैं। गायक कार्तिक गाने की रचना कर रहे हैं, जबकि सनी एमआर बैकग्राउंड स्कोर संभाल रहे हैं। रिचर्ड प्रसाद सिनेमैटोग्राफी के प्रभारी हैं, और नवीन नूली संपादन का काम संभाल रहे हैं। अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो इस दिवाली पर सिनेमाघरों में भव्य रिलीज के लिए तैयार है।

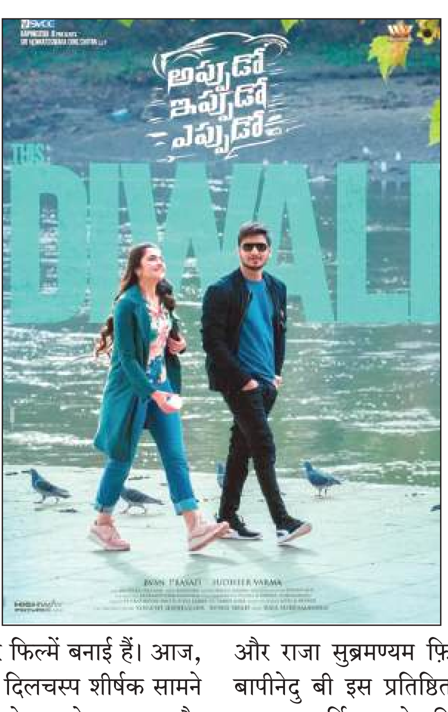

सीएम योगी ने बेटियों के पांव पखार कर मातृ शक्ति की आराधना की

शारदीय नवरात्रि की नवमी को नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं का पूजन किया

गोरखपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मातृ शक्ति के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा और उन्हें समाज में शक्ति स्वरूप में प्रतिष्ठित करने की पहल को एक बार फिर मजबूत करते दिखे। शुक्रवार को शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कन्या पूजन अनुष्ठान में सीएम योगी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया।

शुक्रवार को गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंदिर स्थित अपने आवास परिसर के प्रथम तल पर परंपरागत रूप से पीतल के परात में जल से सभी नौ कुंवारी कन्याओं के बारी-बारी पांव धोये। उनके माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत और शक्तिपीठ की वेदी पर उगाई गई जई का

तिलक लगाया।

माला पहनाकर, चुनरी ओढ़ाकर, उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया। पूजन के बाद इन कन्याओं को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद सीएम योगी ने अपने हाथों से परोसा। इन नौ कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंची बालिकाओं और बटुकों को भी पूजनोपरांत श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्यार-दुलार पाकर नन्हीं बालिकाओं व बटुकों की प्रसन्नता देखते ही बन रही थी। सत्कार और स्नेह के भाव से मुख्यमंत्री ने एक-एक कर नौ कन्याओं व बटुक भैरव के पांव पखारे और पूजन किया।

इस दौरान सीएम योगी के हाथों दक्षिणा मिलने से सभी बालिकाएं काफी प्रफुल्लित दिखीं। पूजन के बाद भोजन परोसते समय सीएम निरंतर संवाद भी करते रहे। यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी बालक-बालिका की थाली में प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे।

पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, द्वारिका तिवारी, वीरेंद्र सिंह, दुर्गेश बजाज, अमित सिंह मोनू, विनय गौतम आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी ने इसके पूर्व प्रातःकाल के पूजन सत्र में मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से आराधना की।

एक हजार शक्ति-सारथी को हरी झंडी दिखाकर रचा इतिहास

शारदीय नवरात्रि के अवसर पर गोंडा में हुई ऐतिहासिक पहल

लखनऊ/गोंडा, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

शारदीय नवरात्रि की दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में गोंडा जिले ने ऐतिहासिक पहल की है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रदेश में पहली बार गोंडा में शक्ति सारथी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत 1000 पिंक कलर के ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इन ई-रिक्शा को शक्ति सारथी नाम दिया गया है, जिनका उपयोग 90% से अधिक महिलाओं द्वारा किया जाएगा। सभी ई-रिक्शा चालकों को सुरक्षा के दृष्टिगत प्रशिक्षित किया गया है और उन्हें महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में 108 कन्याओं का कन्या पूजन और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 9 महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।

गोंडा की डीएम नेहा शर्मा ने बताया कि दुर्गा अष्टमी के अवसर पर जनपद में शक्ति वंदन 2.0 के तहत शक्ति सारथी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शक्ति सारथी कार्यक्रम एक अनूठा प्रयास है, जिसमें ई-रिक्शा चालकों को सारथी शक्ति की उपाधि दी गई है, जिससे वे महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में योगदान कर सकें। शक्ति सारथी पहल के तहत ऑटो चालकों का प्रशिक्षण महिला सुरक्षा को मजबूत बनाएगा और समाज में एक नया संदेश प्रस्तुत करेगा। यह पहल इस बात पर आधारित है कि 90 प्रतिशत से अधिक महिलाएं यात्रा के लिए ऑटो या ई-रिक्शा का इस्तेमाल करती हैं। शुरुआत में 1000 से अधिक ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को इस पहल के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिन्हें महिलाओं की सुरक्षा और आपातकालीन स्थितियों में सहायता प्रदान करने का प्रशिक्षण दिया गया है। भविष्य में इस कार्यक्रम को और भी विस्तारित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि शक्ति वंदन 2.0 के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी सुरक्षा के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। शक्ति सारथी पहल के अंतर्गत ऑटो चालकों को प्रशिक्षित किया गया है, ताकि महिलाएं बिना किसी डर के यात्रा कर सकें। यह कार्यक्रम समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक ब दलाव लाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कार्यक्रम जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में आयोजित किया गया है, जिसमें कार्यक्रम स्थल पर उत्पन्न कचरे का समुचित निस्तारण सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास कार्यों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, और आधारभूत ढांचे में हुए सुधारों को प्रदर्शित किया गया।

इस अवसर पर जिले के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों से आई 108 कन्याओं का कन्या पूजन किया गया और उन्हें उपहार भेंट किए गए। वहीं, नवदेवी सम्मान समारोह के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का भी सम्मान किया गया। इसके अतिरिक्त हवन, प्रसाद वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत आकांक्षा समिति उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष डॉक्टर गरिमा सिंह ने वर्चुअल माध्यम से की, जबकि गोंडा की डीएम नेहा शर्मा, सीडीओ अंकिता जैन और जिले के अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इससे पूर्व पिछले वर्ष गोंडा जिला प्रशासन ने शक्ति वंदन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। तब करीब 12 हजार कन्याओं का पूजन कर रिकॉर्ड स्थापित किया गया था।

विजयादशमी शोभायात्रा की अगुवाई करेंगे गोरक्षपीठाधीश्वर

गोरखपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विजयादशमी के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार पूर्वाह्न शिवावतार गुरु गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन करेंगे तो सायंकाल गोरखनाथ मंदिर से निकलने वाली पारंपरिक विजयादशमी शोभायात्रा की अगुवाई करेंगे। शोभायात्रा का समापन मानसरोवर रामलीला मैदान में होगा जहां गोरक्षपीठाधीश्वर प्रभु श्रीराम का पूजन व राज्याभिषेक करेंगे। सामाजिक समरसता के ताने-बाने को मजबूत कर समग्र रूप में लोक कल्याण की भावना को संजोए गोरक्षपीठ से प्रति वर्ष विजयादशमी को निकलने वाली विजय शोभायात्रा अनूठी होती है। गोरक्षपीठाधीश्वर की अगुवाई वाली परंपरागत शोभायात्रा में हर वर्ग के लोग तो शामिल होते ही हैं, इसका अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों द्वारा भव्य स्वागत भी किया जाता है। वास्तव में विजयदशमी का पर्व गोरक्षपीठ की विशिष्टता और इसके ध्येय की व्यापकता को एक बड़े फलक पर अवलोकन करने का भी अवसर होता है। गोरखनाथ मंदिर की विजयादशमी शोभायात्रा इसलिए भी आकर्षक और अनूठी होती है कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी इसके स्वागत के लिए गोरखनाथ मंदिर के मुख्य द्वार से थोड़ी दूरी पर घंटों पहले फूलमाला लेकर खड़े रहते हैं।

गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी विजयादशमी के दिन, शनिवार सायंकाल गोरखनाथ मंदिर से गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की शोभायात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी। विजयादशमी पर गोरक्षपीठाधीश्वर नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशेष परिधान में होते हैं। पीठाधीश्वर, गुरु गोरक्षनाथ का आशीर्वाद लेकर अपने वाहन पर सवार होंगे। तुरही, नगाड़े व बैंड बाजे की धुन के बीच शोभायात्रा मानसरोवर मंदिर पहुंचेगी।

यहां पहुंचकर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गोरक्षपीठ से जुड़े मानसरोवर मंदिर पर देवाधिदेव महादेव की पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद उनकी शोभायात्रा मानसरोवर रामलीला मैदान पहुंचेगी। यहां चल रही रामलीला में वह प्रभु श्रीराम का राजतिलक करेंगे। इसके साथ ही प्रभु श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण व हनुमानजी का पूजन कर आरती भी उतारी जाएगी। रामलीला मैदान में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन भी होगा।

विजयादशमी के दिन पूर्वाह्नकाल गोरक्षपीठाधीश्वर गुरु गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन करेंगे। साथ ही मंदिर परिसर के सभी देव विग्रहों की पूजा की जाएगी। इसके बाद गोरखनाथ मंदिर में होने वाले पारंपरिक तिलकोत्सव कार्यक्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देंगे। सायंकाल विजयादशमी शोभायात्रा निकाली जाएगी। देर शाम को गोरखनाथ मंदिर में परंपरागत भोज का भी आयोजन होगा जिसमें अमीर-गरीब और जाति-मजहब के विभेद से परे बड़ी संख्या में सर्वसमाज के लोग शामिल होंगे।

गोरक्षपीठ में विजयादशमी का दिन एक और मायने में भी विशेष होता है। इस दिन यहां संतों की अदालत लगती है और दंडाधिकारी की भूमिका में होते हैं गोरक्षपीठाधीश्वर। नाथपंथ की परंपरा के अनुसार हर वर्ष विजयदशमी के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में पीठाधीश्वर द्वारा संतों के विवादों का निस्तारण किया जाता है। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ नाथपंथ की शीर्ष संस्था अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा के अध्यक्ष भी हैं। इसी पद पर वह दंडाधिकारी की भूमिका में होते हैं। गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी को पात्र पूजा का कार्यक्रम होता है। इसमें गोरक्षपीठाधीश्वर संतो के आपसी विवाद सुलझाते हैं। विवादों के निस्तारण से पूर्व संतगण पात्र देव के रूप में योगी आदित्यनाथ का पूजन करते हैं।

नारी को सम्मान देने वाला समाज होता है समर्थ और शक्तिवान : योगी

गोरखपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को महापर्व शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं विजयादशमी की बधाई देते हुए कहा कि शारदीय नवरात्र नारी गरिमा की प्रतिष्ठा का पर्व है। जिस समाज में नारी की पूजा होती है तथा सम्मान दिया जाता है वह समाज स्वयं ही समर्थ और शक्तिमान होता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया में रहने वाले सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगतजननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन व अनुष्ठान के कार्यक्रम से श्रद्धा, उल्लास व उमंग से जुड़ते हैं। सनातन धर्म की पर्व और त्योहार से जुड़ी समृद्ध परंपरा सबका ध्यान आकर्षित करती है। आज शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली मां सिद्धिदात्री के स्वरूप के पूजन के साथ कन्या पूजन का अनुष्ठान हो रहा है। वह सौभाग्यशाली हैं कि गोरक्षपीठ की पवित्र परंपरा के अनुसार उन्हें भी कन्या पूजन का अनुष्ठान करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्र का पर्व शक्ति की आराधना के साथ आधी आबादी के सम्मान का भी प्रतीक पर्व है। भारतीय मनीषा ने प्राचीनकाल से ही यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: अर्थात जहां नारी की पूजा की जाती है, उसका सम्मान किया जाता है वहां दैवीय शक्तियों का वास होता है की मान्यता और इसके भाव को अंगीकार किया है। नवरात्र में जगतजननी भगवती मां दुर्गा के पावन नौ स्वरूपों की आराधना सनातन धर्म की उदात्त और पवित्र परंपरा का महत्वपूर्ण अवसर है। यह आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की नई प्रेरणा देने का भी माध्यम है। सीएम योगी ने कहा कि आधी आबादी की सुरक्षा के साथ पूरे समाज की सुरक्षा जुड़ी होती है। उन्होंने कहा कि जब हम आधी आबादी को सामर्थ्यवान बनाकर उनकी गरिमा और सम्मान की सुरक्षा करेंगे तो प्रदेश और देश सभी नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाने के लक्ष्यों को प्राप्त करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मां जगतजननी की नौ तिथियों में पूजन के बाद कल शनिवार को विजयादशमी का पावन पर्व है। विजयादशमी भगवान श्रीराम द्वारा रावण पर विजय प्राप्त करने के उल्लास का पर्व है। इसमें यह संदेश भी निजी है कि जहां शक्ति की साधना होगी तो वहां सिद्धि के रूप में विजयश्री का वरण अवश्य होगा। सीएम योगी ने कहा कि विजयादशमी त्रेतायुग के बलशाली राजा, अधर्म, अत्याचार और अन्याय के प्रतीक रावण पर प्रभु श्रीराम के विजय का उत्सव है। इस अवसर पर भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव व्यक्त करने के लिए सनातन धर्मावलंबी रामलीलाओं के माध्यम से श्रीराम के राज्याभिषेक के कार्यक्रम से जुड़ेगा। इस अवसर पर अन्याय के प्रतीक रावण के पुतला दहन की परंपरा भी देखने को मिलती है। मुख्यमंत्री ने विजयादशमी के पावन पर्व पर सभी लोगों के मंगलमय जीवन की कामना की।

कुंभ की संवाद परंपरा को पुनर्जीवित कर रही है योगी सरकार

प्रयागराज में 25 से 27 अक्टूबर तक होगा कुंभ कॉन्क्लेव

प्रयागराज, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ मात्र एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि कुम्भ हमारे देश की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं वैचारिक विविधताओं का संगम का प्रतिबिंब है। कुम्भ की महत्ता के दृष्टिगत यूनेस्को द्वारा इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। वर्ष 2019 के दिव्य-भव्य और सुरक्षित कुंभ के आयोजन के योगी सरकार के बेंचमार्क के बाद महाकुंभ 2025 के आयोजन को देश-विदेश में पहुंचाने के लिए कुंभ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है।

तीसरा कुंभ कॉन्क्लेव 25-27 अक्टूबर तक प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित किया जा रहा है। एमएनएनआईटी के इनोवेशन व इनक्यूबेशन हब और इंडिया थिंक काउंसिल की ओर से यह आयोजन होगा। इसमें उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की भी सहभागिता होगी। इंडिया थिंक काउंसिल के निदेशक डॉक्टर सौरभ बताते हैं कि इस तीन दिवसीय कुंभ कॉन्क्लेव में 10 से अधिक तकनीकी सत्र होंगे। उसमें देश और विदेश के विद्वान शामिल होंगे।

सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हो सकते हैं। उनके अलावा सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में पद्म विभूषण और भारत के पूर्व उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय, परमार्थ निकेतन हरिद्वार के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द मुनि, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह प्रमुख वक्ता होंगे।

कुम्भ-कॉन्क्लेव 2024-25 के निमित्त देश के 25 प्रमुख स्थानों पर कुम्भ की भव्यता, विशेषता और महत्व के सम्बन्ध में गोलमेज सम्मेलन/रोड-शो का आयोजन होता है।

इस अवसर पर विभिन्न विषय विशेषज्ञों एवं विद्वानों के पारस्परिक विचार-विमर्श से उपयोगी एवं रचनात्मक सुझाव समाज के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेंगे। इंडिया थिंक काउंसिल के निदेशक का कहना है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के प्रोत्साहन के बाद 2019 के कुंभ से शुरू हुए इस कुंभ कॉन्क्लेव के आयोजन में विभिन्न सत्रों में आयोजित होने वाले विमर्श और चिंतन-मनन से कुंभ की उस प्राचीन संवाद परंपरा को पुनर्जीवन मिल रहा है जो धीरे धीरे हासिये में आ गई थी। प्राचीन काल से कुंभ धर्म, समाज और व्यवस्था की मौजूदा व्यवस्था को चिंतन की कसौटी में कसने का अवसर रहा है जिससे बेहतर व्यवस्था के मूल मंत्र पहचाना जा सके। कुंभ कॉन्क्लेव में तीन दिनों तक चलने वाले 11 सत्रों में अखाड़ा, आश्रम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फूड सिक्योरिटी, फूड सिक्योरिटी, टेंपल इकोनॉमी और उद्यमिता की थीम पर विचार मंथन होगा। इसके लिए देश और विदेश के विषय के विशेषज्ञ इसमें शामिल हो रहे हैं।

आतंकियों का समर्थक पत्रकार वाजिद खान गिरफ्तार

भारत में भी तख्ता पलट के देखता है सपने

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने सोशल मीडिया पर हिंदूफोबिक कंटेंट डालने वाले इस्लामी आतंकवाद समर्थक वाजिद खान को हिरासत में ले लिया है। पुलिस फिलहाल उसके कंटेंट और उसके संपर्कों की जांच कर रही है। पुलिस पता लगा रही है कि वाजिद का किसी आतंकी नेटवर्क या देशद्रोही तत्वों के साथ संपर्क तो नहीं है। वह सोशल मीडिया पर हिंदू और यहूदी घृणा से पोस्ट किया करता था और कट्टरपंथी इस्लाम का समर्थन करता था।

वाजिद खान राजस्थान के अजमेर जिले के गवाना के कायड़ रोड का रहने वाला है। उसने सोशल मीडिया साइट द (पूर्व में ट्विटर) पर खुद को पत्रकार बता रखा है। इसके साथ ही अपने बायो में अल जजीरा अंग्रेजी लिख रहा है। हालांकि, वह अल जजीरा में काम करता है या नहीं या वहां अपने लेख छपवाता है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं करता है। मुस्लिम मुल्क कतर का सरकार समर्थक मीडिया हाउस अल जजीरा अपने हिंदूफोबिक कंटेंट और इस्लाम परस्ती के साथ-साथ आतंकवादियों के पक्ष में वैश्विक स्तर पर नैरेटिव तैयार करने के लिए कुख्यात है। वाजिद खान यहां काम करने का दावा करता है। वाजिद खान कुछ दिन पहले आतंकवादी समूह द्वारा निर्दोष यहूदी नागरिकों पर क्रूर हमले की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए कई ट्वीट पोस्ट किया था।

पिछले साल 7 अक्टूबर को फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास ने इज़राइल पर हमला करके यहूदियों का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया था। इस साल 7 अक्टूबर को इसके एक साल पूरे हुए। इस दौरान वाजिद खान ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 7 अक्टूबर की यादगार तस्वीरें। इसके साथ ही उसने एक तस्वीर भी पोस्ट की थी। इस पोस्ट में एक हथियारबंद आतंकवादी एक इजरायली सैनिक को टैंक के ऊपर पकड़े हुए है। वाजिद खान ने इस तस्वीर को विजय वाले इमोजी के साथ पोस्ट करके इसके जरिए इस्लामी आतंकवादियों का महिमामंडन किया था। उसने यह भी कहा कि यह दिन किसी त्यौहार से कम नहीं है, जो फिलिस्तीन से इज़राइल की भारी हार की याद दिलाता है।

उसने एक दो अलग-अलग पोस्ट में लिखा था, 7 अक्टूबर की शुभकामनाएं। 7 अक्टूबर को फिलिस्तीनियों ने इज़राइल का सुपर पावर होने का घमंड तोड़ दिया था। एक अन्य पोस्ट में उसने लिखा था, इज़राइल पर हमले को आज एक साल पूरा हो गया है, उसका ताकतवर बनने वाला भ्रम टूट गया है। उसने इज़राइल पर हमला करने वाले हमास के चीफ याह्या सिनवार गाजा का शेर बताया। वाजिद खान न केवल यहूदियों के प्रति, बल्कि हिंदू समुदाय के प्रति भी नफरत से भरा हुआ है। दोनों के प्रति अपनी घृणा व्यक्त करने के लिए वह मौत की धमकी देने से भी नहीं चूकता है। वह मुस्लिमों के आतंकवाद के खिलाफ इज़राइल के साथ खड़े हिंदुओं से घृणा करता है। यह यति नरसिंहानंद के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाली सबसे मुखर आवाज़ों में से एक था।

वाजिद खान ने 4 अक्टूबर को नरसिंहानंद और उनके अनुयायियों को मौत की धमकी दी और कहा था, कल अति (उनके नाम का मजाक उड़ाते हुए) नरसिंहानंद ने नबी ए करीम की शान में गुस्ताखी की थी लेकिन कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। और अब उस मलूंन के चेले भी नबी ए करीम और हजरत अली की शान में गुस्ताखी कर रहे है।

इनका इलाज एक ही है वो है हजरत अली की जुल्फिकार। जुल्फिकार मुस्लिमों के पैगंबर मुहम्मद के दामाद अली इब्न अबी तालिब की तलवार का नाम है। वाजिद खान इस पोस्ट के जरिए कहना था कि हिंदू संत नरसिंहानंद और उनके अनुयायियों को वही मौत के घाट उतारा दिया जाएगा, जो मुस्लिम खलीफाओं और शासकों के शासनकाल के दौरान इस्लाम को अस्वीकार करने वालों को भुगतना पड़ा था।

भारत के 14 राज्यों में बाल विवाह बढ़ने की खबर

यूपी में पांच लाख बच्चों ने किया विरोध

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने बृहस्पतिवार को खुलासा किया है कि देश में 11.4 लाख से अधिक बच्चों पर बाल विवाह का खतरा मंडरा रहा है। एनसीपीसीआर के मुताबिक, उसने 2023-24 में इन बच्चों की मदद के लिए परिवारों से बात करने, बच्चों को स्कूल लौटाने में मदद करने, और पुलिस के साथ मिलकर उनकी सुरक्षा करने जैसे कदम उठाए।

एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में मुख्य सचिवों से इस मुद्दे को थमिकता देने और बाल विवाह उन्मूलन के लिए जिला-स्तरीय रणनीतियों को लागू करना जारी रखने की अपील की। एनसीपीसीआर बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत 1.2 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा। आयोग के मुताबिक, इसमें उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में अच्छा काम किया। उत्तर प्रदेश में 500,000 से अधिक बच्चों ने बाल विवाह का पुरजोर विरोध किया।

इसके बाद मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य रहे। कर्नाटक और असम जैसे राज्यों में जागरूकता बढ़ाने के लिए धार्मिक नेताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्थानीय लोगों के साथ 40,000 से अधिक बैठकें कीं। 1993 में बाल विवाह की शिकार लड़कियों की संख्या 49 फीसदी थी। 28 साल के बाद यानी 2021 में यह 22 प्रतिशत हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर लड़कों का बाल विवाह भी काफी कम हुआ है। 2006 में सात फीसदी बालकों की शादियां हो रही थीं, जो 2021 में घटकर दो फीसदी रह गई है। हालांकि, शोध टीम ने इस बात पर चिंता जाहिर की और कहा, 2016 से 2021 के दौरान बाल विवाह को खत्म करने की प्रगति रुक गई है। 2006 से 2016 के दौरान बाल विवाह में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई।

बीटेक का टॉपर निकला डिजिटल अरेस्ट का मास्टरमाइंड

चार महीने में की 4 करोड़ की ठगी

आगरा, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। खुद को सीबीआई, ईडी और पुलिस अधिकारी बताकर लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने वाले गैंग पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने शिकंजा कसा है। मास्टरमाइंड सोहेल अकरम सहित चार को गिरफ्तार किया गया है। सोहेल चेन्नई की एसआरएम यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में बीटेक पास की है, वो कॉलेज का टॉपर रहा है। अकरम दिल्ली और गुरुग्राम में कंपनी खोलकर गैंग चला रहा था। फर्जी दस्तावेज से खुले बैंक खातों और सिम कार्ड के माध्यम से ठगी करते थे। फर्जी एकाउंट में रकम ट्रांसफर करने के बाद निकाल लेते थे। पिछले चार महीने में 4 करोड़ की ठगी कर चुके हैं।

डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि राज अपार्टमेंट जसोरिया एंक्लेव, फतेहाबाद मार्ग निवासी रेलवे के सेवानिवृत्त मुख्य टिकट निरीक्षक नईम बेग को 13 अगस्त को डिजिटल अरेस्ट किया गया था। मनी लॉन्ड्रिंग और ड्रग्स ट्रैफिकिंग का केस बताकर 15 लाख रुपए ठगे गए थे। एसीपी हरीपर्वत आदित्य सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम लगाई गई। बृहस्पतिवार को सिकंदरा के फैक्टरी एरिया से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें दिल्ली के दरियागंज निवासी मोहम्मद राजा रफीक (मूलरूप से भीलवाड़ा, राजस्थान), बागपत के पारस विहार कॉलोनी निवासी मोहम्मद दानिश, उसका भाई मोहम्मद कादिर और असम के करीमगंज निवासी मोहम्मद सोहेल हैं। सोहेल मास्टरमाइंड है।

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपियों ने जिस खाते में 15 लाख रुपए जमा कराए थे, उसमें 24 घंटे में 2.70 करोड़ रुपए विभिन्न खातों में जमा कराने के बाद निकाले गए थे। पुलिस ने इन खातों की डिटेल निकलवाई। रकम निकालने के बाद खाते बंद भी कराए गए थे। इन खातों को मजदूर वर्ग के लोगों को रुपयों का लालच देकर खोला गया था। फर्जी आईडी लगाई गई थीं। कॉल करने के लिए सिम भी फर्जी आईडी के थे। इन नंबरों से व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर कॉल किए जाते थे। लोगों को भय दिखाकर ठगते थे। रकम आने के बाद अलग-अलग एकाउंट में ट्रांसफर करने के बाद निकाल लेते थे। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उनके साथ विवेक कुमार सिंह, गौरव शर्मा, महेश शिंदे भी हैं। गिरोह के हर सदस्य का काम अलग-अलग था। कोई खाते खुलवाकर एटीएम कार्ड और चेक बुक उपलब्ध कराता था। कोई रकम निकालने जाता था। लोगों से बात करने से लेकर फर्जी गिरफ्तारी प्रपत्र, नियुक्तिपत्र आदि बनाने से लेकर अलग-अलग काम सदस्य करते थे। वह तकरीबन 4 महीने में डिजिटल अरेस्ट से ही 4 करोड़ रुपए की ठगी कर चुके हैं। पुलिस अब आरोपियों के बैंक खातों और सम्पत्ति की भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से 1 लैपटॉप, 1 मैकबुक, 2 कीपेड मोबाइल, 5 स्मार्ट फोन, 2 आईफोन बरामद किए हैं। इसके अलावा आरोपियों के पास से फर्जी नियुक्तिपत्र, गिरफ्तारी प्रपत्र आदि बरामद किए हैं।

जिस भाजपा को दलित विरोधी बता रही कांग्रेस

उसने जीत ली जम्मू में सभी आरक्षित सीटें

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पिछले कुछ वर्षों से भाजपा को लगातार दलित विरोधी पार्टी बता रही है। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा संविधान और आरक्षण के खिलाफ है। लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार के दौरान कांग्रेस के नेताओं ने अपनी चुनावी जनसभाओं में लगातार इस बात को कहा था कि भाजपा दलित विरोधी है और उसके फिर से सत्ता में आने पर संविधान और आरक्षण पर खतरा पैदा हो जाएगा। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने पर साफ दिखाई दिया कि कांग्रेस के इस प्रचार का उसे फायदा हुआ और भाजपा को नुकसान हुआ और भाजपा अपने दम पर बहुमत भी नहीं हासिल कर सकी। वह 240 सीटों पर आकर रुक गई।

भाजपा को दलित विरोधी बताए जाने का कांग्रेस का यह प्रचार जम्मू में पूरी तरह ध्वस्त होता दिखाई दिया है क्योंकि जम्मू में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी सातों सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की है। इसके अलावा हरियाणा में भी आरक्षित सीटों के मामले में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया है। जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है। नेशनल कांफ्रेंस को

42 सीटों पर जीत मिली है जबकि कांग्रेस को 6। भाजपा ने अकेले दम पर चुनाव लड़ते हुए 29 सीटें जीती हैं और यह सभी सीटें उसने जम्मू संभाग से ही जीती हैं। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की 90 सीटें हैं। इसमें से जम्मू में 43 और कश्मीर में 47 सीटें हैं।

हालांकि भाजपा को अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों पर जीत नहीं मिली है। जम्मू-कश्मीर में एसटी के लिए 9 सीटें आरक्षित हैं। इसमें से 6 सीटें जम्मू में हैं। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद एसटी यानी अनुसूचित जनजाति के लिए पहली बार सीटें आरक्षित की गई थीं। केंद्र सरकार ने पहाड़ी समुदाय को भी एसटी की श्रेणी में शामिल किया था। पुंछ और राजौरी के जिलों में एसटी मतदाता बड़ी संख्या में हैं। बताया जा रहा है कि पहाड़ी समुदाय को एसटी में शामिल किए जाने से गुज्जर मतदाता नाराज हो गए और इस वजह से अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों पर भाजपा को जीत नहीं मिली। एक शख्स ने कहा कि इस वजह से गुज्जर मतदाता कांग्रेस-एनसी गठबंधन के पीछे एकजुट हो गए और उन्हें पहाड़ी समुदाय का भी वोट मिला।

हरियाणा में भी आरक्षित सीटों के मामले में भाजपा का प्रदर्शन 2019 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले काफी बेहतर रहा है। हरियाणा की विधानसभा में 17 सीटें आरक्षित हैं। 2019 में भाजपा को इनमें से 5 सीटें मिली थी जबकि इस बार पार्टी ने यहां 8 सीटें जीती हैं और 9 सीटें कांग्रेस के खाते में गई हैं। जबकि कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह सभी आरक्षित सीटों पर कब्जा जमा लेगी। हरियाणा में भी विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कांग्रेस ने संविधान और आरक्षण पर खतरा होने की बात कही थी लेकिन इसका कोई असर होता हुआ नहीं दिखाई दिया। इसके साथ ही पार्टी ने अग्निवीर योजना और किसानों के मुद्दों को भी उठाया था और यह दावा किया था कि हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनाएगी लेकिन चुनाव नतीजे आने पर उसके सभी दावे हवा में उड़ गए।

दलित समुदाय को रिझाने के लिए कई कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यों को संविधान के तहत अनुसूचित जातियों (एससी) के भीतर उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है।

एससी समुदाय को वंचित एससी श्रेणी में बांटा गया, जिसमें धानक, बाजीगर, कबीरपंथी, वाल्मीकि, मजहबी और मजहबी सिख शामिल हैं। दूसरी श्रेणी में रहगर, रैगर, रविदासी, रामदासी और मोची शामिल हैं और इन जातियों के लोगों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया। इस कदम से भाजपा को हरियाणा में फायदा हुआ।

बिहार में ईसाई धर्मांतरण की ग्राउंड रिपोर्ट

यूट्यूब ने बेसाख्ता डिलीट कर दिया वीडियो

पटना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर वामपंथियों का दबदबा कोई नई बात नहीं है। पिछले कुछ सालों में कई ऐसे मामले सामने आए जब बड़ी टेक कंपनियों में बैठे वामपंथी अपनी विचारधारा के अनुरूप कंटेंट को बढ़ाने और सेंसर करने का काम करते रहे। उन्होंने कभी किसी हिंदूवादी आवाज को दबाने के लिए उसकी ऑडियंस के बीच रीच कम कर दी तो कभी उनके वीडियो को हटा दिया तो कभी उसका चैनल ही उड़ा दिया।

दिलचस्प बात ये है कि इन बड़ी टेक कंपनियों की कम्युनिटी गाइडलाइन सिर्फ तभी आहत होती है जब कोई हिंदुओं की बात करे। ताजा उदाहरण पर प्रकाशित एक वीडियो से जुड़ा है। यह वीडियो 4 साल पहले यूट्यूब पर डाली गई थी। इस वीडियो में बिहार के सुदूर ग्रामों में हो रहे ईसाई धर्मांतरण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। बताया गया था कि कैसे मधुबनी इलाके में एनजीओ के नाम पर ईसाई मिशनरियां अपना घिनौना खेल खेलती हैं और हिंदू धर्म के खिलाफ घृणित बातें करते हुए ईसाई धर्म में आने के लिए कहती है। दो एपिसोड की यह वीडियो न्यूज़ यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर हर जगह थी। लेकिन अचानक अब देखा गया है कि यूट्यूब पर से उस वीडियो को हटा दिया गया है, जो 31 अक्टूबर 2020 को डाली गई थी। जिसमें ईसाई मिशनरियों के घिनौने खेल के साथ उस पादरी का चेहरा भी साफ तौर पर दिखाया गया था जो ग्रामीणों को भड़काता था। यह कार्रवाई सिर्फ और सिर्फ ईसाई धर्मांतरण के मुद्दे को दबाने की नीयत से की गई है, इसके अतिरिक्त और कुछ नहीं।

अब भले ही ईसाई धर्मांतरण की पोल खोलने वाली वीडियो यूट्यूब पर मौजूद नहीं है लेकिन आप अगर इसे देखना चाहते हैं तो यह फेसबुक पर फिलहाल मौजूद है। भविष्य में फेसबुक भी उसे डिलीट कर सकता है। अगर आप इस वीडियो को देखें तो समझेंगे कि कैसे गरीब, लाचार लोगों का ब्रेनवॉश करके उन्हें धर्मांतरित किया जाता है। उन्हें हिंदू धर्म से घृणा करवाई जाती है और धर्म परिवर्तन को सही बताया जाता है। यह पहली बार नहीं है कि किसी मामले को लेकर बड़ी टेक कंपनियों के वामपंथी रवैये पर सवाल खड़ा किया जा रहा हो। इनका प्रभाव फेसबुक पोस्ट से लेकर इंस्टा की रीच तक देखा जा सकता है।

हिंदू को काफिर कहकर मारने की बात करने वाली रील मिलियन तक पहुंचती है और फिर भी उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती। जबकि हिंदुओं के समर्थन वाली पोस्ट को कम्युनिटी गाइडलाइन के विरुद्ध कहकर खारिज कर दिया जाता है। जहां फेक न्यूज फैलाने वाले पोस्टों पर कार्रवाई नहीं होती, लेकिन अगर कोई उस फेक न्यूज की पोल खोल दे तो उस पोस्ट को हाइड कर दिया जाता है। तमाम यूट्यूबर्स और अन्य सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर इन समस्याओं से रोज जूझते हैं। सबका इलाज सिर्फ इन टेक कंपनियों को मेल करना नहीं हो सकता।

ये भी पता हो कि ये वामपंथी लॉबी सिर्फ हिंदुत्व की विचारधारा के खिलाफ अपनी सक्रियता नहीं दिखाती बल्कि इन्हें दक्षिणपंथी विचार वाले लोगों से समस्या है। 2020 में इन कंपनियों पर आरोप भी लगे थे कि ये चुनावों के वक्त सोशल मीडिया यूजर्स को मैनिपुलेट करने का काम कर रही थी। इनकी विश्वसनीयता किस आधार पर आंकी जाए ये कहना मुश्किल है लेकिन ये जरूर है कि आप अगर यूट्यूब, फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर दिखाए जाने वाले कंटेंट को देखेंगे तो पाएंगे कि काम की वीडियोज से ज्यादा वो वीडियो आपके सामने होंगी जिनसे या तो आपके विचार शून्य हो जाएं या फिर वैसे हों जैसा वो चाहते हैं। आपके फीड में किसी वामपंथी का प्रोपगेंडा 3 मिलियन से 30 मिलियन तक पहुंचता दिखाई देगा लेकिन अगर कोई हिंदूवादी आवाज उठा ले, धर्मांतरण के खिलाफ बोल दे तो उसका वही होगा जो इस टेक कंपनी में बैठे लोग चाहते हैं। संभव है कभी उसे 30 हजार व्यूज के लिए मशक्कत करना पड़े तो कभी 3 हजार का।

दिल्ली में फिर मिली नशे की खेप

2000 करोड़ की कोकीन बरामद

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुबई से भारी मात्रा में कोकीन एक कंपनी के जरिए भारत भेजी गई है। इस कंपनी की पहचान कर ली गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अधिकारी इस कंपनी के अधिकारियों से पूछताछ कर रहे हैं और ये पता कर रहे हैं कि कितनी मात्रा में कोकीन भारत भेजी गई है। अभी तक भारत में कुल 773 किलोग्राम कोकीन पकड़ी जा चुकी है। इतनी मात्रा में देश से कोकीन बरामद होने पर देश की सुरक्षा एंजेंसियां हाई अलर्ट मोड में आ गई हैं। सभी राज्यों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। स्पेशल सेल ने अब नार्को टेरर का लिंक भी खंगालना शुरू कर दिया है।

स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुबई से

कोकीन की खेप सीधे गाजियाबाद व हापुड़ पहुंची थी। यहां गोदाम में पूरी खेप को रखा गया था। यहां से खेप भारत के अन्य राज्यों में भेजी जा रही है। दिल्ली के रमेश नगर से जो 208 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई है वह भी गाजियाबाद से यहां पहुंचाई गई थी। यहां से ये खेप आगे पहुंचाई जाती उससे पहले ही महिपालपुर में कोकीन की खेप पकड़ी गई। इसके बाद इस खेप की निगरानी करने भारत आया सविंदर गोदाम बंद कर बुधवार रात को लंदन फरार हो गया। वह आईजीआई एयरपोर्ट से लंदन फरार हुआ है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार लंदन में बैठे इंटरनेशनल ड्रग्स गिरोह के सरगना ने ही सविंदर को रमेश नगर वाली कोकीन की खेप की निगरानी के लिए भारत भेजा था। गिरोह सरगना ने ही जितेंद्र गिल उर्फ जस्सी को महिपालपुर वाली खेप पर निगरानी के लिए भारत भेजा था। खेप पकडऩे जाने के बाद जस्सी जब लंदन फरार हो रहा था तो उसे अमृतसर एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। स्पेशल सेल के पुलिस अधिकारियों के अनुसार रमेश नगर वाली कोकीन की खेप की आवाजाही के लिए किराए की एरिग्टा कार का इस्तेमाल किया गया। ये कार तिलक नगर में एक व्यक्ति की है। वह कागजात किराए पर रखकर कारें किराए पर देता है। पुलिस इस कार के मालिक से पूछताछ कर रही है।

संपादकीय

हर चुनाव 'स्वतंत्र' है

यह मानना गलत और अद्र्धसत्य है कि एक राज्य के चुनाव नतीजे दूसरे राज्य के जनादेश को तय करते हैं। कुछ संयोग और अपवाद जरूर हो सकते हैं। अलबत्ता प्रत्येक चुनाव 'स्वतंत्र' होता है। हरियाणा में कांग्रेस को 'विजयी' आंका जा रहा था, लेकिन अंतिम जनादेश भाजपा के पक्ष में रहा। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन जीता है, हालांकि उसमें कांग्रेस का योगदान लेशमात्र है। भाजपा वहां दूसरी सबसे ताकतवर पार्टी बनकर उभरी है। अब सवाल यह है कि क्या कश्मीर-हरियाणा के औसत मतदाता की मानसिकता और राजनीतिक सोच वही है, जो महाराष्ट्र और झारखंड के दूरदराज इलाकों में मौजूद मतदाता की है? क्या दोनों क्षेत्रों की समस्याएं और उनके सरोकार भी समान हैं? क्या हरियाणा-कश्मीर के जनादेश अब महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावी परिदृश्य को प्रभावित करेंगे और वहां कांग्रेस समेत 'इंडिया' गठबंधन पराजित हो सकते हैं? हमारे सामने लोकसभा चुनाव का भी उदाहरण है। लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई, 2024 में हुए, लेकिन उनसे पहले मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना आदि राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए। उनमें तेलंगाना को छोड़ कर शेष सभी राज्यों में जनादेश भाजपा के पक्ष में रहा। तेलंगाना में कांग्रेस जीती। इस अनुपात में लोकसभा चुनाव के नतीजे नहीं रहे। आम चुनाव को विधानसभा चुनावों का सारांश माना जाता है। यह धारणा भी भ्रामक है। इसका कोई निश्चित मानदंड नहीं है। हर राज्य अपने-अपने मुद्दों और राजनीतिक लहर के आधार पर जनादेश देता है। मसलन-किसानों का आंदोलन और मांग भी 'राष्ट्रीय' नहीं है। दिल्ली में जो किसान आंदोलन देखा गया, उसमें पंजाब और हरियाणा के किसानों का ही जमावड़ा था। किसान महाराष्ट्र में भी एक सांगठिन ताकत हैं, लेकिन वे एमएसपी की मांग नहीं कर रहे, बल्कि वे आंदोलित भी नहीं हैं। सवाल है कि किसान 'राष्ट्रीय' मुद्दा कैसे हो सकते हैं? चूंकि कांग्रेस ने हरियाणा में 'जीती बाजी' हारी है, लिहाजा उसके सहयोगी दल भी मानने लगे हैं कि कांग्रेस महाराष्ट्र और झारखंड में भी 'पराजय की परिधि' में है, लिहाजा 'इंडिया' गठबंधन के छोटे साथी भी नसीहतों का प्रलाप कर रहे हैं। कांग्रेस को 'अहंकारी', 'एकाधिकारवादी', 'स्वार्थी' आदि तक करार दिया जा रहा है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना, ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस, हेमंत सोरेन के झामुमो आदि का हरियाणा-कश्मीर में 'शून्य' जनाधार है, लेकिन वे गठबंधन-धर्म को नकारने के मद्देनजर कांग्रेस को कोस रहे हैं। लालू यादव के राजद की उपस्थिति भी इन राज्यों में नदारद है, फिर भी वह कांग्रेस को 'गठबंधन-धर्म' का पाठ पढ़ा रहे हैं। वह कांग्रेस को गठबंधन राजनीति के प्रति 'अनुदार' भी मान रहे हैं। फिर ये सभी दल 'इंडिया' के तहत लामबंद क्यों हैं? क्या इस तरह भाजपा को शिकस्त दी जा सकती है? बेशक हरियाणा चुनाव में 'आप' और समाजवादी पार्टी की प्रासंगिकता जरूर थी। कांग्रेस अपनी ऐंठ में रही और गठबंधन की बानगी के तौर पर कुछ सीटें इन दलों को नहीं दी। 'आप' को हरियाणा में 1.79 फीसदी वोट मिले हैं, जबकि कांग्रेस मात्र 0.85 फीसदी वोट के अंतर से हारी है। यकीनन कांग्रेस को आत्ममंथन जरूर करना चाहिए, क्योंकि अति आत्मविश्वास भी घातक होता है। कांग्रेस की पराजय का एक बड़ा कारण यह भी है। 'इंडिया' शुरू से ही, बुनियादी तौर पर, छिन्न-भिन्न रहा है। कांग्रेस और 'आप' में कभी गठबंधन हो जाता है, तो कभी अलग-थलग होकर चुनाव में उतरते हैं और एक-दूसरे को गरियाते हैं। कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन में पीडीपी को शामिल नहीं किया गया, जबकि वह 'इंडिया' का घटक दल है। अब उप्र में सपा-कांग्रेस का गठबंधन खटाई में पड़ता दिख रहा है।

हरियाणा में कांग्रेस को 'विजयी' आंका जा रहा था, लेकिन अंतिम जनादेश भाजपा के पक्ष में रहा। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन जीता है, हालांकि उसमें कांग्रेस का योगदान लेशमात्र है। भाजपा वहां दूसरी सबसे ताकतवर पार्टी बनकर उभरी है। अब सवाल यह है कि क्या कश्मीर-हरियाणा के औसत मतदाता की मानसिकता और राजनीतिक सोच वही है, जो महाराष्ट्र और झारखंड के दूरदराज इलाकों में मौजूद मतदाता की है? क्या दोनों क्षेत्रों की समस्याएं और उनके सरोकार भी समान हैं? क्या हरियाणा-कश्मीर के जनादेश अब महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावी परिदृश्य को प्रभावित करेंगे और वहां कांग्रेस समेत 'इंडिया' गठबंधन पराजित हो सकते हैं? हमारे सामने लोकसभा चुनाव का भी उदाहरण है। लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई, 2024 में हुए, लेकिन उनसे पहले मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना आदि राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल पर कराया जाता है सर्वेक्षण

गांव को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए मजबूत पहल की जरूरत

ममता कुमारी

केंद्र सरकार की ओर से कराये जाने वाला यह सर्वेक्षण देश में स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति को समझने में सहायक सिद्ध होता है। दरअसल आज भी हमारे देश में में कुपोषण की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में इसका आंकड़ा ज्यादा नजर आता है। इसकी प्रमुख वजह कमज़ोर आर्थिक स्थिति मानी जा सकती है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली किशोरियों और महिलाओं को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध नहीं हो पाता है। इसका प्रभाव बच्चों के स्वास्थ्य पर भी नज़र आता है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के छठे दौर के सर्वे का काम शुरू हो गया है। इसे केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल पर कराया जाता है। इसके माध्यम से देश की जनसंख्या, परिवार नियोजन, बाल और मातृत्व स्वास्थ्य, पोषण, वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा इत्यादि से संबंधित मुख्य संकेतकों का आकलन किया जाता है। केंद्र सरकार की ओर से कराये जाने वाला यह सर्वेक्षण देश में स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति को समझने में सहायक सिद्ध होता है। दरअसल आज भी हमारे देश में में कुपोषण की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में इसका आंकड़ा ज्यादा नजर आता है। इसकी प्रमुख वजह कमज़ोर आर्थिक स्थिति मानी जा सकती है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली किशोरियों और महिलाओं को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध नहीं हो पाता है। इसका प्रभाव बच्चों के स्वास्थ्य पर भी नज़र आता है। बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में भी कुपोषण की समस्या पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है। हालांकि केंद्र और राज्य सरकार इस दिशा में काफी गंभीर प्रयास कर रही है। लेकिन अभी भी बहुत से ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या नज़र आती है। ऐसा ही एक गांव गया का कैशापी पुरानी डिह है। जिला मुख्यालय से 32 किमी और डोभी प्रखंड से करीब 5 किमी दूर इस गांव की कई महिलाएं, किशोरियां और बच्चे कुपोषण की समस्या से जूझते नज़र आ जायेंगे। इस संबंध में 28 वर्षीय मालती पासवान बताती हैं कि उनके चार बच्चे हैं। पति खलासी (कंडक्टर) का काम करते हैं। आमदनी इतनी नहीं है कि घर में सभी के लिए पौष्टिक आहार उपलब्ध हो सके। इसलिए अक्सर वह और बच्चे कई प्रकार की बीमारियों का शिकार रहते हैं। एक अन्य महिला 32 वर्षीय विमला कहती हैं कि गर्भवती महिलाओं को आंगनबाड़ी से पौष्टिक आहार उपलब्ध हो जाता है। जिससे इस दौरान उनकी सेहत अच्छी रहती है। लेकिन अन्य दिनों में घर में अनाज की व्यवस्था करना कठिन काम होता है। पंचायत में दर्ज आंकड़ों के अनुसार अनुसूचित जाति बहुल कैशापी पुरानी डिह गांव में 633 परिवार आबाद हैं। जिनकी कुल

आबादी लगभग 3900 है। इनमें करीब 1600 अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग परिवार रहता है। गांव में पासवान और महतो समुदायों की संख्या अधिक है। ज़्यादातर परिवार के पुरुष नोएडा, सूरत, कोलकाता और अमृतसर जैसे शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों में दैनिक मज़दूर के रूप में काम करने जाते हैं। कुछ मकान उच्च जाति के लोगों की है। जो आर्थिक रूप से संपन्न होने के कारण बड़े पैमाने पर कृषि कार्यों से जुड़े हुए हैं। यहां के 48 वर्षीय पूरन महतो बताते हैं कि आर्थिक रूप से कैशापी पुरानी डिह के लोग बहुत कमज़ोर हैं। आय के साधन सीमित हैं। ऐसे में बच्चों, महिलाओं व किशोरियों के लिए पोषण युक्त खाने की व्यवस्था करना परिवार के लिए संभव नहीं है। आमदनी इतनी ही होती है कि किसी प्रकार परिवार का गुज़र बसर हो जाए। वह कहते हैं कि सरकार की ओर से आंगनबाड़ी और स्कूल में मिलने वाले मध्यान भोजन (मिड डे मील) की सुविधा के कारण बहुत से घरों के बच्चों को अच्छा भोजन उपलब्ध हो पाता है। 7वीं में पढ़ने वाली 12 वर्षीय किशोरी पूजा बताती है कि वह अपने भाई-बहन के साथ प्रतिदिन स्कूल इसीलिए जाती है क्योंकि वहां दोपहर खाने के लिए अच्छा भोजन मिलता है। गांव में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र की संचालिका आशा देवी बताती हैं कि कैशापी पुरानी डिह गांव के लगभग सभी परिवार की महिलाएं, बच्चे और किशोरियां कुपोषण से ग्रसित नज़र आएंगी। इसकी प्रमुख वजह उनका आर्थिक रूप से कमज़ोर होना है। ज़्यादातर परिवार की आमदनी इतनी ही है कि उनका किसी प्रकार गुज़ारा चलता है। पोषण की कमी के कारण महिलाओं में खून की कमी पाई जाती है। जिससे उनमें रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है और वह कई बिमारियों का शिकार हो जाती हैं। पर्याप्त संतुलित आहार की कमी के कारण किशोरियों में भी खून की कमी होती है। जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आशा देवी बताती है कि पहले की अपेक्षा अब गांव में कम उम्र में ही लड़कियों की शादी लगभग समाप्त हो गई है लेकिन दो बच्चों के बीच अंतराल की समस्या गहरी है। पौष्टिक आहार की कमी और जल्दी जल्दी गर्भधारण के कारण महिलाओं के स्वास्थ्य पर सबसे अधिक असर पड़ता है। कई बार प्रसव के दौरान खून की कमी के कारण महिला की मौत भी हो जाती है। आशा देवी कुपोषण के कारणों पर बात करते हुए बताती हैं कि जिस व्यक्ति के शरीर में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन की कमियां होती हैं उसे कुपोषण की श्रेणी में रखा जाता है। इसकी वजह जहां गांव में गरीबी और रोज़गार की कमी है। वहीं घर का अच्छा खाना पुरुषों को देने की सामाजिक और पारंपरिक प्रचलन से भी महिलाओं के हिस्से में नाममात्र के पौष्टिक आहार उपलब्ध हो पाते हैं। वह कहती हैं कि गर्भवती महिलाओं में कुपोषण की वजह से जच्चा और बच्चा दोनों के स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है जबकि बच्चों में कुपोषण की कमी के कारण उनका शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित होता है। आशा देवी के अनुसार कैशापी पुरानी डिह में स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार लाने की बहुत ज़रूरत है। विशेषकर कुपोषण के विरुद्ध बहुत अधिक काम करने की जरूरत है क्योंकि इससे यहां की महिलाओं, किशोरियों और बच्चों का विकास प्रभावित हो रहा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के पांचवें दौर के दूसरे चरण की जारी रिपोर्ट के अनुसार कुपोषण के मामले में पहले चरण की तुलना में मामूली सुधार हुआ है लेकिन अभी भी इस विषय पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। भारत में अभी भी प्रतिवर्ष केवल कुपोषण से ही लाखों बच्चों की मौत हो जाती है। सर्वेक्षण के अनुसार करीब 32 प्रतिशत से अधिक बच्चे कुपोषण के कारण अल्प वज़न के शिकार हैं। जबकि 35.5 प्रतिशत बच्चे कुपोषण की वजह से अपनी आयु से छोटे कद के प्रतीत होते हैं।

दृष्टि कोण

उत्कृष्ट परिणामों को उत्तम सुविधाएं चाहिए

आज के ओलंपिक खेल शौकियान न होकर अब पेशेवर हो गए हैं। सदी पूर्व जब जिम थोर्पे के ओलंपिक पदक इसलिए छीन लिए थे कि उसने कहीं खेल के नाम पर थोड़ा सा धन ले लिया था। आज अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ स्वयं विश्व रिकॉर्ड बनाने पर एक लाख अमेरिकी डालर इनाम देता है और भारत में तो कुछ राज्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़ रुपए भी देते हैं। तभी तो बढिया किस्म के खेल उपकरणों का भी महत्व बढ़ गया है। अभी तक बढिया खेल सुविधाएं विकसित देशों को ही मिल पा रही थी, मगर अब यह सुविधा हर देश को चाहिए, तभी उच्च परिणाम आएंगे। खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों को मिले, ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं। ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं, करोड़ों खेलेंगे, तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिए। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरे हैं। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपए का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है, तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जंप व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देख जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपए का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। खेल सामान खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जुडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महविद्यालय को दी जा रही है। जहां भी खेल सामान खरीदना हो, वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों। जिस संस्थान को सामग्री मिले, वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिनके पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं।

कुछ अलग

थूक कर चाटिए...

बचपन से ही मेरी चरित्रवान बनने की इच्छा थी। पिताजी ने मुझे शाखा में भी भेजा तथा स्वयं ने भी संस्कारों की सीख दी, उसका प्रभाव यह हुआ कि मैं लगभग चरित्रवान-सा बन गया था, यानी मुझे मूल्यों से हटाना सरल नहीं था। मैं सिद्धांतों पर अडिग रहता था। कई बार तो मेरी जिद के सामने बाद में पिता जी तक को दिक्कत होने लगी। उन्हें गुस्सा आता कि उन्होंने मुझे इतना जबरदस्त चरित्रवान क्यों बना दिया। वे कहते कि बेटा! थोड़ा व्यावहारिक बनने की भी आवश्यकता है, अन्यथा तुम्हें जीवन में भूखो मरने की नौबत आ सकती है। मैं कहता कि तो क्या हुआ, मूल्यों की रक्षा के लिए भूखो मर जाना भी श्रेष्ठ मानता हूं। उन दिनों देश में भ्रष्टाचार का शुभारंभ हो चुका था। हर राजनेता भ्रष्टाचार से सम्पत्ति अर्जित कर धनाढ्य बनने की होड़ में लगा था। पिताजी ने मुझे अपने कमरे में बुलाया और कहा, 'बेटा! देख रहे हो देश की हालत क्या हो रही है? लोग इसे अपने चारों हाथ-पांवों से लूट रहे हैं। मुझे एक पल गौर से देखो और अपने जीवन का रास्ता चुन लो।' मैंने पिताजी को देखा- फटी धोती, तार-तार कुर्ता, टूटी चप्पलें तथा मोटे फ्रेम के चश्मे में वे भारतीय गरीब का पर्याय थे। मुझे लगा क्या यह इसी विपन्नता में मर जाएंगे। तभी चरित्र ने जोर मारा- जीवन में अपने सद्चरित्र से ही आदमी को अपनी जीविका चलानी चाहिए। जब पिताजी ने इस मूल्य को नहीं त्यागा तो मुझे इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए। तभी मन का विरोधी बोला- 'भूखो मर जाओगे, भाई-बहिनों की पढ़ाई-लिखाई, शादी ब्याह कुछ भी नहीं हो पाएगा। जिंदगी की रेस में बढ़ना है तो भ्रष्टाचार में लग जाओ।' तभी पिताजी बोले- 'बेटा! तुम्हारे भीतर जो द्वंद्व चल रहा है उसे मैं समझता हूं, लेकिन प्रैक्टिकल हुए बिना जीवन नैया पार नहीं लगेगी। मैं चरित्र की अपनी सारी शिक्षाएं विड्रा करता हूं। हो सके तो इस घर को भुखमरी से निकाल लो।' मेरी आंखें आश्चर्य से खुली रह गईं, उनके मुख से यह बात सुनकर। उनकी आंखों में आंसू भरे थे। उनकी चाह को मैं भली प्रकार से समझ सकता था। मैं बोला- 'यह आप क्या कह रहे हैं पिताजी। चरित्र और सिद्धांत मेरी रग-रग में समा चुका है। अब इसे आसानी से विड्रा नहीं किया जा सकता। जब पेट ईमानदारी से भर सकता है, तो बईमानी की क्या आवश्यकता है?' 'बेटा! अकेले पेट का सवाल नहीं है, अब जरूरतें इतनी बढ़ गयी हैं कि उसके अनुसार तुम नहीं बन पाए तो मुझे दुःख होगा। हालांकि गलती मेरी ही है। लेकिन बेटा पहले का जमाना वही था। नए जमाने को और नए मूल्यों को समझने की आवश्यकता है। मैं नहीं चाहता कि तुम भी मेरी ही तरह घुट-घुट कर मरो। चरित्र समय की आवश्यकता नहीं है।' 'मैं आपका आशय समझ नहीं पा रहा?' 'अभी समझाता हूं बेटा। देखो चुनाव नजदीक हैं, मैं चाहता हूं कि तुम राजनीति में चले जाओ। इसमें तुम जल्दी ही प्रेक्टिकल बन जाओगे। सारे चरित्र पर पानी फिर जाएगा। मेरी आत्मा को शांति मिलेगी तथा तुम अच्छा कमा-खा लोगे। राजनीति में जमने के लिए चरित्र को त्यागना पड़ता है तथा थूककर चाटना पड़ता है।' इतना कहकर वे चले गए और मैं ठंडा पड़ गया। काटो तो खून नहीं। निश्चित नहीं कर पा रहा था कि राजनीति में जाऊं या नहीं। क्योंकि चरित्र, संकट बन चुका था।

देश दुनिया से

हिंसा से नहीं विकास से होगा नक्सलवाद का खात्मा

हथियारों के बल पर हिंसा के जरिए दहशत फैलाने वाले नक्सलियों को यह समझ में नहीं आया कि क्रांति वहां होती है, जहां राजशाही या तानाशाही का शासन हो। लोकतंत्र में लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी मांग मनवाई जा सकती है। इसका सीधा रास्ता है चुनाव की प्रक्रिया के जरिए अपने मनपसंद प्रतिनिधियों को चुनना और कानून बनवाना। इसके विपरीत हथियारों के बलबूते हिंसा के रास्ते पर चलने का नतीजा खून-खराबे के अतिरिक्त कुछ नहीं हो सकता। नक्सली प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की लगातार कसती जा रही घेराबंदी में बड़ी तादाद में युवा नक्सलियों की जान जा रही है। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर-दंतेवाड़ा सीमा के पास सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के साथ जंगल में हुई मुठभेड़ में 32 माओवादियों को मौत के घाट उतार दिया। अब तक ऐसी सैकड़ों मुठभेड़ों में भटके हुए युवा हजारों की संख्या में अपनी जान गंवा चुके हैं।

लोकतंत्र का रास्ता छोड़ कर हथियारों के बल पर क्रांति लाने का ख्वाब पाले नक्सलियों को इसकी कीमत अपने खून से लगातार चुकानी पड़ रही है। हथियारों के बल पर हिंसा के जरिए दहशत फैलाने वाले नक्सलियों को यह समझ में नहीं आया कि क्रांति वहां होती है, जहां राजशाही या तानाशाही का शासन हो। लोकतंत्र में लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी मांग मनवाई जा सकती है। इसका सीधा रास्ता है चुनाव की प्रक्रिया के जरिए अपने मनपसंद प्रतिनिधियों को चुनना और कानून बनवाना। इसके विपरीत हथियारों के बलबूते हिंसा के रास्ते पर चलने का नतीजा खून-खराबे के अतिरिक्त कुछ नहीं हो सकता। नक्सली प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की लगातार कसती जा रही घेराबंदी में बड़ी तादाद में युवा नक्सलियों की जान जा रही है। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर-दंतेवाड़ा सीमा के पास सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के साथ जंगल में हुई मुठभेड़ में 32 माओवादियों को मौत के घाट उतार दिया। अब तक ऐसी सैकड़ों मुठभेड़ों में भटके हुए युवा हजारों की संख्या में अपनी जान गंवा चुके हैं। सुरक्षा बलों की संख्या और मजबूती के सामने नक्सली कहीं नहीं टिक सकते। यह जानते हुए भी नक्सलवाद एक हारी हुई लड़ाई है, गुमराह नक्सली जान देने पर आमदा हैं। इससे ज्यादा अफसोसजनक बात क्या हो सकती है, बदलाव के लिए जिन युवाओं के हाथों में कलम, कम्प्युटर या ऐसे ही समाज और राष्ट्रनिर्माण के उपकरण हो सकते हैं, उनके हाथों में हथियार हैं। इसमें भी उन्हें कहीं चैन-सुकून नहीं है। पुलिस की गोली जंगलों में कब उनका काम तमाम कर दे, इसका डर उन्हें दिन-रात सताता रहता है। परिवार और समाज से दूर यायावरों की तरह जंगलों में भटकने वाले नक्सलियों पर हर वक्त मौत का साया मंडराता रहता है। देश की आजादी को 75 साल से ज्यादा हो गए। देश में बदलाव लाने के लिए नक्सलियों के हिंसात्मक आंदोलन को भी 6 दशक से ज्यादा का समय हो गया। नक्सलियों का दायरा लगातार सिकुड़ता जा रहा है। कभी आठ-दस राज्यों में प्रभाव रखने वाले नक्सलियों का दायरा सिमटता हुआ दो-तीन राज्यों में रह गया। देश की पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त और सशक्त कार्रवाई के सामने नक्सली बौने साबित हुए हैं। इस वर्ष अब तक दंतेवाड़ा और नारायणपुर समेत सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग मुठभेड़ों में 171 माओवादियों को मार गिराया है। नक्सलवाद की शुरुआत पश्चिम बंगाल के एक छोटे से गांव नक्सलबाड़ी से हुई थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता कानू सान्याल और चारू माजूमदार ने सरकार के खिलाफ 1967 में एक मुहिम छेड़ी थी। देखते ही देखते ये एक आंदोलन बन गया और चिंगारी फैलने लगी। इस आंदोलन से जुड़े लोगों ने खुद सरकार के खिलाफ हथियार उठा लिए। सरकार के खिलाफ ये विद्रोह उन किसानों का था, जो जमींदारों के अत्याचार से परेशान हो चुके थे। इसमें कोई संदेह नहीं कि जंगलों में पैतृक अधिकारों से वंचित आदिवासियों ने सरकारी तंत्र के जुल्म-सितम से तंग आकर कोई विकल्प नहीं देख कर नक्सली विचारधारा का दामन थामा। राज्यों की सरकार ने दशकों तक इन इलाकों में विकास को तरजीह नहीं दी। इससे नक्सलियों के कुप्रचार का रास्ता और भी आसान हो गया। यही वजह रही कि पश्चिमी बंगाल से शुरु हुआ नक्सलवाद सीमावर्ती राज्यों में फैलता चला गया। बीते दशकों के दौरान नक्सलियों और सुरक्षाबलों को भारी जनहानि उठानी पड़ी। नक्सलियों के प्रभाव वाले क्षेत्रों में विकास कार्य ठप्प पड़ गए। इसका फायदा उठा कर कट्टर नक्सलियों को युवाओं को बहकाने का मौका मिल गया। नक्सलवाद की समस्या से निपटने के लिए केंद्र और राज्यों ने दो स्तरीय नीति बनाई। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के राहत पैकेज और हिंसा करने वालों के प्रति सख्ती की नीति अपनाई। इसी के तहत राज्यों में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को अनुग्रह राशि देने का प्रावधान किया गया। इनके पुनर्वास की योजना को मंजूरी दी गई। विवाह करने के लिए भी राशि का प्रावधान किया गया ताकि युवा हिंसा का रास्ता छोड़ कर परिवार-समाज के साथ सामान्य जीवन बिता सकें। इसके अलावा केंद्र और राज्य संयुक्त तौर पर नक्सलियों से निपटने की रणनीति पर लगातार कार्यरत हैं। नक्सलियों के राहत पैकेज की रफ्तार बेशक धीमी हों, किन्तु इसका फायदा उठा कर अब तक बड़ी संख्या में युवा हथियार छोड़ कर सामान्य जीवन व्यतीत करने में सफल रहे हैं। नक्सलियों पर सुरक्षा बलों पर दवाब के साथ जरूरत इस बात की है कि विकास की रफ्तार तेज की जाए। नक्सलवाद के जड़ सहित खात्मे के लिए दवाब और विकास की रणनीति जरूरी है। सच्चाई यह भी है कि नक्सल प्रभावित राज्यों में जिस तेजी से विकास होना चाहिए था, वह ऊंट के मुंह में जीरा साबित हुआ है।

आप का नजरिया

एक झील की मौत

महकमों की काबिलीयत का शोक मनाती धर्मशाला की डल झील की मछलियों को मरना पड़ा। वे एक दिन में नहीं मरीं और न ही जल रिसाव अचानक हुआ। झील की सड़ांध में कितने ही पाप घुल मिल चुके हैं और वे तमाम घोषणाएं भी वहीं कहीं उसी आस को रो रही हैं, जो वर्षों से नेताओं की रंग बदलती जुबान से निकलती रही हैं। आश्चर्य यह कि पर्यटन के इस ग्रहण को न सरकार की दौलत और न ही विभागीय मोहलत बचा पाई। यह दीगर है कि तड़पने के बाद दस-बारह क्विंटल मछलियों को खड्ड में डाल दिया गया, वरना इस झील की कब्र में कितने ही फर्ज पहले से डूब चुके हैं। आज के युग में एक प्राकृतिक झील की हत्या कई प्रश्न उठाती है और यह कोई अनहोनी घटना भी नहीं, हम पहले ही सबसे बड़ी रेणुका झील का दायरा सुखा चुके हैं। रिवालसर झील की मछलियां बाल-बाल बचती हैं, तो खजियार की झील अब दलदल की सौगात है। धर्मशाला झील की बारी लगातार आ रही है और पिछले एक दशक की मूक गवाही में यह कारनामा हुआ, तो इसलिए कि हमारी हर सुबह सियासत के सपने देखती है। यह दौर विभागों की करामात, योजनाओं के लक्ष्य और परियोजनाओं की डूबती नैया की कहानी में डल झील को सुशोभित कर रहा है। जहां चारों तरफ गाद से पर्यटन विमर्श कर रहा है। आश्चर्य यह कि पर्यटन की किश्तियां अब अपने ही साहिल पर डूब रही हैं। वहां मातम मनाते पर्यटक मिल जाएंगे, लेकिन न मसला जल शक्ति विभाग को समझ आया, न वन विभाग और न ही पर्यटन विभाग इस आकर्षण को सिमटते देख कर अपनी आंखें खोल पाया। एशियन विकास बैंक के सहयोग से पर्यटन की कचहरी दलीलें सुनती रहती है, लेकिन इस अभागी झील को कोई सुखद पैगाम नहीं आया। इसी झील के किनारे वीआईपी दौड़े। स्थानीय लोगों ने अपने-अपने व्यवसायों का सीना चौड़ा कर लिया। झील ने कई विधायक-कई मंत्री बनते देखे, लेकिन खुद को कोसने के सिवाय क्या मिला। जरूर यहां भी ठेकों का आबंटन होता रहा होगा। निर्माण की विधा में कंक्रीट बिछा या चूना लगा, यह वीरान मंजर बता रहा है कि पानी को कहीं न कहीं चूसा गया है। यह भ्रष्टाचार की फॉल्ट लाइन है या हमारे ज्ञान की कमजोरी कि रिसाव की जगह को चिन्हित ही नहीं कर पाए। यह हमारी असफलताओं का मॉडल है जो पर्यटन के नाम पर धब्बा है। हमने अपनी घाटियां उजाड़ीं, देवदार के पेड़ उजाड़े, चाय के बागीचे और नदियों के मुहाने तक खोद डाले। आखिर पर्यटन के लिए हर आकर्षण को संरक्षण चाहिए या उजड़ते सरकारी होटल। झील उस वक्त मर रही है, जब कांगड़ा को पर्यटन की राजधानी बनाने की मशक्कत चल रही है। हम चाहे भारत का सबसे ऊंचा म्यूजिकल फाउंटेन स्थापित कर दें, वेलनेस सेंटर बना दें, हर सडक़ पर द्वार बना दें, लेकिन प्राकृतिक तौर पर उपलब्ध नजारे अगर नहीं बचा पाए, तो पूरा पर्यटन खंडहर बन जाएगा। आश्चर्य यह भी कि स्मार्ट सिटी के तमाम योजनाकारों ने भी धर्मशाला में कंक्रीट ही चुना, लेकिन अपनी किसी परियोजना में नहीं चुनी तो डल झील।

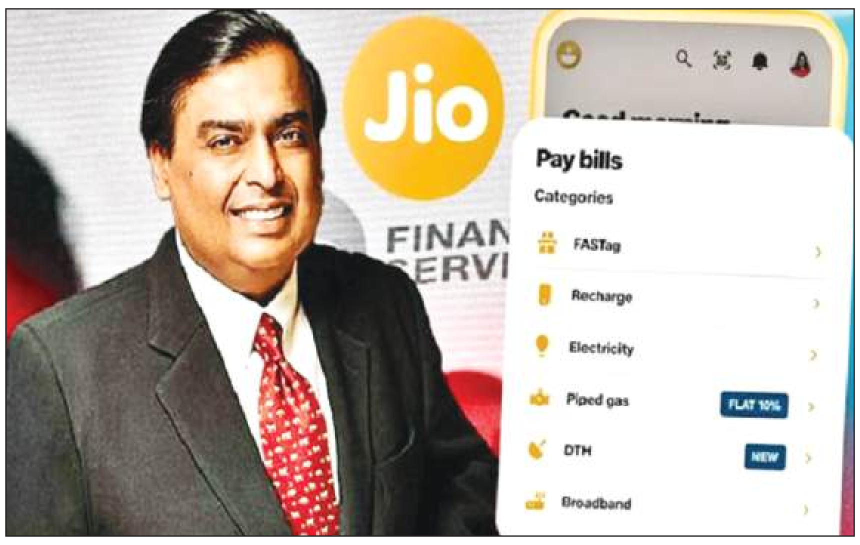

रिलायंस ने ग्राहकों के लिए नई सुविधाओं के साथ जियो फाइनेंस ऐप किया लॉन्च

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने फाइनेंशियल मार्केट में हिस्सेदारी पाने के लिए बड़ा दांव लगाया है।

आरआईएल की फाइनेंसियल कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने नवरात्रि में जियो फाइनेंस ऐप का नया उन्नत संस्करण लॉन्च किया है। ऐप के जरिए ग्राहकों के विभिन्न बैंक खातों और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स को लिंक किया जा सकता है।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का जियो फाइनेंस ऐप का नया उन्नत संस्करण लॉन्च

कंपनी ने शुक्रवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि पहले से बेहतर वित्तीय सर्विस देने के लिए जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपना पूर्णतया विकसित जियो फाइनेंस ऐप को लॉन्च किया है। जेएफएसएल ने इसका बीटा वर्जन 4 महीने पहले 30 मई, 2024 को लॉन्च किया था, तब से अबतक इसे 60 लाख उपभोक्ताओं ने डाउनलोड किया है। इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर, एप्पल ऐप स्टोर और माईजियो से डाउनलोड किया जा सकता है।

जेएफएसएल के मुताबिक जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (जेपीबीएल) में करीब 15 लाख ग्राहक अपना सेविंग अकाउंट (बचत खाता) खुलवा चुके हैं। इस बैंक में बचत खाता सिर्फ 5 मिनट में डिजिटल तरीके से खोला जा सकता है। बचत खाते के साथ डेबिट कार्ड भी मिलेगा और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के कारण बचत खाता अधिक सुरक्षित भी होगा। इसके अतिरिक्त, यूपीआई पेमेंट, मोबाइल रिचार्ज और क्रेडिट कार्ड बिलों के भुगतान जैसी सेवाएं भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगी। इस ऐप के जरिए कंपनी लाइफ, हेल्थ, टू-व्हीलर, मोटर इंश्योरेंस डिजिटली ऑफर कर रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

टीसीएस की कमाई घटी- खर्चा बढा

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस को जुलाई से सितंबर माह की तिमाही में 11909 करोड रुपए का मुनाफा हुआ है। पिछले वर्ष की तुलना में यह पांच फ़ीसदी ज़्यादा है। पिछली तिमाही में कंपनी की आय 7.65 फ़ीसदी की दर से बढी थी। जो इस तिमाही में 0.36 फ़ीसदी घट गई है। इस तिमाही में कंपनी का खर्च 8 फ़ीसदी बढ़ गया है। खर्च की तुलना में कंपनी का मुनाफा कम हुआ है। टीसीएस के बोर्ड ने शेयर धारकों के लिए 10 रूपये प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड की मंजूरी दी है। इसका भुगतान 5 नवंबर को किया जाएगा। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को पिछले साल की तुलना में 11 फ़ीसदी ज्यादा डिविडेंड दिया है। पिछले साल 9 रूपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया गया था।

भारत डीपीआई के उपयोग से जुड़े अपने अनुभव आसियान देशों से साझा करेगा

विएंतियान। भारत आधार और यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) के इस्तेमाल से जुड़े अपने अनुभव और ज्ञान को आसियान देशों के साथ साझा करेगा। एक संयुक्त वक्तव्य में हाल ही में यह जानकारी दी गई। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन में विविध चुनौतियों का समाधान करने के लिए सहयोग की संभावना भी तलाशी जाएगी। विएंतियान में आयोजित 21वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में दोनों पक्षों ने कहा कि वे नवाचारी डिजिटल समाधानों के जरिये आसियान और भारत में भुगतान प्रणालियों के बीच सीमापार संबंधों के सहयोग की संभावना तलाशेंगे। दोनों पक्षों ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर एक संयुक्त बयान भी जारी किया।बयान में क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समुद्री सुरक्षा एवं संरक्षा, समुद्री परिवहन और उड़ान की स्वतंत्रता तथा समुद्र के अन्य वैध उपयोगों को बनाए रखने और बढ़ावा देने के महत्व की पुष्टि की गई। इसमें निर्बाध वैध समुद्री वाणिज्य और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देना शामिल है।

ड्रैगन पर शिकंजा! अब सरकार जब्त करेगी 252 करोड़, 10 गुना जुर्माना भी, कंपनी भारत में अवैध तरीके से कर्ज वितरित कर रही थी

नई दिल्ली। चालाक चीन ने अपने देश की कंपनियों पर सरकार की नजर टेढ़ी होने पर भारत में कारोबार करने का दूसरा रास्ता तलाश लिया। अब वह दूसरे देशों की कंपनियां अपने कंट्रोल में लेकर देश में कारोबार चला रहा था, लेकिन खुलासा होते ही सरकार ने उस पर शिकंजा कस दिया। अब न सिर्फ इस कंपनी के 252 करोड़ रुपये जब्त किए जाएंगे, बल्कि इसका 10 गुना जुर्माना भी वसूला जाएगा। यह कंपनी भारत में अवैध तरीके से कर्ज वितरित कर रही थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया है कि चीनी व्यक्तियों के नियंत्रण वाली नॉर्वे की कंपनी की भारतीय इकाई से 252 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की जाएगी। यह आदेश कर्ज देने के अवैध तरीके से काम करने वाले मोबाइल ऐप कैशबीन के खिलाफ फेमा जांच के तहत दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि 7 अक्टूबर को पीसी फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (पीसीएफएस) के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत आदेश जारी किया गया था। जब्ती के साथ ही कंपनी पर 2,146 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना भी लगाया गया है। ईडी ने बताया कि पीसीएफएस नॉर्वे स्थित ओपेरा ग्रुप की सहायक कंपनी है। इसका नियंत्रण चीनी मालिकों के पास है। यह अपने मोबाइल ऐप कैशबीन के जरिये भारत में लोगों को पैसा उधार देने के कारोबार में शामिल है। जांच एजेंसी के अनुसार, पीसीएफएस ने अपने संबंधित विदेशी समूह की कंपनियों को सॉफ्टवेयर लाइसेंस और सेवाओं के आयात की आड़ में 429.30 करोड़ रुपये भेजे, जो फर्जी पाया गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2022 में पाया था कि पीसीएफएस कर्ज लेने वालों से 'गैर-पारदर्शी' तरीके से अत्याधिक ब्याज दर और अन्य शुल्क वसूल रही थी. साथ ही कर्ज लेने वालों से वसूली को लेकर आरबीआई और सीबीआई के प्रतीक चिन्ह का गलत रूप से उपयोग कर रही थी, जो निष्पक्ष व्यवहार संहिता का उल्लंघन है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत पर हमला...

उसने यह भी कहा कि पंजाब के अलावा अब जम्मू-कश्मीर, असम, मणिपुर और नागालैंड में भी स्वतंत्रता आंदोलनों को भड़काने की योजना बनाई जा रही है। इन राज्यों में भी आंदोलन शुरू कर भारत संघ को खंडित करने की धमकी दी गई है।

पन्नू ने केवल भारत के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करने की धमकी ही नहीं दी, बल्कि उसने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी समर्थन की अपील की। उसने चीनी सेना से कहा कि अरुणाचल प्रदेश को चीन का क्षेत्र मानते हुए इसे वापस लेने का समय आ गया है। पन्नू ने दावा किया कि चीन को भारत के खिलाफ अपने हितों की रक्षा के लिए कदम उठाना चाहिए। पन्नू ने यह भी कहा कि वह और उसका संगठन एसएफजे भारत के खिलाफ अपने खतरनाक एजेंडे को आगे बढ़ाते रहेंगे। वह अमेरिका और कनाडा के कानूनी सुरक्षा और संरक्षण में रहकर भारत को कमजोर करने की योजना बना रहा है। एसएफजे लंबे समय से पंजाब को भारत से अलग कर खालिस्तान नाम का एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने की मांग कर रहा है। इसके लिए एसएफजे ने एक अनौपचारिक वैश्विक जनमत संग्रह की पहल भी शुरू की है, जिसमें वह पंजाब को एक अलग देश बनाने के लिए समर्थन मांग रहा है। हालांकि, इस जनमत संग्रह को पंजाब के अंदर कोई समर्थन नहीं मिला। साफ है कि पंजाब के लोग खालिस्तान के विचार को खारिज कर चुके हैं, लेकिन पन्नू और उसके समर्थक इसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उछालने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत और कनाडा के बीच पिछले कुछ समय से रिश्तों में तनाव बना हुआ है, जिसका कारण कनाडा की धरती पर खालिस्तान समर्थक गतिविधियों का बढ़ना है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो के समय-समय पर खालिस्तानियों के प्रति नरम रुख अपनाने से भारत सरकार ने भी नाराजगी जताई थी। हालांकि, डेविड मॉरिसन के हालिया बयान से ऐसा लगता है कि कनाडा ने भारत की अखंडता का समर्थन किया है, जिससे खालिस्तान समर्थक गुटों में हलचल मच गई है।

गुरपतवंत सिंह पन्नू की धमकियों के बावजूद एक बात तो साफ है कि वह लगातार सिर्फ चर्चा में बने रहने के लिए बड़ी-बड़ी बातें करता रहता है। उसकी तरफ से इस तरह की धमकियां पहले भी आती रही हैं। हालांकि दिल्ली में वो पोस्टरबाजी करवाने जैसी हरकतों को अंजाम दे चुका है। बहरहाल, भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही पन्नू और उसके संगठन की गतिविधियों पर नजर रखे हुई हैं और उसकी धमकियों की गंभीरता से समीक्षा की जा रही है।

मां काली के...

अपनी बांग्लादेश यात्रा के दौरान, पीएम मोदी ने कहा था कि जेशोरेश्वरी मंदिर में भारत एक बहुउद्देशीय सामुदायिक हॉल का निर्माण कराएगा, जो स्थानीय लोगों के लिए सामाजिक, धार्मिक और शैक्षिक आयोजनों के लिए उपयोगी होगा और साथ ही, यह चक्रवात जैसी आपदाओं के समय सभी के लिए आश्रय का काम भी करेगा। 2021 में बांग्लादेश सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले ही जेशोरेश्वरी मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था। बांग्लादेश के लिए रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया था कि वे प्राचीन जेशोरेश्वरी काली मंदिर में देवी काली की पूजा करने के लिए काफी उत्साहित हैं।

समस्याओं का...

कि शांति और स्थिरता जल्द से जल्द बहाल होनी चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आ सकता। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करना जरूरी है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने कहा कि विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए भारत इस दिशा में अपना हर संभव योगदान देता रहेगा। उनकी यह बयान यूरेशिया में यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष और पश्चिम एशिया में इस्राइल-हमास युद्ध के बीच आया है। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसका सामना करने के लिए मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को मिलकर काम करना होगा।

उन्होंने संबोधन को शुरू करने पर सबसे पहले तूफान से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, सबसे पहले, मैं टाइफून यागी से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। इस कठिन समय में, हमने ऑपरेशन सद्भाव के माध्यम से मानवीय सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा, भारत ने हमेशा आसियान की एकता और केंद्रीयता का समर्थन किया है। आसियान भारत के इंडो-पैसिफिक विजन और क्वाड सहयोग के केंद्र में भी है। भारत की इंडो-पैसिफिक महासागरों की पहल और इंडो-पैसिफिक पर आसियान आउटलुक के बीच गहरी समानताएं हैं। एक स्वतंत्र, खुला, समावेशी, समृद्ध और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक पूरे क्षेत्र की शांति और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। दक्षिण चीन सागर की शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के हित में है।

पीएम मोदी ने कहा, हम म्यांमार की स्थिति पर आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। हम पांच सूत्री सहमति का भी समर्थन करते हैं। साथ ही, हमारा मानना है कि मानवीय सहायता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और लोकतंत्र की बहाली के लिए भी उचित कदम उठाए जाने चाहिए। हमारा मानना है कि इसके लिए म्यांमार को शामिल किया जाना चाहिए, अलग-थलग नहीं किया जाना चाहिए। पड़ोसी देश के रूप में भारत अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा।अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अलग से मुलाकात की। मोदी-ब्लिंकन मुलाकात को कापी अहम माना जा रहा है। हालांकि इस बैठक के बारे में विदेश मंत्रालय की ओर से अभी की विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज और क्वाड समूह के अन्य सदस्यों की मुलाकात और बैठक हुई थी।

वियेनतियान में ईस्ट एशिया सम्मलेन से इतर पीएम मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री पेतोनगतर्न शिनेवात्रा, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और लाओ पीडीआर के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफानदोन से भी द्विपक्षीय मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लाओस की राजधानी वियनतियाने में भारत-आसियान शिखर सम्मेलन में कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष और तनाव चल रहा है, ऐसे समय भारत और आसियान के बीच संवाद और सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता के लिए सम्मान का आह्वान किया। 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक पूरे होने के उपलक्ष्य में 10 सूत्री योजना की भी घोषणा की, जिसमें आसियान-भारत साइबर नीति वार्ता, 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के रूप में मनाना, नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्तियों की संख्या को दोगुना करना आदि शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी एशियाई सदी है, भारत और आसियान देशों की सदी है। हम पड़ोसी हैं, वैश्विक दक्षिण में भागीदार हैं और दुनिया में तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र हैं। हम शांतिप्रिय राष्ट्र हैं जो एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं।

सम्मेलन में भारत ने 10 सूत्री योजनाओं का ऐलान किया। साल 2025 को आसियान-भारत का पर्यटन वर्ष घोषित किया गया। भारत इसके लिए 50 लाख डॉलर देगा। युवा शिखर सम्मेलन, स्टार्ट-अप महोत्सव, हैकाथॉन, संगीत महोत्सव, आसियान-भारत थिंक टैंक नेटवर्क और दिल्ली वार्ता सहित कई जन-केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का जश्न मनाया जाएगा। आसियान-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास निधि के तहत आसियान-भारत महिला वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन होगा। नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति की संख्या दोगुनी की जाएगी और भारत में कृषि विश्वविद्यालयों में आसियान छात्रों के लिए नई छात्रवृत्ति का प्रावधान किया जाएगा। 2025 तक आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा करेगा। आपदा से निपटने के इंतजाम बढ़ाए जाएंगे जिसके लिए भारत 50 लाख डॉलर उपलब्ध कराएगा। स्वास्थ्य ढांचे के निर्माण की दिशा में स्वास्थ्य मंत्रियों के एक नए ट्रैक की शुरुआत होगी। डिजिटल और साइबर ढांचे को मजबूत करने की दिशा में आसियान-भारत साइबर नीति वार्ता का एक नियमित तंत्र शुरू करेगा। ग्रीन हाइड्रोजन पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जलवायु सुरक्षा की दिशा में मां के लिए एक पेड़ लगाओ अभियान में शामिल होने के लिए आसियान नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा।आसियान के 10 सदस्य देशों में इंडोनेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, म्यांमार, कंबोडिया, ब्रुनेई और लाओस शामिल हैं। म्यांमार में गृहयुद्ध और दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय तनाव के बीच एकत्र हुए। म्यांमार ने विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव आंग क्याव मो को शिखर सम्मेलन में भेजा, जो तीन वर्षों में शिखर सम्मेलन में उनके पहले उच्च-स्तरीय प्रतिनिधि हैं, जब आसियान ने 2021 के अंत में इसे राजनीतिक प्रतिनिधि भेजने से रोक दिया था।

सरकार पर 10...

पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर उग्रवाद को 200 गज गहराई में दफना दिया है। जब पीएम मोदी ने कार्यभार संभाला था तो एक नीतिगत निष्क्रियता थी, जिसे बहुत ही कम समय में निर्णायक कार्रवाई के साथ खत्म कर दिया गया। पीएम मोदी ने इसकी जगह प्रदर्शन की नीति ला दी।

अमित शाह ने कहा कि दस साल में दुनिया का सबसे लंबा टनल हाईवे भारत में बना। दुनिया का सबसे ऊंचा ब्रिज भारत में है, कोलकाता की अंडर वॉटर मेट्रो है। ये सबकुछ दस साल के अंदर हुआ है। हमने सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट प्रणाली बनाई। दुनिया के कई देश इसे अपना रहे हैं। अनाज सुरक्षा से लेकर स्वास्थ्य सुरक्षा तक हमने सभी आयामों पर काम किया है। विजन, अनुभव और प्रतिबद्धता तीनों के साथ मिलने वाला व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री हो तो बहुत फायदा होता है।

अमित शाह ने कहा कि भारत को एक समय कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था, लेकिन मोदी सरकार ने देश को उस स्थिति से बाहर निकाला और अब आईएमएफ इसे उज्ज्वल जगह कहता है। अगस्त 2013 में मॉर्गन स्टेनली के एक वित्तीय विश्लेषक की ओर से कमजोर पांच अवधारणा का उपयोग उभरते बाजार देशों का वर्णन करने के लिए किया गया था, जो अपनी विकास आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जोखिम भरे विदेशी निवेश पर अत्यधिक निर्भर हो गए। इसमें इंडोनेशिया, ब्राजील, तुर्किये, भारत और दक्षिण अफ्रीका को शामिल किया गया था। गृह मंत्री ने कहा कि 10 साल पहले भारत दोहरे अंक की मुद्रास्फीति वाला देश था, लेकिन अब यह दहाई अंक की विकास दर वाला देश बन गया है।पिछले 10 वर्षों में हाशिये पर पड़े वर्गों के लिए शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रही है, पांच करोड़ लोगों को मुफ्त आवास दिए गए हैं। 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया है, 11 करोड़ लोगों को मुफ्त बिजली कनेक्शन और 15 करोड़ लोगों को पीने योग्य पानी दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत 50 करोड़ लोगों का बाजार है, जबकि शेष 80 करोड़ लोग अपनी रोजी-रोटी कमाने में व्यस्त हैं और उनकी क्रय शक्ति नहीं है। हालांकि, मोदी सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराकर उनकी इन समस्याओं को खत्म कर दिया है और भारत अब 130 करोड़ लोगों का बाजार है।अमित शाह ने कहा, अगले 25 वर्षों में भारत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे सभी क्षेत्रों में वैश्विक लीडर बन जाएगा और मोदी सरकार इस दिशा में ईमानदारी से काम कर रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ती स्टार्टअप अर्थव्यवस्था बना है।

निगरानी वाले ...

सबसे तेज गिरावट मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्रों (85 फीसदी) में दर्ज की गई है। इसके बाद स्थलीय पारिस्थितिक तंत्रों (69 फीसदी) और फिर समुद्री पारिस्थितिक तंत्रों (56 फीसदी) का नंबर है। रिपोर्ट के मुताबिक,दुनिया भर में खासतौर पर खाद्य प्रणालियों से संचालित आवास की हानि और कमी वन्यजीव आबादी के लिए सबसे आम खतरा है। इसके बाद अतिशोषण, आक्रामक प्रजातियां और बीमारी हैं।भारत में कुछ वन्यजीव आबादी स्थिर हो गई है और इसमे सुधार दिखा है। यह काफी हद तक सक्रिय सरकारी पहल, प्रभावी आवास प्रबंधन, मजबूत वैज्ञानिक निगरानी और सामुदायिक जुड़ाव के साथ-साथ सार्वजनिक समर्थन की वजह से है। भारत दुनिया में बाघों की सबसे बड़ी आबादी का घर है। 2022 की गणना में कम से कम 3,682 बाघ दर्ज किए गए, जो 2018 में 2,967 बाघों की संख्या से बढ़ गई है। इसके अलावा, भारत में पहले हिम तेंदुओं जनसंख्या आकलन में लगभग 718 हिम तेंदुओं पाए गए। यह उनके रहने वाले 70 फीसदी क्षेत्र में हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण का नुकसान और जलवायु परिवर्तन मिलकर स्थानीय और क्षेत्रीय पारिस्थितिक तंत्रों में महत्वपूर्ण परेशानियों तक पहुंचने की संभावना को बढ़ाते हैं। जब यह पार हो जाता है,तो पर्यावरण में बदलाव स्थायी हो जाते हैं और उन्हें पलटा नहीं जा सकता। उदाहरण के लिए, चेन्नई में तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार की वजह से इसके आर्द्रभूमि क्षेत्र में 85 फीसदी की कमी आई है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के मुताबिक, इन आर्द्रभूमियों की वजह से जल प्रतिधारण, भूजल पुनर्भरण और बाढ़ नियंत्रण में भारी कमी आई

किसी महिला ...

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि यह दोनों ही शर्तें इस मामले में पूरी नहीं होती थी। ऐसे में कोर्ट ने इसे धारा 509 के तहत अपराध मानने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि महिला को बाकी लोगों से वेश्या बताना दूसरी धाराओं के अंतर्गत अपराध भले ही माना जा सकता हो। लेकिन यह धारा 509 के तहत अपराध नहीं है। कोर्ट ने कहा, यहां अपराध होने के लिए जरूरी पहली शर्त है कि महिला को आरोपी ने सीधे तौर पर वेश्या कहा हो। महिला का आरोप है कि आरोपी ने फ्लैट के निवासियों और पास के दुकानदारों से ऐसा कहा था।

हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी 2021 में केरल के कोच्चि में दर्ज किए गए एक मामले में सुनवाई करते हुए की है। यहां एर्नाकुलम इलाके की एक सोसायटी में रहने वाली एक महिला समीरा ने इसी सोसायटी में रहने वाले राहुल जॉर्ज, एनसन आइजे और द्विन कुरुविल्ला पर आरोप लगाया था कि इन तीनों ने सोसायटी और आसपास के इलाके में महिला के विषय में अपशब्द बोले। महिला का आरोप था कि इन तीनों ने आसपास के लोगों से उसे वेश्या बताया। इसी को लेकर उसने शिकायत दर्ज करवाई थी। महिला की शिकायत के आधार पर तीनों के विरुद्ध धारा 509 (किसी महिला की लज्जा भंग करने के लिए अपशब्द कहना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद आरोपियों ने यह एफआईआर रद्द करवाने के लिए केरल हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। केरल हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए इसे याचिकाकर्ताओं की दलीलों को सही माना और उनके खिलाफ की जा रही कार्रवाई को रद्द कर दियाै।

असम राइफल्स...

इस हिंदू मंदिर का रखरखाव करता आया है। इस हरि मंदिर में दुर्गा पूजा, दिवाली और जन्माष्टमी जैसे त्यौहार भी मनाए जाते हैं और यह शादियों और कीर्तन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का केंद्र भी है।

30 सितंबर 2024 को मिजोरम गोरखा मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष ने आइजोल स्थित द्वितीय असम राइफल्स के कमांडेंट को पत्र लिखकर हरि मंदिर के भविष्य के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की थी। अपने पत्र में मनकुमार जैशी ने लिखा, हरी मंदिर असम राइफल्स के सुरक्षाकर्मियों के परिवारों और वंशजों लिए गहरा भावनात्मक महत्व रखता है, उन्होंने हमारे देश की सेवा की है। ये पवित्र भूमि हमारे देश की अखंडता की रक्षा के लिए उनके बलिदान, समर्पण और अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, यह हमारी विनम्र अपील है कि इस मंदिर को संरक्षित किया जाए और असम राइफल्स के सैनिकों के वंशजों के साथ-साथ बाकी हिंदू समुदाय को भी इसमें पूजा-अर्चना दी जाए। मंदिर को लेकर यह चिंता असम राइफल्स के अपने बेस को हटा कर शहर से बाहर ले जाने के कारण उठी है।

असम राइफल्स बटालियन को आइजोल शहर के बीच से 15 किलोमीटर पूर्व में ज़ोखावसांग में एक जगह पर ले जाने के लिए 2023 से ही बातचीत हो रही है। मिजोरम सरकार ने इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क किया था कि असम राइफल्स को एक नए स्थान पर भेजा जाए। कहा गया है कि असम राइफल्स को यहां से हटा कर दूसरी जगह भेजने के लिए केंद्र और मिजोरम के बीच एक समझौता (एमओयू) को मंजूरी दी जानी थी। अभी एमओयू को लेकर क्या स्थिति, यह नहीं पता है। हालांकि, यह साफ़ है कि गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद मिजोरम सरकार आइजोल के असम राइफल्स परिसर को अपने अधीन ले लेगी। चूंकि यह ऐतिहासिक हरि मंदिर असम राइफल्स के परिसर में स्थित है, इसलिए स्थानीय हिंदुओं को डर है कि मंदिर को चलाने, प्रशासन और रखरखाव की जिम्मेदारी भी मिजोरम सरकार के हाथों में आगे चली जाएगी।

मिजोरम गोरखा मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष मनकुमार जैशी ने असम राइफल्स के कमांडेंट से आग्रह किया है कि वे इस मामले को राज्य सरकार के सामने उठाएं और मंदिर का संचालन गोरखा हिंदुओं को दिलवाएं। सितंबर 2024 में लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा, हम आपसे हरि मंदिर को आइजोल के स्थानीय गोरखा समुदाय को देने पर विचार करने की मांग करते हैं ताकि हमें अपनी धार्मिक जरूरतों के लिए एक जगह बची रहे। मनकुमार जैशी ने अपने पत्र में कहा कि जिस तरह असम राइफल्स का चर्च, स्थानीय चर्च को दिया गया है, उसी तरह मंदिर को भी स्थानीय हिंदुओं के हाथ में दिया जाए। मिजोरम गोरखा मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष ने इन चिंताओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि मिजोरम सरकार कैंटीन स्क्वायर क्षेत्र का विस्तार करने और सड़कों को चौड़ा करने पर विचार कर रही है। इसके दायरे में मंदिर आने से स्थानीय हिंदुओं के सांस्कृतिक केंद्र असम राइफल्स हरि मंदिर का भविष्य अब खतरे में है।इस मंदिर को बचाने की मांग अब सोशल मीडिया पर चल रही है। एक एक्स यूजर ने लिखा, मंदिर महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र हैं। असम राइफल्स के मंदिर को हटाने से हमारे समुदाय की पहचान ही खत्म हो जाएगी। एक अन्य यूजर ने लिखा, हम आगे की पीढ़ियों के लिए असम राइफल्स मंदिर को बचाने में एकजुट हैं। आइए इसको बचाने के लिए अपनी आवाज उठाएं। एक और यूजर ने लिखा असम राइफल्स मंदिर दशकों से शांति और प्रार्थना का स्थल रहा है। जो मंदिर इतने सारे लोगों के लिए इतना मायने रखता है, उसे क्यों नष्ट किया जाए?

2001 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, मिजोरम ईसाइयों की आबादी 7.7 लाख है जबकि इसकी तुलना में केवल 31,562 हिंदू यहां रहते हैं। राज्य के हिंदुओं में मुख्य रूप से गोरखा और ब्रू रेहंग शामिल हैं। ब्रू रेहंग को 1997 में मिज़ो लोगों के अत्याचार का सामना करना पड़ा था। ब्रू रहंग इस कारण भाग कर त्रिपुरा चले गए थे। 2018 में त्रिपुरा और मिजोरम के बीच हुए एक समझौते के बाद ही ब्रू आबादी यहां लौट पाई थी। मिजोरम के भीतर मंदिर पर हमले के भी कई मामले सामने आए हैं। आइजोल के असम राइफल्स हरि मंदिर के बाहर एक बड़ी प्लेट मिली, जिसमें लिखा है कि इस मंदिर को उपद्रवियों ने नष्ट कर दिया था। इस मंदिर का दोबारा से निर्माण करवाया गया था। आज जैसा यह मंदिर दिखता है, उसका निर्माण ब्रिगेडियर श्री राम सिंह द्वारा करवाया गया था और अगस्त 1993 में असम राइफल्स की पहली बटालियन के कमांडेंट द्वारा इसका उद्घाटन किया गया था।मिजोरम में हिंदू प्रथाओं के खिलाफ हमेशा ही एक शत्रुता की भावना बनी रही है। अगर किसी प्रमुख नेता को हिंदुओं से जुड़ा हुआ देखा जाता है, तो उसे बदनाम किया जाता है। 2011 में, मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) ने कोलकाता में दुर्गा पूजा और दशहरा के हिंदू त्यौहारों में भाग लेने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री लाल थनहवला पर हमला किया था। एमएनएफ के उपाध्यक्ष आर त्लांगमिंगथांगा ने कहा था, हम लाल थनहवला के समारोह में भाग लेने की कड़ी निंदा करते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 12 अक्टूबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री जेष्ठायणी माता का भव्य जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिखवाल ब्राहमण समाज में भारद्वाज गौत्र के तुंकार तिवाड़ी, नागला तिवारी, पिपाड़ा पांडिया, लिलरिया व्यास परिवारों की कुलदेवी मां श्री जेष्ठायणी (पांडूका) माता का भव्य जागरण ऋषी श्रृंग भवन फीलखाना में संपन्न हुआ श्र माता की आरती के पश्चात प्रमुख भजन गायक श्याम तिवारी एवं पार्टी द्वारा मधुर वाणी में भक्तों को माताजी के भजनों का रसपान करवा माता के भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया श्र कार्यक्रम में भारद्वाज गौत्र के अलावा भी भारी संख्या में समाजबंधु उपस्थित थे। भजन गंगा में समाज बंधुओं ने नृत्य करते हुए भजनों को भरपुर आनंद लिया। इसी क्रम में महिलाओं तथा युवाओं ने भी माताजी की चौकी के आगे गरबा करते हुए माता की भक्ति की श्र रात 1 बजे आरती

के पश्चात फलाहारी प्रसाद का वितरण किया गया श्र इस बार का कार्यक्रम युवाओं के सुपुर्द किया गया था जिसका बखूबी निर्वाह करते हुए युवाओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में जी-जान से मेहनत की जो कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक रही श्र समिति के वरिष्ठ सेवी रामदेव नागला ने कहा की हमें गर्व हैं की युवा पीढ़ी आगे आकार अपनी भागीधारी निभाने के लिए जिस तरह से आतुर थी, जिससे कार्यक्रम की भव्यता और बढ़ गयी श्र जागरण रात्रि 2 बजे तक चला। प्रातः प्रसादी एवं कन्या पूजन में मातृशक्ति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रसादी कार्यक्रम दोपहर 3 बजे तक चला जिसमें सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद पाया श्र उत्सव समिति ने सभी पधारे हुए भक्तों तथा आयोजकों प्रयाजकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया ।

52वें रामायण मेला में रावण दहन आज, तैयारियों का लिया जायजा

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं एग्जिबिशन समिति द्वारा दशहरा सम्मेलन समिति द्वारा शनिवार को होने वाले रावण दहन की तैयारी नुमाइश मैदान में जोर-शोर से चल रही हैं। मेला प्रधान संयोजक गोविंद राठी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति अनुसार आज नुमाइश मैदान में रावण दहन की तैयारी का जायजा लेते हुए मेला प्रधान संयोजक गोविंद राठी ,गिरधारी लाल डागा ,सुमित राठी एवं मनोज जायसवाल। इसी कड़ी में गोविंद राठी ने कहा कि 12 अक्टूबर को रावण दहन का कार्यक्रम होगा जिसके मुख्य अतिथि हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय तथा विशेष अतिथि नगर पुलिस कमिश्नर सी वी आनंद व ब्रिज गोपाल भूतड़ा होंगे। सभी भक्त इस कार्यक्रम में सादर आमंत्रित हैं।

प्रज्ञा गौशाला में एक शाम माताजी के नाम विशाल जागरण आज

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुकटपल्ली प्रगतिनगर स्थित प्रज्ञा गौशाला में एक शाम माताजी के नाम विशाल जागरण आयोजन किया जा रहा है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में राजेश परिहार ने बताया हर वर्ष की भांति इस वर्ष 12 अक्टूबर शनिवार को रात्रि 9.15 से भजन प्रस्तुत किए जाएंगे।

भजन कलाकार संदीप सेजू दुदौड़, गौतम प्रजापत एण्ड पार्टी राजस्थान से, आयोजक निजामपेट मार्केट मारवाड़ी एसोसिएशन द्वारा जागरण एवं महाप्रसादी रखी गई है। सभी सर्व समाज बंधुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर भजनों का लाभ लें।

गौमाता की नित्य करें सेवा : स्वामी देवचरणदास

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद स्थित स्वामीनारायण मंदिर में विराजित देवभूमि गुजरात के कच्छ से पधारे शास्त्री स्वामी देवचरणदासजी आदि संतो से भेटकर लव फॉर काऊ फाउण्डेशन के द्वारा किए जा रहे जीवदया कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस बाबत प्रेस को जारी विज्ञप्ति में लव फॉर काऊ फाउण्डेशन की ट्रस्टी रंजना शाह ने बताया कि लव फोर काऊ फाउण्डेशन चेरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, बीजेपी नेता सतीष जाजु, देवुभाई पाटडिया आदि ने स्वामीनारायण मंदिर भुज से पधारे गौसेवक शास्त्री स्वामी देवचरणदासजी, गवैय्या स्वामी श्रीजीनंदनदासजी, शास्त्री स्वामी कृष्णवल्लभदासजी, पुराणी स्वामी दिव्यमुनिदासजी, स्वामी सत्यजीवनदासजी, गवैया स्वामी व्रजविहारीदासजी का सिकंदराबाद स्थित स्वामीनारायण मंदिर मे स्मृति चिन्ह, शॉल, माला द्वारा स्वागत किया गया।

अवसर पर जसमत पटेल ने शास्त्री स्वामी देवचरणदासजी से कहा कि नगरद्वय के आसपास चल रही विभिन्न गौशालाओ को हो रही आर्थिक कठिनाइयों के समाधान अंतर्गत लव फोर काऊ फाण्डेशन एवं गोवत्स फाउण्डेशन द्वारा गौमाता के लिए प्रतिदिन एक रूपये दान कार्यक्रम का शुभारंभ 10 वर्ष पूर्व किया गया था। उन्होने आगे कहा कि संस्था प्रचार के माध्यम से सभी गौभक्तो से गौमाता की सेवार्थ हेतु अपने जन्मदिन, बच्चो के जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, पितरों की पुण्य दिवस आदि किसी भी प्रसंग पर गौमाता के लिए दान देकर जीवन को धन्य बनाएं। फाउण्डेशन के माध्यम से गौ दुग्ध पीने के लिए प्रेरीत किया जाता है। रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य गौमाता को राष्ट्रमाता के पद पर सुशोभित कराने, गौमाता के सम्मान की लडाई लडने, नगरद्वय के आस पास चल रही विभिन्न गौशालाओ को हो रही आर्थिक कठीनाईया के समाधान, अन्य उद्देश्यों की पूर्ति हेतु है। उन्होंने संतो से नगरद्वय की विभिन्न गौशालाओ मे से दो प्रमुख गौशालाओ गगन पहाड स्थित सत्यम शिवम सुंदरम गौशाला, जियागुडा स्थित समर्थ कामधेनु गौशाला का अवलोकन करने का निवेदन किया। स्वामी देवचरणदासजी ने कहा कि उन्होने कच्छ के 1000 गांवो मे से 690 गांवो का दौरा कर गौशालाओ, किसान बंधुओ से भेट कर गौवंश संरक्षण आदि की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होने कहा कि गांव मे लोग अब गौवंश को रखना ही नहीं चाहते उसका मुख्य कारण नई खेती पद्धति, किसान के बच्चो का नौकरी के लिए गांव से बाहर जाना आदि कई मुद्दे है। उनके प्रयासो से 3000 किसान बंधुओ ने अपने घर मे गौवंश रखना प्रारंभ कर दिया है। उनके इससे होने वाले लाभ भी काफी आकर्षित कर रहा है।

स्वामी देवचरणदासजी ने लव फॉर काऊ फाउण्डेशन द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की तथा उनके द्वारा चलाये जा रही योजना की सफलता के लिए शुभकामनाये दी। उन्होने आगे कहा कि वह अपने शिविरो व प्रवचनों के माध्यम से सभी धर्मानुरागीयों से गौमाता के लिए प्रतिदिन एक रूपया दान अवश्य निकालने की प्रेरणा देंगे। स्वामी देवचरणदास ने सभी से प्रतिदिन अपने धार्मिक कार्यक्रमो मे नित्य गौमाता की सेवा करने का आह्वान करने का आश्वासन दिया। देवचरण स्वामीजी ने जियागुडा गौशाला का अवलोकन किया तथा उन्होने प्रबंधक प्रभुदत्ता महाराज को गौसंरक्षण, गौउत्पादो आदि पर विस्तृत चर्चा की। प्रभुदत्ता महाराज ने पधारे संतो को गौशाला से संबंधीत विस्तृत जानकारी दी एवं उनका अभिनंदन किया। अवसर पर जीसीसीआई हैदरावाद संयोजक डॉ. जिग्नेश गोकानी उपस्थित थे।

जीएसएम शताब्दी नवरात्रि उत्सव एवं अष्टमी हवन सम्पन्न

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद जीरा स्थित गुजराती स्कूल प्रांगण में श्री गुजराती सेवा मंडल द्वारा जीएसएम शताब्दी नवरात्रि महोत्सव भव्यता एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में श्री गुजराती सेवा मंडल के अध्यक्ष घनश्यामभाई पटेल व मानद् सचिव जनकभाई ब्रह्मभट्ट ने बताया कि जीएसएम मे शताब्दी

नवरात्रि महोत्सव के तहत अष्टमी के अवसर पर शुक्रवार को हवन का विशेष आयोजन हुआ। अष्टमी के मुख्य यजमान एवं ब्राह्मण को स्टील ग्लास के दाता दीपककान्त व्यास, कृति व्यास, खुशी व्यास, जयदीप व्यास हैदराबाद समस्त व्यास परिवार थे। वहीं समाज की कुंवारी करीब 200 कन्याओ मे लाभार्थी कौशीक भाई पटेल (श्रीनाथ एन्टरप्राईज) की ओर से चांदी की गौमाता की प्रतिमा भेट की गई। हवन लाभार्थी एवं चांदी की गौमाता लाभार्थी का लव फॉर काऊ फांडेशन चेरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, स्वामी कमलेश महाराज द्वारा स्मृति चिन्ह भेटकर अभिनंदन किया गया।

अवसर पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेरमेन जसमत पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार, अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय महासचीव स्वामी कमलेश महाराज ने विशेष रूप से भाग लिया। नवरात्री उत्सव मे ट्रस्ट बोर्ड सचीव जसभाई पटेल, अध्यक्ष घनश्याम पटेल, मंत्री जनक ब्रह्मभट्ट, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र कोटक, सहमंत्री विषणु पटेल, अशित कडाकिया, दिनेश पटेल (लालगुरू), तरूण महेता, हरीश दवे, दिनेश पटेल (निलकंठ), अजय ओझा, कौशीक पटेल, जितेश जानी, हरेश गढिया आदि सदस्य उपस्थित थे।

जनक ब्रह्मभट्ट ने नवरात्री उत्सव के सभी सहयोगीयों, दान दाताओ, पुलिस विभाग, प्रशासन तन, मन, धन से सहयोग करने वालो का इस अवसर पर आभार प्रकट किया। शनिवार को दोपहर 11.30 बजे से ब्रह्म भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। हैदराबाद-सिकंदराबाद मे रहने वाले समस्त गुजराती ब्रह्म समाज, गुजराती साधु व संत समाज तथा नवरात्री उत्सव के सहयोगी दाताओ को सपरिवार ब्रह्मभोजन मे पधारने का निवेदन किया गया है।

राधे राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान जारी

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद कै सौजन्य से जारी नियमित अन्नदान सेवा में शुक्रवार को पब्लिक गार्डन नामपल्ली पर अन्नदान किया गया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शारदीय नवरात्रि के नवम दिवस पर यह कार्यक्रम किया गया।

उक्त कार्यक्रम के विशेष सहयोगी हरचंद्रजी कौशल्यादेवी अग्रवाल परिवार एवं नानक हनुथरम झंवर परिवार रहे। राधे राधे ग्रुप के संयोजन में यह पुण्य कार्य किया जा रहा है जिसमें जरूरतमंद लोगों को नाश्ता करवाया जाता है। राधे राधे ग्रुप द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देता है। अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, रमेश झंवर, सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुशील गुप्ता, संजय अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नयन संघी आदि उपस्थित थे।

प्रो. बीएस प्रसाद ने शुक्रवार को राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग (एनसीआईएसएम) के आयुर्वेद बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच) हैदराबाद का दौरा किया।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28°
न्यूनतम : 23°

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,381.36
−230.05 (0.28%) ↓
एनएसई :24,964.25
-34.20 (-0.14%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,330/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 93,490/- (प्रति किलोग्राम)

चेन्नई के पास मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त

ट्रेन के 6 डिब्बे पटरी से उतरे, आग लगी, कई लोगों के घायल होने की खबर

हैदराबाद/चेन्नई, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मैसूर से दरभंगा जा रही बागमती एक्सप्रेस (12578) तमिलनाडु के कावरापेट्टई स्टेशन के पास मालगाड़ी से टकरा गई। इस हादसे में कई लोगों के घायल होने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस चेन्नई डिवीजन के कवरापेट्टई रेलवे स्टेशन के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई। न्यूज एजेंसियां के मुताबिक, कवराईपेट्टई रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी खड़ी हुई थी, तभी पैसेंजर ट्रेन जाकर टकरा गई। एक्सप्रेस के 6 कोच डिरेल हुए हैं, उनमें आग लगी है।

है। फिलहाल तमिलनाडु पुलिस और एबुंलेंस की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। रेलवे पुलिस के मुताबिक इस हादसे के बाद बागमती एक्सप्रेस के कम से कम दो कोच पटरी से उतर गए हैं, फिलहाल मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। 12578 मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस रात

8:27 बजे पोननेरी स्टेशन के बाद लगभग 109 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी। कवारापेट्टई होम सिग्नल पर आगे बढ़ने के लिए हरी झंडी दी गई।

ट्रेन के कर्मचारियों ने तेज झटका महसूस किया, लूप लाइन में प्रवेश किया। इसके बाद एक रुकी हुई मालगाड़ी से टकरा गई। दक्षिण रेलवे के मुताबिक ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतर गए, दो में आग लग गई। हालांकि तिरुवल्लूर जिला कलेक्टर प्रभु शंकर का कहना है कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

रेलवे के सूत्रों के मुताबिक सभी यात्रियों को चेन्नई से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत उनके शहर तक भेजने की व्यवस्था की जा रही है। वहीं, रेलवे ने इस घटना पर हेल्पलाइन नंबर भी जारी कर दिए हैं। समस्तीपुर के लिए हेल्पलाइन नंबर - 06274-8102918840, दरभंगा के लिए हेल्पलाइन नंबर-06272-8210335395, दानापुर के लिए हेल्पलाइन नंबर-9031069105 और दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के लिए हेल्पलाइन नंबर 7525039558 है। हेल्पलाइन नंबर चेन्नई डिवीजन 044-25354151, 044-25330952, 044-25330953, 044-25354995, गुडूर: 08624 250795, ओंगोल 08592 280306, विजयवाड़ा 0866 2571244, नेल्लोर 0861 2345863, एलुरु 7569305268, ताडेपल्लीगुडेम 8818226162, रेनिगुंटा हेल्पडेस्क नंबर मोबाइल 7815915627, बीएसएनएल 9493548008।

कुछ ट्रेनों के मार्ग में किया गया परिवर्तन

ट्रेन नंबर 13351 धनबाद-अलाप्पुझा एक्सप्रेस को नायडु पेट्टा, सुल्लुरुपेटा, चेन्नई सेंट्रल और अराक्कोनम में रोककर रेनिगुंटा-मेलपक्कम-काटपाडी के रास्ते डायवर्ट किया गया है। जबकि ट्रेन नंबर 02122 जबलपुर-मदुरै को चेन्नई एग्मोर और तांबरम में स्टॉपेज छोड़कर रेनिगुंटा-मेलपक्कम-चेंगलपट्टू के रास्ते डायवर्ट किया गया है।

TIBCON CAPACITORS
It's all about SAVING ENERGY AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

भ्रष्टाचार की इमारत सील करने पर बौखलाए अखिलेश यादव

जेपी जयंती के नाम पर दे रहे लोगों को धोखा

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के कार्यकाल में बनाई गई भ्रष्टाचार की इमारत जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) को सील कर दिए जाने से तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बौखला उठे हैं। महापुरुषों के नाम पर आम लोगों को धोखा देकर खड़ी की गई आलीशान इमारत को अखिलेश यादव और उनके हुड़दंग समर्थकों ने जबरन खुलवाने की कोशिश की। यह कोशिश भी जयप्रकाश नारायण की जयंती के नाम पर की गई। सपाइयों ने पुलिस के साथ खूब गुत्थम-गुत्था किया, लेकिन हुड़दंगियों का जोर नहीं चला।अखिलेश यादव आज जयप्रकाश नारायण की जयंती के नाम पर गोमती नगर स्थित जेप-ीएनआईसी पर बवाल खड़ा करने की तैयारी में थे। हुड़दंगी सपाइयों का हुजूम इमारत में घुसने की कोशिश करने लगा, लेकिन प्रशासन ने पहले ही पूरी इमारत सील कर दी थी। बौखलाए अखिलेश यादव ने कहा कि जयप्रकाश नारायण की जयंती के दिन सपा कार्यकर्ता उनके म्यूजियम में जयंती मनाते हैं, लेकिन हमें दो बार से माल्यार्पण करने से रोका जा रहा है। विरोध प्रदर्शन के बीच पुलिस अधिकारी अखिलेश यादव से बात करने के लिए उनके निजी आवास के अंदर गए। इसके बाद अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह सरकार इस सेंटर को बेचना चाहती है। उन्होंने कहा कि ये बैरिकेडिंग सपा के कार्यकर्ताओं को रोक नहीं पाएगी। पुलिस कब तक यहां रहेगी। जब पुलिस वहां से हटेगी तब हम वहां माल्यार्पण करेंगे।

अब जम्मू कश्मीर में पंचायत चुनावों की तैयारी शुरू

जम्मू, 11 अक्टूबर (ब्यूरो)। राज्य चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर में पंचायत चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव होने के कुछ दिनों बाद हुआ है। केंद्र शासित प्रदेश में नेकां-कांग्रेस गठबंधन सरकार बनाने जा रहा है।राज्य चुनाव आयोग ने जिला विकास आयुक्तों को अंतिम पंचायत चुनाव 2024 की साफ्ट कापी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। राज्य चुनाव आयोग ने जिला विकास आयुक्तों को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने कहा है कि मुझे आपसे अनुरोध करने का निर्देश दिया गया है कि कृपया राज्य चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए अंतिम पंचायत मतदाता सूची 2024 की साफ्ट कापी उपलब्ध कराएं।

जम्मू कश्मीर में इन चुनावों को कराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, इसलिए इस साल के अंत से पहले पंचायत चुनाव होने की संभावना है।

शुक्र है, जम्मू संभाग को भी प्रतिनिधित्व मिलेगा सरकार में

जम्मू, 11 अक्टूबर (ब्यूरो)। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने चार स्वतंत्र उम्मीदवारों के समर्थन की बदौलत जम्मू क्षेत्र से प्रतिनिधित्व हासिल कर लिया है। इंदरवाल से प्यारे लाल शर्मा, छंब से सतीश शर्मा, सुरनकोट से चौधरी मोहम्मद अकरम और बनी से डा रामेश्वर सिंह सभी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) को अपना समर्थन देने का वादा किया है। यही नहीं डोडा से आप विधायक मेहराज मलिक भी नेकां को समर्थन देने को तैयार हो गए हैं।

यह घटनाक्रम नेकां सरकार में जम्मू संभाग के प्रतिनिधित्व को लेकर चिंताओं को दूर करता है, क्योंकि जम्मू संभाग में 43 में से 29 सीटें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीती थीं। उल्लेखनीय है कि डा रामेश्वर सिंह ने कठुआ जिले के बनी से भाजपा के जीवन लाल को 18,672 मतों के महत्वपूर्ण अंतर से हराया। समर्थन करने वाले चार विधायकों में प्यारे लाल शर्मा नेकां के बागी हैं, जिन्होंने नेकां और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे के समझौते के बावजूद निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। कांग्रेस के बागी सतीश शर्मा दिवंगत कांग्रेस नेता मदन लाल शर्मा के बेटे हैं। एक दिग्गज कांग्रेस नेता के बेटे चौधरी मोहम्मद अकरम चुनाव से पहले नेकां में शामिल हुए और कांग्रेस उम्मीदवार को 8,000 से अधिक मतों से हराया।इस समर्थन के साथ, नेकां के नेतृत्व वाली सरकार ने विधानसभा में अपनी उपस्थिति मजबूत की है, जिससे जम्मू क्षेत्र से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हुआ है। इस कदम को रणनीतिक माना जा रहा है, जो क्षेत्रीय संतुलन को संबोधित करता है और सरकार के रुख को मजबूत करता है।

श्रद्धांजलि / प्रार्थना

दुनिया बदलती है साल दर साल, हमारा जीवन दिन ब दिन, पर आपका प्यार एवं यादें, हमेंशा साथ रहेंगी

शशिरेखा बी. महेता
धर्मपत्नी: स्व. बालक्रिष्ण भोगीलाल महेता

प्रार्थना सभा कल रविवार 13-10-2024 सायं 4 से 5 बजे तक, कच्छी भवन, क्षमापना हॉल, ईडनबाग, रामकोट हैदराबाद मे रहेगी।

सन्नविष्टकर्ता : महेता परिवार
Contact No. 96522 68261 / 73372 36363

उमर अब्दुल्ला ने सरकार बनाने का दावा पेश किया

श्रीनगर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में सरकार बनाने को लेकर उमर अब्दुल्ला ने दावा पेश कर दिया है। उन्होंने शुक्रवार को राजभवन जाकर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि 13 अक्टूबर को शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात के बाद जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा, मैंने एलजी से मुलाकात की और कांग्रेस, सीपीएम, आप और निर्दलियों से मिले समर्थन पत्र सौंपे। मैंने उनसे शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय करने का अनुरोध किया ताकि सरकार काम करना शुरू कर सके। यह एक लंबी प्रक्रिया होगी क्योंकि यहां केंद्र का शासन है। एलजी पहले राष्ट्रपति भवन और फिर गृह मंत्रालय को दस्तावेज भेजेंगे। हमें बताया गया है कि इसमें 2-3 दिन लगेंगे। इसलिए अगर यह मंगलवार से पहले होता है, तो हम बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह करेंगे। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इस सरकार में जम्मू की अनदेखी नहीं की जाएगी।नेशनल कॉन्फ्रेंस को निर्दलीय विधायकों के बाद अब आम आदमी पार्टी का भी समर्थन मिल गया है। आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को अपना समर्थन पत्र उपराज्यपाल को सौंप दिया। डोडा में आम आदमी पार्टी के मेहराज मलिक ने जीत दर्ज की है। नेशनल कॉन्फ्रेंस को पांच निर्दलीय विधायकों ने भी समर्थन देने की घोषणा कर दी है।

जिडीमेटला में रावण दहन आज

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिडीमेटला स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर एवं गौशाला एचएमटी ग्राउंड जिडीमेटला पुलिस स्टेशन के सामने रोड़ के सामने रावण दहन किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति में जगदीश सीरवी ने बताया कि शनिवार 12 अक्टूबर को रावण दहन रात्रि 8 बजे से होगा। रावण दहन के कार्यक्रम में दक्षिणेश्वर केदारनाथ ट्रस्ट मंदिर हैदराबाद संरक्षक सलाहकार आयार्य महेंद्र कृष्ण शास्त्री महराज, चेयरमैन राजिर्षि ठा. जयपाल सिंह, ट्रस्टी प्रेमा नायल, मुकेश माली, प्रकाश चौधरी, राम भाटी, पाल कृष्णा यादव, शिव प्रकाश बंसल, धनजी भाई पटेल, चेनाराम सीरवी, वीरा रेड्डी, श्रीनिवास आदि व सर्व समाज बन्धु उपस्थित रहेंगे।

शुभ लाभ -Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, MEKALA NAVYA, is legally Wedded Wife of Service No. 14652137P, Rank: HAV, Name: SRINIVASA RAO KONA, Unit: SDD, Secunderabad, Residing at Vill: CHITTIVALASA, PO: CHITTIVALASA, Teh: BHEEMUNIPATNAM, Dist:VISAKHAPATNAM, State: ANDHRA PRADESH, Pin: 531162, I have Changed my name from **MEKALA NAVYA** to **KONA NAVYA ROHIMA**. That my date of Birth is 12-08-1992

CHANGE OF NAME
I, R SWATHI, is legally Wedded Wife of Service No. 14838142Y, Rank: EX- SEP/MT, Name: R RAJASHEKHAR, Residing at House No.2-73, Vill: RAILAPUR, Teh: RAMAYAMPET, Dist: MEDAK, State: TELANGANA, Pin: 502102, I have Changed my name from: **R SWATHI** to **ANDE SWATHI**. That my date of birth is 18-05-1988

CHANGE OF NAME
I, P Sabapathi, presently Posted at 61 MED Regt, 925751, C/o 56APO, have changed my son's name from **SAI HARISH** to **SAI HARISH S**, vide Affidavit Dt.11-10-2024, before Sec-Bad Court

CHANGE OF NAME
I, P Sabapathi, presently Posted at 61 MED Regt, 925751, C/o 56APO, have changed my son's name from **SANTOSH** to **SANTHOSH S**, vide Affidavit Dt.11-10-2024, before Sec-Bad Court

ज्योतिष ASTROLOGY
नाकोड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद. संपर्क : 9032460847.

DAILY खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र
में
दुःखद समाचार जैसे
स्वर्गवास, उठावना, पगड़ी रस्म, श्रद्धांजलि, पुण्यतिथि का विज्ञापन
अब मात्र रु.500/- में
साईज : 12 X10 cm
विज्ञापन एवं अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
77991 44471, 8688868345

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती रेवती बाई अग्रवाल
(धर्मपत्नी : स्व. श्री महावीर प्रसाद जी अग्रवाल)
स्वर्गवास : गुरुवार, 12 अक्टूबर 2023

मृदुल था स्वभाव आपका, श्रद्धा भाव आपके।
सदा याद आती रहेगी, बीते हर पल संग आपके।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :
सुरेश कुमार, गोपाल, रमेश, नंदलाल (देवर),
नरेश, बजरंग (भतीजे), अनिल,घनश्याम, रवींद्र, दिलीप (पुत्र),
कमल, विमल, दीपक, अंकित, रोहित, गौरव, तनिष्क (पौत्र),
रुद्राक्ष, देवांश, जागृत, निमांश (पड़पौत्र) एवं संपूर्ण प्राणसुख परिवार

फर्म: केदारमलजी महावीरप्रसादजी (बसईवाले)
14-2-389, गोशामहल, रज्जाकपूरा, हैदराबाद.
फोन: 9293942656, 9290145929, 9866823807

क्लासिक कन्वेंशन–3 में आयोजित सौभाग्य इन्फ्रा डेवेलपर्स प्र.लि. द्वारा प्रस्तुत रंगताली नवरात्रि महोत्सव के आठवें दिन माता की आरती मुख्य अतिथि के रूप में पधारे हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने की। श्री दत्तात्रेय एवं समाज सेवी अमृत कुमार जैन का आयोजकों द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। शुक्रवार को नवरात्रि महोत्सव में अभिनेत्री एवं मॉडल मन्नारा चोपड़ा ने भी डांडिया का आनंद लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं शुभ लाभ ग्रुप के सर्वेसर्वा गोपाल अग्रवाल, मनोज इन्नानी, मृदुल अग्रवाल, आशीष शर्मा, कोमल शर्मा एवं अन्य उपस्थित थे।

श्री संतोषी माता मन्दिर, मुस्लिमजंग पुल, बेगम बाज़ार में नवरात्रि पर विशेष पूजा–अर्चना करते हुए अग्रवाल समाज अध्यक्ष मनीष अग्रवाल–दीपा अग्रवाल। इस अवसर पर पूजारी सुनील कुमार पाण्डेय, आशीष यादव, उदय भास्कर, महन्त चेतनगिरी, विनय पाण्डेय व अन्य उपस्थित थे।

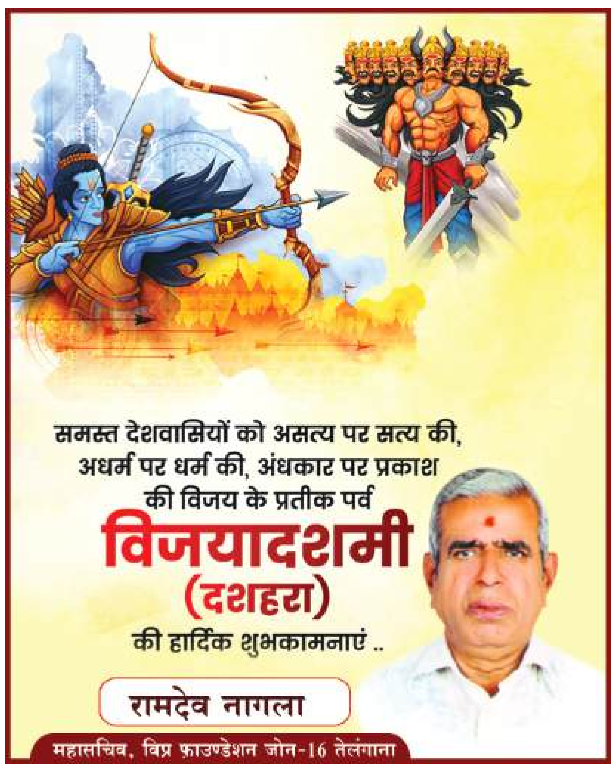

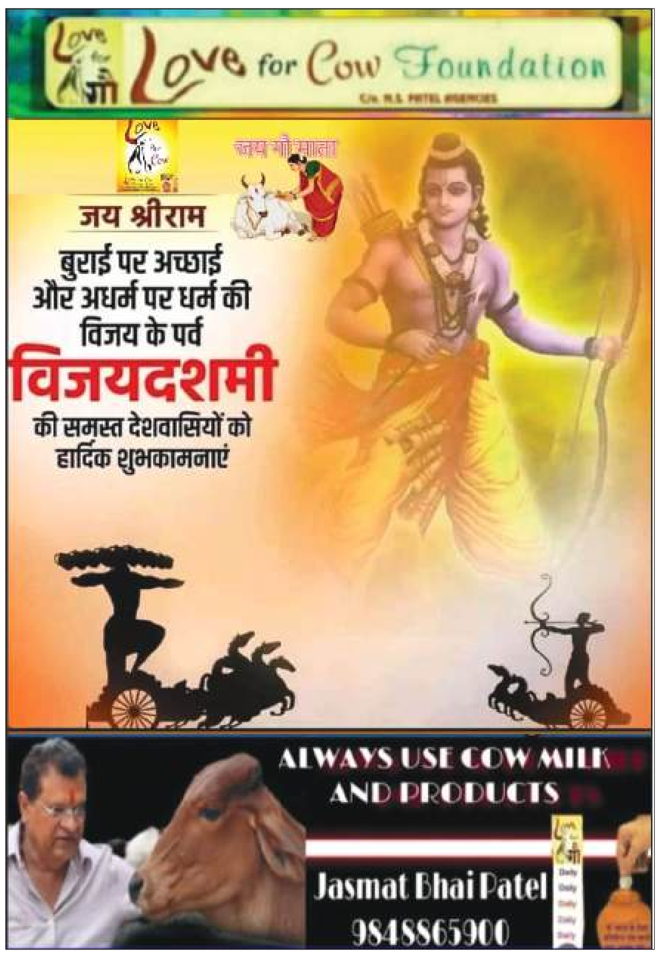

शिवशक्ति युवा मंडल द्वारा स्थापित माता जी के पंडाल के पास शुक्रवार को भव्य जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें सिखवाल समाज के रामदेव नागला व चंद्रभान व्यास ने माता के दर्शन किये। इस अवसर पर मनोहर जोशी, राधेश्याम दवे, राजु जोशी एवं अन्य भक्तगण उपस्थत थे।

श्री दत्तात्रेय पहाड़, श्री दत्तगिरि महाराज आश्रम में नवरात्रि के शुभ अवसर पर आयोजित विशेष पूजा–अर्चना में पधारे श्री दत्तगिरि आश्रम बरदीपुर के पीठाधिपति श्री श्री श्री 108 वैराघ्य शिकमणि अवधूतगिरि महराज और श्री श्री सिद्धेश्वर आनंदगिरि महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जयसवाल। इस अवसर पर गोपाल सिंह ठाकुर, बद्रीनाथ सिंह पट्टेदार, संदीप सिंह, इंद्रपाल सिंह, वीरेंद्र सिंह, विशाल सिंह, सोमराज सिंह व अन्य उपस्थित थे।

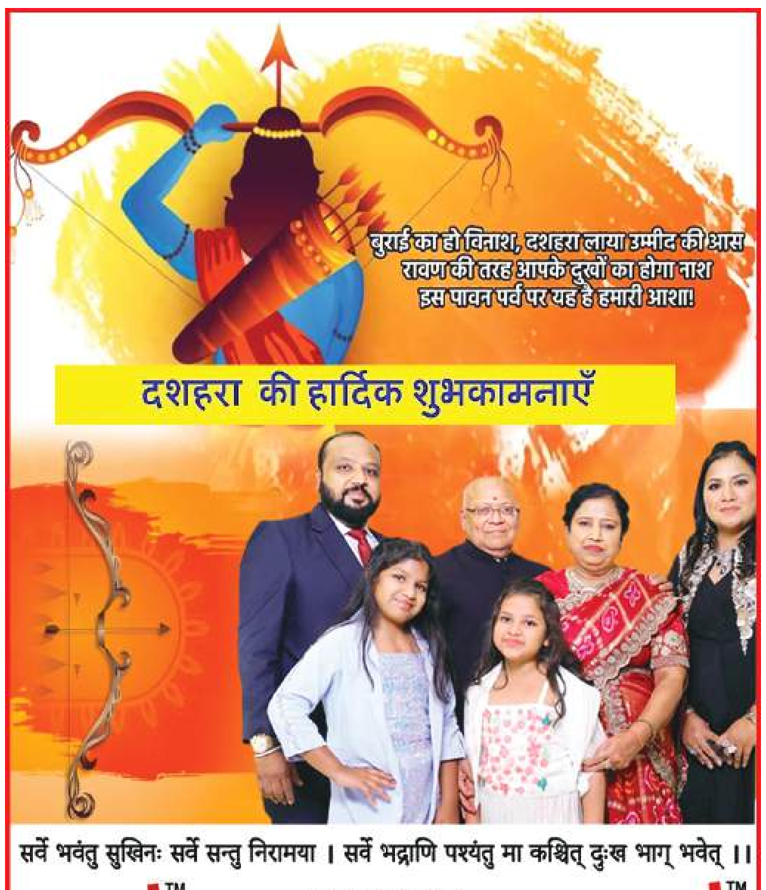

अन्नदान और भजन संध्या आयोजित

हैदराबादा, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एम. झाँसी बाई धर्मपत्नी स्मृति–शेष एम. भगत सिंह के सुपुत्र एम. राजू सिंह, एम. जीवन सिंह (जिब्बू), एम. सिनोद सिंह काछी संघ रामसिंह पुरा सोसायटी के उपाध्यक्ष, एम. भवानी सिंह (चित्रू) अन्य भक्तजन तथा जय भवानी यूथ एसोसिएशन रामसिंह पुरा, कारवान, हैदराबाद के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी माँ दुर्गा की आकर्षक मूर्ति की स्थापना की गयी। मूर्ति की स्थापना पिछले 22 वर्षों से नियमित की जा रही है। इस अवसर पर अन्नदान किया गया। जिसमें सर्वश्री एम. रंजीत सिंह, एम. आनंद सिंह, नितिन सिंह, एम. सुभाष सिंह, एम. वीरू सिंह, एच. विनेश सिंह, एम. नरेंदर सिंह, पी. प्रवीण सिंह, एम. गोकुल सिंह, एम. किरन सिंह आदि व एम. सिनोद सिंह परिवारजनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नवरात्रि पर नन्हे–मुन्नों को अन्नदान करते हुए भाजपा सैफरन डायरेक्टर विनित बच्चों को गिफ्ट देते हुए सपना गुप्ता।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट
राममनोहर लोहिया समता न्यास
अग्रवाल सेवा दल
agarwalsevadal@gmail.com
शिक्षा छात्रवृति
डिग्री तथा पोस्ट ग्रेजुएट की शिक्षा प्राप्त कर रहे 600 मेधावी (80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले) छात्रों को छात्रवृति कुल सत्तर लाख रुपये। 8000 से 27000 रुपये प्रति छात्र (पूर्व निर्धारित नियमानुसार)
आवेदन पत्र सोमवार, दि. 14 अक्तूबर 2024 से
पहले आओ पहले पाओ के आधार पर
ट्रस्ट के कार्यालय, सोमाजीगुडा (040-23311056) अथवा निम्न स्थानों से मध्याह्न 2.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं
अग्रोहा बैंक, हाई कोर्ट रोड, 040-24511322
प्रदीप अग्रवाल, सिकंदराबाद, 9246504222
सुधीर गुप्ता, मोज़मजाही मार्केट, 9550522277
सुरेंद्र गोयल, नारायणगुडा, 9866493222
कैलाश केडिया, "श्याम कुंज" आदर्श नगर, 8523047956
उर्मिला अग्रवाल, बंजारा हिल्स, 9866654403
दीपक गुप्ता, नवीन एन्टरप्राईजेस, बुरुप बाजार 9000003231
आवेदन पत्र केवल विद्यार्थी अथवा उनके अभिभावकों को पिछले वर्ष की अंक तालिका की मूल प्रति तथा आधार कार्ड देखने के बाद ही प्रदान किए जाएंगे।
परिवार का केवल एक ही छात्र आवेदन कर सकता है
आवेदन पत्र दि. 22 अक्टूबर तक जमा कराए जा सकते हैं
अग्रवाल शिक्षा समिति के छात्रों को केवल अग्रोहा बैंक से आवेदन पत्र जारी किए जाएंगे
AGROHA BANK
AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Opp. High Court, Rikabgunj, Hyderabad - 500002 Ph-040-24511322, 7093326428
Deposit more than 3 years upto 7 Years 8.85%
Sr. Citizen, REGD Trusts 0.50 Extra

मूसी सौंदर्यीकरण से पहले जल निकासी के मुद्दों का समाधान करे राज्य सरकार : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री जी किशन रेड्डी ने मूसी रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण परियोजना के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण को गरीबों के लिए हानिकारक बताते हुए कहा कि राज्य सरकार को उन लोगों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए

जिनके घर मूसी जलग्रहण क्षेत्रों में ध्वस्त किए जा रहे हैं।

शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग मूसी जलग्रहण क्षेत्रों में 40 वर्षों से अधिक समय से रह रहे हैं और सरकार उन्हें किसी प्रकार का पुनर्वास प्रदान किए बिना उनके घरों को ध्वस्त नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा जल निकासी का पानी मूसी में छोड़ा जाता है। किसी भी सौंदर्यीकरण प्रयास से पहले जल निकासी के मुद्दों का निपटारा करना आवश्यक है। राज्य सरकार ने मुसी रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण परियोजना की घोषणा की थी, लेकिन यह खुलासा नहीं किया था कि वह रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण परियोजना के लिए धनराशि कहां से जुटाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि परियोजना को लागू करने के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

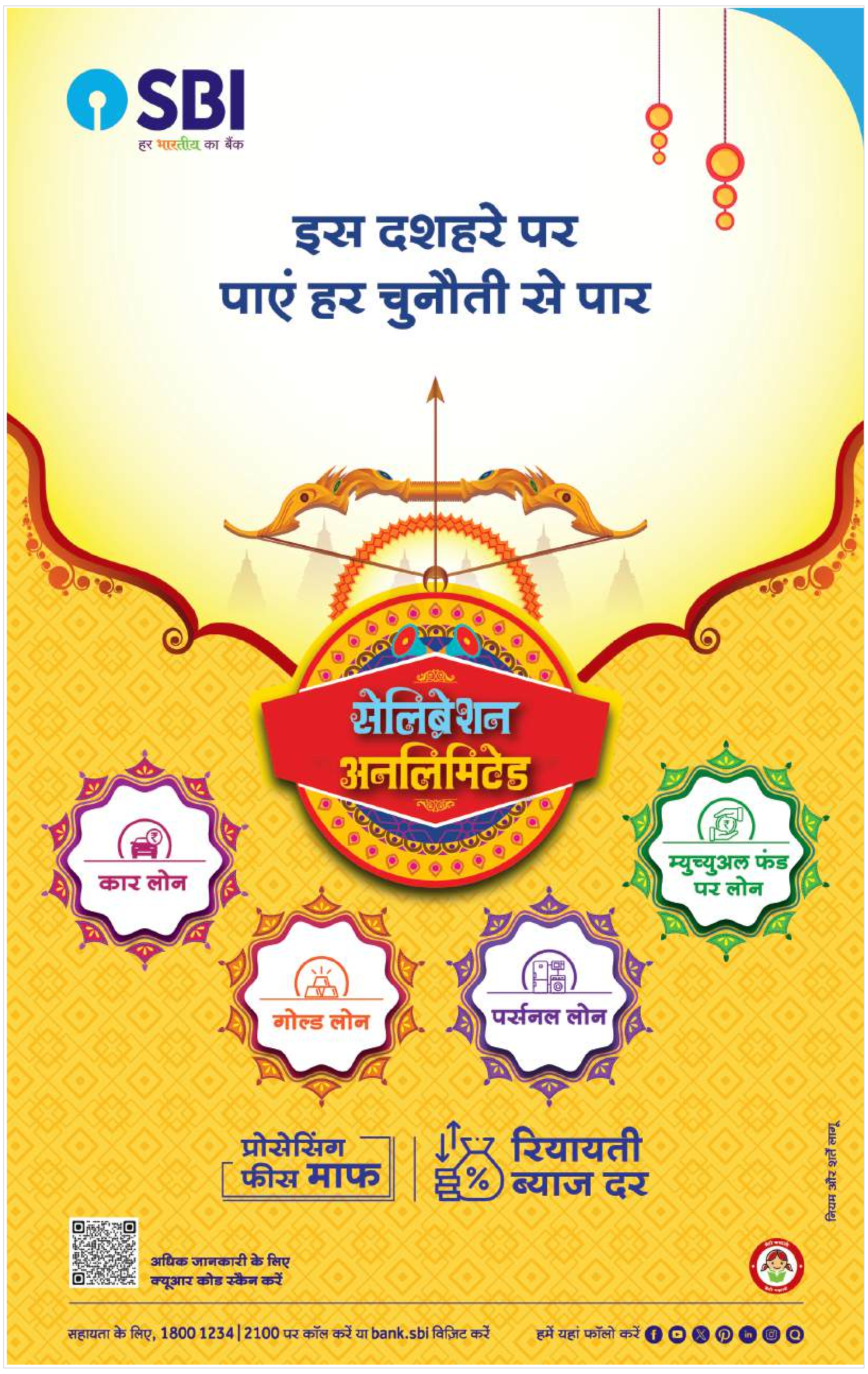

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.